दैनिक

जयपुर टाइम्स

नई सोच नई रफ्तार

जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चुरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष : 11 अंक : 136 ■ डाक पंजीयन संख्या : जयपुर सिटी / 007/2017-19 जयपुर, शुक्रवार 05 जून, 2026 ■ RNI.No.RAJHIN/2016/70162

सखी संबल और माय भारत वॉलिंटियर्स सरकार और आमजन के बीच सेतु की कड़ी, महिला और युवा देश की ताकत : भजनलाल शर्मा

जयपुर टाइम्स

मुख्यमंत्री आवास पर भजन लाल शर्मा ने सखी संबल और माय भारत वॉलिंटियर्स से जुड़ी महिलाओं से किया संवाद, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पर्सनैलिटी और व्यवहार से काफी प्रभावित हुई महिलाए

जयपुर(कासं.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के विजन को साकार करने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा राजस्थान को विकसित राज्य बनाने की दिशा में सतत रूप से कार्य कर रहे हैं इसके लिए भजनलाल सरकार एक तरफ जहां भविष्य को ध्यान में रखकर बड़े-बड़े प्रोजेक्ट तैयार करके उन्हें धरातल पर लाने का काम कर रही है तो दूसरी तरफ मुख्यमंत्री शर्मा लगातार प्रदेश के किसान, युवा, महिला, उद्योगपतियों, व्यापारियों, स्वयंसेवी संस्थाओं, सरकारी कर्मचारी संगठन, सामाजिक संगठनों इत्यादि सभी से सामूहिक रूप से संवाद करके प्रदेश के विकास और कल्याण के लिए योजनाएं तैयार करते हैं यही वजह है कि पिछले सवा दो साल में देश के भजन लाल सरकार की ओर से संपादित की जा रही योजनाओं से राजस्थान में एक क्रांतिकारी बदलाव नजर आने लगा है गुरुवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री आवास पर सखी संबल और माय भारत वालंटियर से जुड़ी महिलाओं को संवाद के लिए बुलाया संवाद के दौरान महिलाएं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के व्यक्तित्व से काफी प्रभावित नजर आई कार्यक्रम के समापन के बाद भी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की वर्किंग स्टाइल और उनके अच्छे व्यवहार की महिलाओं ने जमकर प्रशंसा की ।

मुख्यमंत्री आवास पर गुरुवार को सखी संबल और माय भारत वालंटियर से संवाद के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2014 के बाद देश में महिलाओं के कल्याण और विकास के लिए कई बड़े-बड़े कार्यक्रम शुरू किया और कई बड़ी-बड़ी योजनाएं देश की महिलाओं को समर्पित की जिसकी वजह से देश भर की महिलाएं अपनी सालों पुरानी समस्याओं से मुक्त हुई मुख्यमंत्री शर्मा ने महिलाओं से कहा कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की देन है इस अभियान का ही परिणाम है कि आज पुरुष और महिलाओं के लिंग भेद में ज्यादा अंतर नहीं है अन्यथा 2014 से पहले पुरुष और महिलाओं के लिंग भेद में विशाल अंतर था इसी तरह से मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि हर घर में शौचालय हर घर में नल का जल जैसी योजनाओं को शुरू करके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिलाओं की सालों की पीड़ा को दूर किया इसी तरह से जनधन योजना के तहत पूरे देश भर में महिलाओं के खाते बैंकों में खुला अन्यथा देश में ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं बैंकों के बारे में कुछ भी नहीं जानती थी आज ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं भी बैंकों से लेनदेन का काम बखूबी से कर रही हैं उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार और हमारी सरकार दोनों मिलकर महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए उन्हें स्वरोजगार के लिए प्रेरित करने के लिए ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में महिलाओं के समूह स्थापित करके उन्हें लोन दे रही है जिसमें महिलाएं गजब का प्रदर्शन कर रही हैं राजस्थान में भी बड़ी संख्या में महिलाएं खुद को आर्थिक रूप से मजबूत कर रही है और प्रदेश और देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूत बनाने में बड़ी भूमिका निभा रही है मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार ने भी पिछले सवा दो साल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और निर्देशन में महिलाओं के कल्याण और विकास के लिए कई कदम उठाए हैं जिसमें आंगनबाड़ी केंद्रों में जहां महिलाओं के लिए सुविधाओं का विस्तार किया गया है तो दूसरी तरफ शिक्षा के क्षेत्र में भी छात्रों को प्रेरित करने के लिए कई बड़े निर्णय लिए गए जिसमें साइकिल और स्कूटी वितरण के अलावा महिला शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने कई बड़े कदम उठाए हैं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संवाद के दौरान कार्यक्रम में मौजूद महिलाओं से कहा कि सखी संबल और माय भारत वॉलिंटियर्स सरकार और आमजन के बीच सेतु का कार्य करती हैं उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद महिलाओं से कहा कि केंद्र सरकार और राजस्थान सरकार की ओर से संचालित की जा रही विभिन्न तरह की जनकल्याणकारी योजनाओं और कार्यक्रमों को जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाने की अपील की मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कहे अनुसार एक विजन के तहत किसान, महिला, युवा और मजदूर के हितों की रक्षा और कल्याण के लिए लगातार काम कर रही है उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि जब तक किसी देश में महिलाओं का विकास नहीं होगा तब तक वह देश समुचित रूप से तरक्की नहीं कर सकता इसीलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और निर्देशन में हमारी सरकार लगातार महिला और युवा के कल्याण और विकास के लिए काम कर रही है जिसमें युवाओं के लिए बड़ी संख्या में सरकारी और निजी स्तर पर जहां रोजगार उपलब्ध करवाई जा रहे हैं तो युवा नीति के माध्यम से युवाओं को रोजगार लेने वाला नहीं बल्कि रोजगार देने वाला बनाया जा रहा है युवाओं को 50 लाख से एक करोड़ रुपए तक का लोन रोजगार के लिए फ्री ब्याज पर उपलब्ध करवाया जा रहा है, इसी तरह से पिछले सवा दो साल में पानी और बिजली के क्षेत्र में भी हमारी सरकार ने शानदार कार्य किया है जिसमें प्रत्येक जिले में पीने के पानी और खेती के लिए पानी उपलब्ध कराने के लिए बड़े-बड़े प्रोजेक्ट शुरू किए गए हैं बिजली में भी हमारी सरकार ने रिकॉर्ड उत्पादन किया है वर्ष 2027 में हमारी सरकार उद्योगपतियों, किसान और आमजन को 24 घंटे बिजली उपलब्ध करवाएगी उन्होंने संवाद में मौजूद महिलाओं से कहा कि देश में महिला और युवा देश की शक्ति है और हमारी सरकार महिला और युवाओं के कल्याण के लिए लगातार काम कर रही है इसके बारे में सखी संबल और माय भारत वॉलिंटियर्स से जुड़ी महिलाएं सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाएं ताकि जिन लोगों को सरकार की योजनाओं की जानकारी नहीं है वे लोग भी सरकार की योजनाओं का फायदा उठा सकें।

भजनलाल सरकार का प्रदेश भर में खेत बचाओ अभियान : अभियान को ऐतिहासिक बनाने के लिए मैराथन बैठक

जयपुर टाइम्स

जयपुर(का.सं.)। प्रदेश की भजनलाल सरकार शुरू से ही प्रदेश में खेती और किसान के विकास पर कल्याण के लिए लगातार काम कर रही है इसके लिए कई तरह की नई योजनाएं और कार्यक्रम संपादित किया जा रहे हैं तो आधुनिक खेती को बढ़ावा देने, किसान की इनकम को दुगनी करने, फसल उत्पादन बढ़ाने और किसानों को अन्य व्यवसाय से जोड़ने जैसे प्रयासों पर भी सरकार गंभीरता से कम कर रही है बुधवार को कृषि मंत्री डॉक्टर किरोड़ी मीणा के अध्यक्षता में कृषि भवन में एक मैराथन बैठक आयोजित हुई इस बैठक में खेत बचाओ अभियान को पूरे प्रदेश में सफलतापूर्वक तरीके से संपादित करने के लिए आवश्यक कार्य योजना करने के लिए व्यापक चर्चा की गई इस बैठक में कृषि आयुक्त नरेश कुमार गोयल और कृषि विभाग से जुड़े अन्य अधिकारी भी शामिल रहे बैठक में प्रदेश भर के किसानों को खेती के बारे में जागरूक करने के लिए तैयार किए गए खेत बचाओ अभियान को लेकर विस्तृत रणनीति तैयार की गई इस अभियान में किसानों को नियमित रूप से जमीन का मृदा स्वास्थ्य परीक्षण करवाने के बारे में बारीकी से बताया जाएगा किसानों को समझाया जाएगा की लंबे समय तक जमीन की उर्वरा शक्ति बनाए रखने के लिए मिट्टी का परीक्षण नियमित रूप से करवाते रहे और मिट्टी की परीक्षण रिपोर्ट के आधार पर ही कृषि वैज्ञानिकों की सलाह के आधार पर खेतों में फसल का उत्पादन करें इस बैठक में किसानों को यूरिया खाद के ज्यादा उपयोग से बचने की सलाह भी जाएगी तथा कृषि वैज्ञानिकों की सलाह के आधार पर ही खेतों में किस तरह का और कौन सा खाद उपयोग में लिया जाए इसके बारे में किसानों को जानकारी दी जाएगी इसके अलावा कम पानी में ज्यादा उत्पादन करने वाली फसलों के बारे में भी किसानों को बताया जाएगा, फवारा सिंचाई पद्धति का ज्यादा उपयोग करने के बारे में भी किसानों को जागरूक किया जाएगा, आधुनिक खेती को बढ़ावा देने के लिए खेती के आधुनिक संसाधनों, यंत्र उपकरणों का उपयोग करने के बारे में भी किसानों को जानकारी दी जाएगी जैविक खेती को बढ़ावा देने तथा किसानों को दुग्ध उत्पादन, मत्स्य उत्पादन, सौर ऊर्जा उत्पादन इत्यादि से जुड़ने के लिए भी किसानों को प्रोत्साहित किया जाएगा ताकि किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत हो सके कुल मिलाकर बुधवार को आयोजित हुई इस बैठक में खेत बचाओ अभियान को पूरे प्रदेश भर में सफलतापूर्वक संपादित करने के लिए कृषि विभाग ने पूरी तैयारी कर ली है इसके लिए जिला प्रशासन, राजस्व और अन्य विभागों का भी सहयोग किया जाएगा।

जल संसाधन मंत्री ने किया भीम एवं भोपालसागर बांधों के साथ नहर प्रणालियों के जीर्णोद्धार एवं नवीनीकरण कार्यों का भव्य शिलान्यास

जयपुर(का.सं.), जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत एवं भीम विधायक हरिसिंह रावत ने गुरुवार को राजसमंद जिला स्थित भीम एवं भोपालसागर बांधों तथा इनकी नहर प्रणालियों की मरम्मत एवं नवीनीकरण कार्यों का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री बजट घोषणा वर्ष 2025-26 के अंतर्गत दोनों बांधों एवं इनकी नहरों के जीर्णोद्धार की घोषणा के क्रम में यह कार्य प्रारंभ किया गया है। इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने कहा कि राज्य सरकार किसानों को बेहतर सिंचाई सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा जल संसाधनों के संरक्षण एवं सुदृढ़ीकरण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पुराने सिंचाई ढांचों के नवीनीकरण से जल भंडारण क्षमता बढ़ेगी, जल वितरण व्यवस्था मजबूत होगी तथा कृषि उत्पादन को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने अधिकारियों को कार्यों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समयावधि में पूर्ण करने के निर्देश दिए। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने कहा कि राज्य सरकार जल संरक्षण, जल संसाधनों के सुदृढ़ीकरण तथा सिंचाई परियोजनाओं से जुड़े विकास कार्यों को त्वरित गति से पूर्ण करने के लिए गंभीर है। सिंचाई परियोजनाओं के विस्तार एवं जीर्णोद्धार से कृषि उत्पादन बढ़ेगा, किसानों की आय में वृद्धि होगी तथा क्षेत्र का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित होगा। जल संसाधन विभाग के अधिशाषी अभियंता मान सिंह जोरवाल ने बताया कि के अनुसार भीम बांध का निर्माण वर्ष 1950 में तथा भोपालसागर बांध का निर्माण वर्ष 1956 में किया गया था।

आखिरकार सतीश पूनिया को पार्टी में उनके उल्लेखनीय कार्यों के लिए भाजपा हाईकमान दे दिया बड़ा तोहफा, राज्यसभा जाएंगे सतीश पूनिया

सतीश पूनिया को राज्यसभा का टिकट मिलने के बाद प्रदेश भर में सतीश पूनिया के लाखों समर्थकों में खुशी का माहौल, अलका गुर्जर को भी मिला टिकट

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राजस्थान भाजपा के पूर्व अध्यक्ष और हरियाणा भाजपा के प्रभारी सतीश पूनिया आखिरकार भारतीय जनता पार्टी के दिल्ली दरबार ने उनकी मेहनत और पार्टी में उनकी ओर से किए गए उल्लेखनीय कार्यों का इनाम देते हुए उन्हें राज्यसभा के लिए पार्टी का टिकट देने का निर्णय कर लिया है । सतीश पूनिया को राज्यसभा का टिकट मिलने के बाद प्रदेश भर में भारतीय जनता पार्टी के छोटे बड़े सभी कार्यकर्ताओं और नेताओं में खुशी का माहौल छा गया है क्योंकि पूनिया पूर्व में राजस्थान भाजपा के अध्यक्ष रह चुके हैं और कोरोना की अवधि में विपरीत और कठिन परिस्थितियों में उन्होंने जिस तरह से पार्टी का शानदार तरीके से संचालन भी किया और प्रदेश भर में कोरोना की अवधि में लोगों की सेवा करने के लिए भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं को लगातार प्रोत्साहित करते रहे और भारतीय जनता पार्टी के छोटे बड़े सभी कार्यकर्ताओं और नेताओं ने पूनिया के दिशा निर्देशन और नेतृत्व में कोरोना की अवधि में प्रदेश के लोगों की जमकर सेवा की जिसकी चर्चा भारतीय जनता पार्टी के जयपुर और दिल्ली के गलियारों में ही नहीं हुई बल्कि अन्य राजनीतिक दलों से जुड़े लोगों ने भी अंदरुनी रूप से सतीश पूनिया की वर्किंग स्टाइल और उनकी जन सेवा की खूब तारीफ की इसीलिए बुधवार को जब सतीश पूनिया को राज्यसभा का टिकट देने का पार्टी हाई कमान ने ऐलान किया तो यह खबर सुनकर पूरे प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं में गजब की खुशी छा गई उल्लेखनीय है कि सतीश पूनिया ने छात्र राजनीति भी दमदार तरीके से की थी अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में कई सालों तक संगठन में बड़े पदों पर रहते हुए परिषद के संगठन को मजबूत बनाने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई इसके अलावा राजस्थान विश्वविद्यालय छात्र संघ की राजनीति में भी सतीश पूनिया एक बड़े छात्र नेता के रूप में उभर कर सामने आए थे बाद में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश संगठन में भी इन्होंने प्रभावी तरीके से अपनी भूमिका निभाई पार्टी ने इन्हें जो भी जिम्मेदारी थी उस जिम्मेदारी को प्रभावी तरीके से निभाया और उत्कृष्ट प्रदर्शन करके प्रदेश और दिल्ली में बैठे भारतीय जनता पार्टी के बड़े नेताओं को प्रभावित किया इसलिए पार्टी के संगठन के मामलों में इनकी अच्छी पकड़ और दूरदर्शी सोच को देखते हुए इन्हें भारतीय जनता पार्टी की राजस्थान इकाई का अध्यक्ष भी बनाया गया जिसमें इनका अध्यक्ष के रूप में कार्यकाल भाजपा के गलियारों में काफी ऐतिहासिक माना जाता है इसके बाद संगठन में उनके अच्छे अनुभव को देखते हुए पार्टी हाई कमान ने इन्हें हरियाणा में पार्टी का प्रभारी बनाया और हरियाणा के पिछले विधानसभा चुनाव में पार्टी के उम्मीदवारों के चयन से लेकर पार्टी का प्रचार प्रसार और अन्य चुनाव संबंधी सभी निर्णय भाजपा का दिल्ली दरबार सतीश पूनिया की सलाह पर लेता रहा जो हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी की शानदार जीत का बड़ा कारण बना अन्यथा न्यूज़ चैनल के सर्वे में हरियाणा में भाजपा का प्रदर्शन काफी कमजोर बताया जा रहा था लेकिन चुनाव में सतीश पूनिया की चुनावी रणनीति ने हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी को बड़ी जीत दिलाई उसके बाद सतीश पूनिया का भाजपा के दिल्ली दरबार में और भी रुतबा बढ़ गया कुछ महीने पहले देश में विभिन्न राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव में भी सतीश पूनिया को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई वहां भी सतीश पूनिया ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करके भाजपा हाई कमान को काफी प्रभावित किया यही वजह है कि भाजपा हाई कमान ने उन्हें अब राज्यसभा का टिकट देकर उनकी मेहनत का बड़ा तोहफा दिया है सतीश पूनिया के अलावा डॉक्टर अलका गुर्जर को भी राज्यसभा का टिकट दिया गया है ।

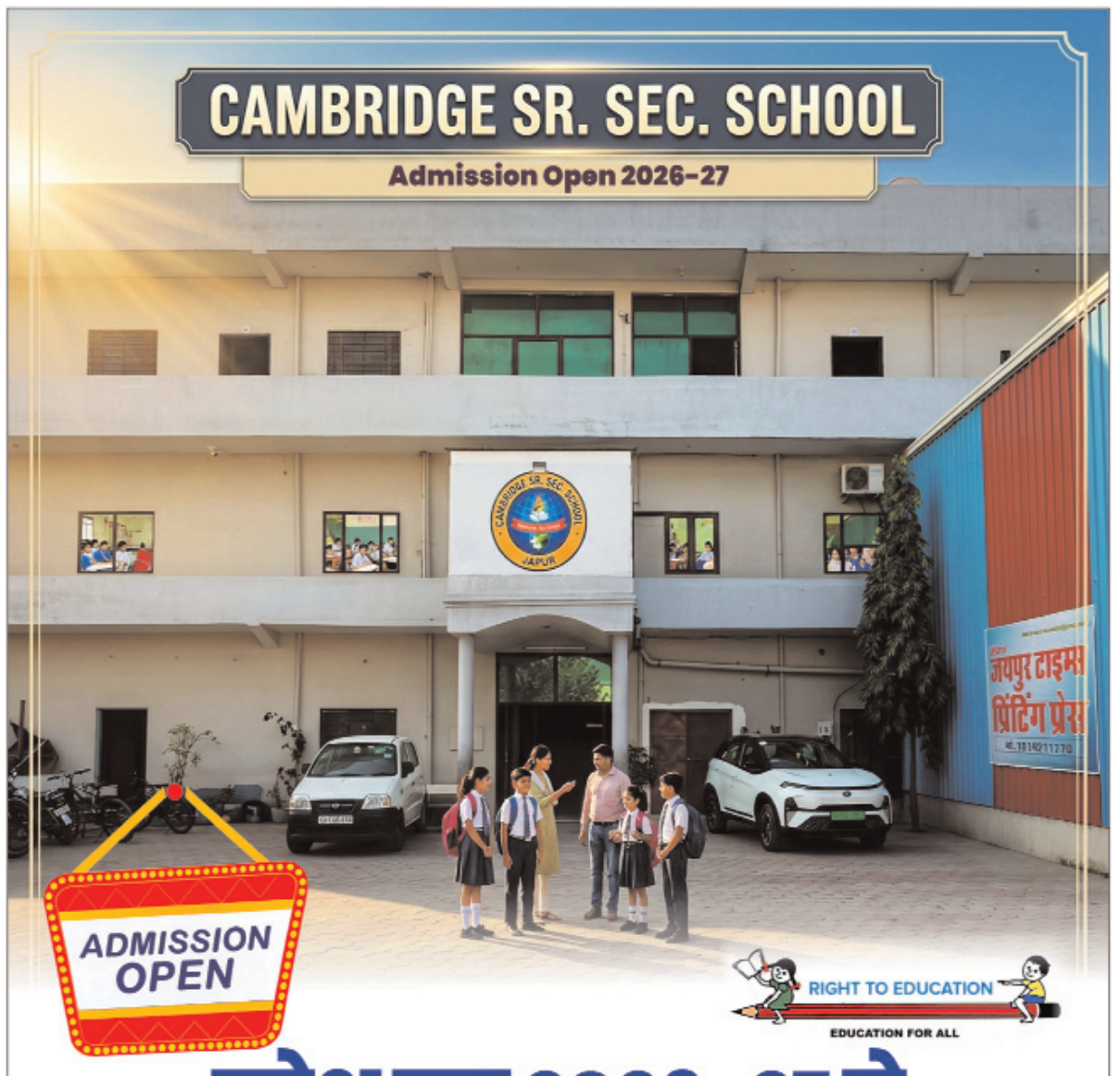

सौम्या झा के रात्रि चौपाल से दोसा जिले के ग्रामीण इलाकों में फूल खिले गुलशन गुलशन जैसे हालात

जयपुर टाइम्स

दौसा/जयपुर(का.सं.)। दोसा जिला कलेक्टर सौम्या झा की ओर से ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित रूप से के बाद एक गांव में आयोजित किया जा रहे रात्रि चौपाल कार्यक्रमों से जिले के ग्रामीण क्षेत्र में एक खुशनुमा, स्वस्थ और अच्छा माहौल बन रहा है जो निश्चित रूप से दोसा जैसे संवेदनशील जिले के लिए एक सुखद खबर मानी जा सकती है, रात्रि चौपाल कार्यक्रम में जिला कलक्टर डॉ. सौम्या झा की वर्किंग स्टाइल लोगों में चर्चा का विषय बनी हुई है सौम्या झा रात्रि चौपाल में आने वाली महिलाओं से जिस आत्मीय भाव से मुलाकात करके उनके हाल-चाल और उनकी समस्याओं को जानने का प्रयास कर रही है उससे ग्रामीण क्षेत्र की घुंघट धारी महिलाएं घूंघट हटाकर मुस्कुराते हुए सौम्या झा से बात करती हुई नजर आ रही हैं इस तरह का दृश्य मौके पर एक ऐसा खुशनुमा माहौल बना देता है जो वहां मौजूद लोगों के लिए अनायास ही चर्चा का विषय बन जाता है, इन रात्रि चौपाल में सौम्या झा ग्रामीणों की प्रत्येक समस्या के निस्तारण को लेकर काफी अलर्ट और सजग भी नजर आ रही हैं रात्रि चौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामीणों की समस्याओं का निस्तारण भी हो रहा है और जिन समस्याओं का हाथों हाथ निस्तारण नहीं हो पा रहा उसकी वजह बताकर ग्रामीणों को संतुष्ट भी किया जा रहा है इस तरह से सौम्या झा के यह रात्रि चौपाल कार्यक्रम पूरे जिले के ग्रामीण इलाकों में फूल खिले गुलशन गुलशन के हालात दर्शा रहा है , विगत बुधवार को जिला कलेक्टर सौम्या झा ने पंचायत समिति मंडावर की ग्राम पंचायत बावड़ीखेड़ा में आयोजित रात्रि चौपाल में ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। रात्रि चौपाल के दौरान शिक्षा, विद्युत, पेयजल, सड़क, राजस्व, सामाजिक सुरक्षा एवं विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़े मुद्दे प्रमुखता से उठाए गए। ग्रामीणों ने राउमावि बावड़ीखेड़ा में व्याख्याताओं के रिक्त पद भरने, गढ़मेढ़या ढाणी से बावड़ीखेड़ा तक 33 केवी विद्युत लाइन को सुव्यवस्थित कराने, आम रास्तों एवं संपर्क मार्गों का सुधार, विद्युत तारों की मरम्मत, सीमा ज्ञान, भूमि आवंटन, अतिक्रमण हटाने तथा रास्तों से जुड़े मामलों के समाधान की मांग रखी। इसके अलावा राशन कार्ड सक्रिय कराने, एनएफएसए में राशन चालू करवाने, 100 यूनिट निःशुल्क बिजली योजना का लाभ दिलाने, पीएम आवास योजना में नाम जोड़ने, मनरेगा में कार्य उपलब्ध कराने, पेयजल व्यवस्था सुधारने, पशु चिकित्सा उपकेंद्र के लिए भूमि उपलब्ध कराने तथा पुस्तकालय खोलने संबंधी परिवाद भी प्रस्तुत किए गए।

उजाले में उजाला अंधेरे में अंधेरा नगर निकाय की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

दिन में चमकती सड़क लाइटें रात में अंधेरे में डूबती सड़कें

बिजली की बर्बादी से जनता परेशान

जयपुर टाइम्स

अलवर। (निसं.) उजाले में उजाला और अंधेरे में अंधेरा यह कहावत इन दिनों स्थानीय निकाय और नगर निगम की कार्यप्रणाली पर बिल्कुल सटीक बैठती नजर आ रही है। शहर और कस्बों की सड़कों पर लगे स्ट्रीट लाइट सिस्टम की हालत ऐसी हो गई है कि दिन के उजाले में कई स्थानों पर लाइटें पूरी शान से जलती रहती हैं, जबकि रात के समय जब वास्तव में उनकी जरूरत होती है, तब अनेक क्षेत्रों में सड़कें अंधेरे में डूबी रहती हैं आमजन का कहना है कि यह स्थिति केवल प्रशासनिक लापरवाही का उदाहरण नहीं है, बल्कि सरकारी संसाधनों और बिजली की खुली बर्बादी भी है। एक ओर सरकार ऊर्जा संरक्षण और बिजली बचत के बड़े-बड़े दावे करती है, वहीं दूसरी ओर नगर निकायों की अनदेखी उन दावों को खोखला साबित कर रही है स्थानीय लोगों के अनुसार शहर के कई प्रमुख मार्गों, कॉलोनियों और सार्वजनिक स्थलों पर दिनभर स्ट्रीट लाइटें

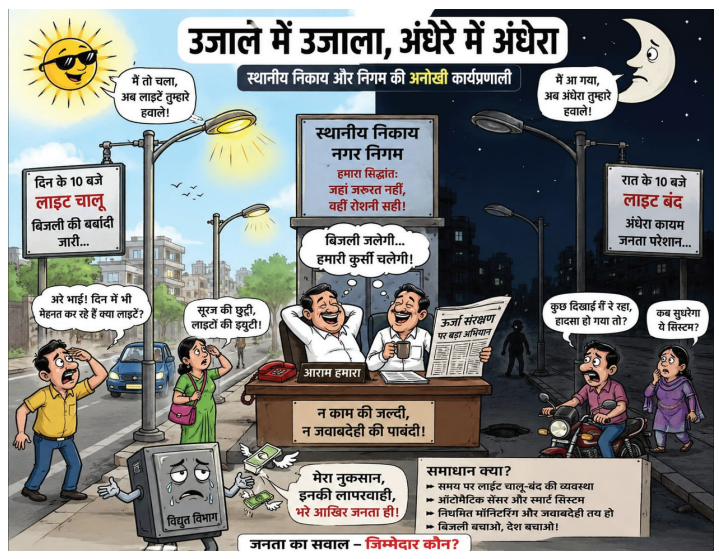

जलती रहती हैं। सुबह सूरज निकलने के घंटों बाद तक भी लाइटें बंद नहीं की जातीं। वहीं रात के समय कई इलाकों में स्ट्रीट लाइटें बंद रहने से राहगीरों, महिलाओं और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

बिजली बचाओ अभियान सिर्फ कागजों तक सीमित

विडंबना यह है कि समय-समय पर ऊर्जा संरक्षण को लेकर अभियान चलाए जाते हैं, लोगों को बिजली बचाने की सीख दी जाती है और अनावश्यक बिजली उपयोग पर रोक लगाने की अपील की जाती है। लेकिन सरकारी तंत्र के अधीन संचालित स्ट्रीट लाइट व्यवस्था स्वयं इन नियमों की धज्जियां उड़ाती नजर आ रही है दिन में जलती सैकड़ों स्ट्रीट लाइटें प्रतिदिन हजारों यूनिट बिजली की खपत कर रही हैं, जिसका सीधा आर्थिक भार सरकारी खजाने और अंततः आम जनता पर पड़ता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि समय पर निगरानी और रखरखाव किया जाए तो इस अनावश्यक खर्च को आसानी से रोका जा सकता है।

रात के अंधेरे में बढ़ रहा खतरा

रात के समय बंद रहने वाली स्ट्रीट लाइटें केवल असुविधा ही नहीं बल्कि सुरक्षा के लिए भी गंभीर चुनौती बन रही हैं। अंधेरे मार्गों पर दुर्घटनाओं, चोरी और असामाजिक गतिविधियों की आशंका बढ़ जाती है। कई क्षेत्रों के नागरिकों ने शिकायतें भी दर्ज कराई हैं, लेकिन समाधान की गति उतनी ही धीमी दिखाई देती है जितनी तेजी से दिन में बिजली का मीटर दौड़ता है।

स्मार्ट सिटी के सपनों पर सवाल

डिजिटल और स्मार्ट व्यवस्थाओं के दौर में भी यदि स्ट्रीट लाइटों को समय पर चालू और बंद करने की व्यवस्था सुनिश्चित नहीं हो पा रही है तो यह प्रशासनिक दक्षता पर बड़ा प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। आधुनिक तकनीक के माध्यम से ऑटोमैटिक सेंसर और टाइमर आधारित सिस्टम लगाए जा सकते हैं, लेकिन कई स्थानों पर व्यवस्था आज भी पुराने ढर्रे पर चल रही है।

जनता पूछ रही–जिम्मेदार कौन?

नागरिकों का कहना है कि जब आम उपभोक्ता बिजली का बिल समय पर नहीं भरता तो उस पर कार्रवाई होती है, लेकिन सरकारी स्तर पर होने वाली इस बर्बादी की जवाबदेही आखिर किसकी है? दिन में जलती और रात में बुझी रहने वाली स्ट्रीट लाइटें प्रशासनिक उदासीनता की कहानी बयां कर रही हैं आमजन अब मांग कर रहे हैं कि स्ट्रीट लाइट व्यवस्था की नियमित मॉनिटरिंग की जाए, दोषी कर्मचारियों की जवाबदेही तय हो तथा बिजली बचत के लिए आधुनिक नियंत्रण प्रणाली लागू की जाए, ताकि उजाले में उजाला और अंधेरे में अंधेरा जैसी विडंबना का अंत हो सके शायद नगर निकाय की घड़ियां भी अब सूरज से नहीं, फाइलों से चलती हैं। तभी तो दिन में लाइटें जगमगाती हैं और रात में अंधेरा अपनी ड्यूटी निभाता है।

अलवर के मुक्केबाजों ने राज्य स्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता में जीते 4 पदक

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। दौसा में 1 से 3 जून 2026 तक आयोजित 7वीं राज्य स्तरीय अंडर-17 बालक एवं बालिका बॉक्सिंग प्रतियोगिता में अलवर जिले के मुक्केबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 4 पदक अपने नाम किए। प्रतियोगिता में बालक वर्ग के गौरव चौधरी ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए रजत पदक हासिल किया। बालिका वर्ग में प्रभनूर कौर ने भी शानदार मुकाबले खेलते हुए रजत पदक अपने नाम किया। इसके अलावा शुभांश नारूका और दक्ष यादव ने अपने-अपने भार वर्ग में कांस्य पदक जीतकर अलवर जिले का गौरव बढ़ाया। जिला बॉक्सिंग संघ के पदाधिकारियों एवं प्रशिक्षकों ने सभी पदक विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

राष्ट्रीय क्षत्रिय महासभा का अधिवेशन 7 जून को अलवर में, देशभर के पदाधिकारी होंगे शामिल

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा का राष्ट्रीय अधिवेशन वर्ष 2026 का आयोजन आगामी 7 जून को राजस्थान के अलवर जिले में किया जाएगा। अधिवेशन में देशभर से महासभा की राष्ट्रीय, प्रदेश एवं जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारी तथा सदस्य भाग लेंगे। महासभा के प्रदेश अध्यक्ष लक्षमेश कुमार सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय अधिवेशन में राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर भेरुसिंह चौहान, महिला विंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष उषा पवार, कार्यकारी अध्यक्ष रणविजय सिंह, राष्ट्रीय प्रमुख महामंत्री महेंद्र सिंह तोमर तथा राजस्थान प्रदेश युवा अध्यक्ष सोमवीर सिंह तंवर सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे और कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वयं प्रदेश अध्यक्ष लक्षमेश कुमार सिंह करेंगे, जबकि अतिथियों का स्वागत अलवर जिलाध्यक्ष सुशील सिंह एवं महिला जिलाध्यक्ष योगिता भाटी द्वारा किया जाएगा। अधिवेशन में विभिन्न राज्यों से आए प्रदेश अध्यक्षों एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी के प्रमुख पदाधिकारियों द्वारा संगठन की भावी योजनाओं, सामाजिक एकता तथा युवाओं की भूमिका पर विचार व्यक्त किए जाएंगे। इस अवसर पर प्रदेश संगठन मंत्री नवरंग पाल सिंह समाज के युवाओं को पारंपरिक साफा बांधने का प्रशिक्षण भी प्रदान करेंगे। महासभा के अनुसार राष्ट्रीय अधिवेशन संगठनात्मक मजबूती, सामाजिक समरसता और युवा नेतृत्व को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा।

नौतपा की तपिश में स्काउट-गाइड फैलोशिप बनी यात्रियों की राहत

अलवर रेलवे स्टेशन पर चलाया जल सेवा अभियान, ट्रेनों में यात्रियों को पिलाया ठंडा आरओ पानी

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। नौतपा की भीषण गर्मी के बीच अलवर जिला स्काउट एंड गाइड फैलोशिप ने अलवर रेलवे स्टेशन पर जल सेवा अभियान चलाकर यात्रियों को राहत प्रदान की। संस्था के सदस्यों ने जयपुर एवं दिल्ली से आने वाली ट्रेनों में यात्रियों को ठंडा आरओ जल पिलाकर मानव सेवा का संदेश दिया। फैलोशिप के जिलाध्यक्ष गिरीश गुप्ता ने बताया कि श्री धार्मिक सेवा संस्थान के सहयोग से आयोजित इस अभियान का उद्देश्य भीषण गर्मी में यात्रियों की प्यास बुझाकर उन्हें राहत पहुंचाना था। स्टेशन पर विशेष रूप से सामान्य श्रेणी के डिब्बों में यात्रा कर रहे यात्रियों को प्राथमिकता देते हुए जल सेवा की गई। इसके लिए नौ अलग-अलग टोलियों का गठन किया गया, जिन्होंने ट्रेन के एक छोर से दूसरे छोर तक पहुंचकर यात्रियों को ठंडा पानी पिलाया तथा उनकी पानी की बोतलें भरकर सेवा प्रदान की। संरक्षक हरीश कालरा ने बताया कि संस्था हर वर्ष ग्रीष्मकाल में जनसेवा के ऐसे कार्यक्रम आयोजित करती है। उन्होंने कहा कि समाज सेवा और मानव कल्याण की भावना से प्रेरित होकर यह जल सेवा

अभियान संचालित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में यात्रियों ने लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष गिरीश गुप्ता, संरक्षक हरीश कालरा, सचिव ताराचंद अग्रवाल, शकुन गुप्ता, अनीता भट्ट, राजेश भट्ट, रामप्रकाश गुप्ता, प्रमिला गुप्ता, शंभूदयाल शर्मा, अजय जैन, सतीश गुप्ता, राजेंद्र अरोड़ा, अनिल बंसल, इंद्रजीत कौर, संयुक्त वैश्य महासभा बुद्ध विहार विजय नगर के अध्यक्ष सतीश कुमार गुप्ता, मंत्री सुरेश चंद गर्ग, पूर्व पार्षद प्रह्लाद अग्रवाल तथा श्री धार्मिक सेवा संस्थान के अनेक सेवाकर्मी उपस्थित रहे। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष राजेश भट्ट ने बताया कि 6 जून को शाम 6 बजे अम्बेडकर चौराहे के निकट स्थित स्काउट एंड गाइड फैलोशिप के नवीन कार्यालय में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य विश्व शांति, सामाजिक सद्भाव और सनातन संस्कृति के प्रति जनजागरण को बढ़ावा देना है।

नियम विरुद्ध वाहनों पर परिवहन विभाग का शिकंजा

विशेष अभियान में 27 वाहनों के चालान, तीन वाहन जब्त

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग के निर्देशानुसार जिले में नियम विरुद्ध संचालित वाहनों के खिलाफ विशेष जांच अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान बिना पंजीकरण, नियम विरुद्ध नंबर प्लेट, अनाधिकृत शब्द एवं चिन्ह सहित विभिन्न उल्लंघनों पर सख्त कार्रवाई करते हुए 27 वाहनों के चालान बनाए गए तथा तीन वाहनों को जब्त किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग के आयुक्त द्वारा 30 मई 2026 को जारी आदेशों के तहत राज्यभर में ऐसे वाहनों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जो मोटरयान अधिनियम, 1988 एवं केंद्रीय मोटरयान नियम, 1989 के प्रावधानों का उल्लंघन कर रहे हैं। अभियान के तहत वाहनों में अवैध संरचनात्मक परिवर्तन, अनाधिकृत लाल-नीली बत्ती, फ्लैशर, स्ट्रोब लाइट, हूटर, प्रेशर हॉर्न, काली फिल्म, अनधिकृत शब्द एवं चिन्ह तथा नियम विरुद्ध नंबर प्लेट की जांच की जा रही है। इसी क्रम में गुरुवार को प्रादेशिक परिवहन अधिकारी, अलवर के निर्देशन में अतिरिक्त प्रादेशिक परिवहन अधिकारी, जिला परिवहन अधिकारी एवं उड़नदस्ता दलों द्वारा बहरोड़ रोड स्थित टोल नाके पर संयुक्त कार्रवाई की गई। जांच के दौरान कुल 27 वाहनों के चालान बनाए गए, जिनमें 16 वाहन बिना नंबर प्लेट के, तीन वाहन बिना पंजीकरण के तथा एक वाहन पर अनाधिकृत शब्द एवं चिन्ह अंकित पाए गए। इसके अलावा तीन निजी वाहन बिना पंजीकरण के संचालित होते पाए जाने पर उनके चालान बनाकर नियमानुसार जब्त कर कार्यालय में खड़े करवाए गए। परिवहन विभाग ने चेतावनी दी है कि सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों की पालना सुनिश्चित करने के लिए ऐसे अभियान आगामी दिनों में भी निरंतर जारी रहेंगे। विभाग ने वाहन चालकों से नियमों के अनुरूप वाहन संचालित करने तथा अनधिकृत संशोधनों से बचने की अपील की है।

जिला कलक्टर ने फील्ड में रहकर किया प्रगतिरत विकास कार्यों का निरीक्षण

आमजन की सुविधाओं में विस्तार हेतु प्रगतिरत कार्यों गुणवत्ता के साथ निर्धारित टाइम लाइन में पूर्ण कराने के दिए निर्देश

जयपुर टाइम्स

अलवर(**निसं.**)। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने फील्ड निरीक्षण कर दिवाकरी में राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र व ग्राम सिरमौली में आईटीआई के प्रगतिरत कार्य, ग्राम चाँदोली में एनिकट पुनरूद्धार कार्य एवं उमरैण में निर्माणाधीन खेल मैदान कार्य का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। जिला कलक्टर ने ग्राम सिरमौली में आईटीआई के प्रगतिरत कार्य का निरीक्षण कर निर्देश दिये कि जुलाई माह में कार्य पूर्ण करना सुनिश्चित करें एवं इंटर्नल सड़के भी साथ-साथ बनवाये तथा रुफ टॉप सोलर पैनल के प्रस्ताव तैयार कर लगवाने की कार्यवाही करें। उन्होंने दिवाकरी में राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं प्रगतिरत कार्यों को का निरीक्षण कर कार्य गुणवत्ता के साथ निर्धारित पैरामीटर्स के अनुरूप समय-सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने उमरैण में निर्माणाधीन खेल मैदान कार्य का निरीक्षण कर कहा कि खेल मैदान को खिलाडियों की सुविधा के अनुरूप समयबद्ध रूप से विकसित करावें। उन्होंने ग्राम चाँदोली में एनिकट पुनरूद्धार कार्य का निरीक्षण कर निर्देश दिये कि एनिकट में वर्षा जल आने में कोई अवरोध न रहे, जिससे वर्षा जल का संचयन हो सके। इस दौरान पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण अभियन्ता भूरी सिंह, अधिशाषी अभियंता अल्का व्यास, सीएमएचओ डॉ. योगेन्द्र शर्मा सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 5 जून को आयोजित होंगी 'एक पेड लोकतंत्र के नाम' स्वीप गतिविधियां

लोकतंत्र और पर्यावरण संरक्षण का दिया जाएगा संदेश

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। उप जिला निर्वाचन अधिकारी योगेश डागुर ने बताया कि जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशन पर विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 5 जून को 'एक पेड लोकतंत्र के नाम' स्वीप गतिविधियां आयोजित कराई जाएंगी। उप जिला निर्वाचन अधिकारी जिला एवं उपखण्ड स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि लोकतंत्र के सुदृढीकरण हेतु वोट देने के संवैधानिक अधिकार के प्रति नैतिक दायित्व को ध्यान में रखते हुए विश्व पर्यावरण दिवस पर स्वीप गतिविधियां 'एक पेड लोकतंत्र के नाम' के अंतर्गत अधीनस्थ एवं जिले में अवस्थित समस्त राजकीय एवं निजी विभागों, कार्यालयों, संस्थाओं, विविध प्रतिष्ठानों यथा मैरिज होम, पेट्रोल पम्प, शॉपिंग मॉल, पार्क इत्यादि में उचित स्थान की उपलब्धता के अनुसार छायादार अथवा फलदार स्थानीय पेड लगाया जाना सुनिश्चित करावे। साथ ही चिन्हिकरण के उद्देश्य से उस पेड को लोकतंत्रा का पेड-ट्री ऑफ डेमोक्रेसी: 2026 नाम देते हुए लकडी/लोहे/ कागजी गत्ते की एक छोटी पट्टिका संस्थापित कराना सुनिश्चित करावे, जिसमें सूक्ष्म विवरण यथा पेड लगाने वाले अधिकारी/व्यक्ति का वितरण एवं दिनांक इत्यादि अंकित हो। उन्होंने निर्देश दिये कि पेड लगाने के उपरान्त उपस्थित कार्मिकों एवं व्यक्तियों को पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ भारतीय लोकतंत्र में मतदाता पंजीकरण, मत के हमारे संवैधानिक अधिकारी के महत्व, भारत निर्वाचन आयोग एवं निर्वाचन विभाग राजस्थान द्वारा मतदाताओं की सुविधा हेतु उपलब्ध कराई जा रही डिजिटल सुविधाओं यथा नैतिक मदान के हमारे कर्तव्य इत्यादि के बारे में भी जागरूक एवं प्रोत्साहित किया जाना सुनिश्चित करें।

वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत राता खुर्द में जल संरक्षण गतिविधियों का आयोजन

जयपुर टाइम्स

खैरथल-तिजारा(निसं.)। राज्य सरकार के वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के अंतर्गत स्पेक्ट्रा संस्था एंव जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को ग्राम राता खुर्द में जल संरक्षण एवं पर्यावरण संवर्धन से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत कलश यात्रा के साथ हुई, जिसके बाद पौधारोपण एवं जोहड़ में श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर स्पेक्ट्रा संस्था द्वारा तालाब जीर्णोद्धार कार्य का शिलान्यास भी कराया गया। साथ ही उपस्थित अतिथियों को संस्था द्वारा संचालित वृद्धाश्रम का अवलोकन करवाया गया। कार्यक्रम में जिला प्रमुख बलबीर सिंह छिल्लर ने ग्रामीणों एवं उपस्थित जनसमूह को जल संरक्षण का संकल्प दिलाते हुए जल स्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन में जनभागीदारी की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण केवल सरकारी प्रयासों से नहीं, बल्कि जनसहयोग से ही सफल हो सकता है। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष महासिंह चौधरी, सरपंच सुषमा वर्मा, जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग के अधिशासी अभियंता क्षत्रपाल यादव, स्पेक्ट्रा संस्था के डिप्टी डायरेक्टर महेश चौहान, प्रोग्राम मैनेजर युवराज गौड़, जिला समन्वयक गुलाब शर्मा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं आमजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण एवं प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग को लेकर जागरूकता का संदेश भी दिया गया।

जिला कलक्टर ने वीसी के माध्यम से वन्दे गंगा अभियान, हरियालो राजस्थान,एचपीवी वेक्सीनेशन व लंबित राजस्व प्रकरणों एवं प्रगतिरत विकास कार्यों की ली समीक्षा बैठक

राजस्व प्रकरणों का निर्धारित टाइम लाइम में निस्तारण कराने

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जिला स्तरीय अधिकारियों की मौजूदगी में समस्त ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों कि बैठक लेकर वन्दे गंगा अभियान, हरियालो राजस्थान,एचपीवी वेक्सीनेशन व लंबित राजस्व प्रकरणों एवं प्रगतिरत विकास कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने निर्देशित किया कि सभी राजस्व अधिकारी प्रो-एक्टिव होकर कार्य करते हुए बकाया राजस्व प्रकरणों का

निर्धारित समयावधि में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिए की न्यायिक अधिकारियों के कार्यालय एवं आवासीय भवनों हेतु भूमि आवंटन के लिए आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण कर प्राथमिकता से भूमि आवंटन करवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने राजस्व वाद निस्तारण, जीसीएमएस पोर्टल की स्थिति, भूमि संपरिवर्तन प्रकरण, आम रास्ते, सीमाज्ञान, कुर्रेजात रिपोर्ट इत्यादि की समीक्षा कर संबंधित उपखण्ड अधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने अधीनस्थ न्यायालयों में लंबित राजस्व संबंधी कोर्ट केसेज की विस्तृत समीक्षा कर निर्देशित किया कि उपखंड अधिकारी एवं तहसीलदार लंबित कोर्ट केसेज का निर्धारित रुल्स के अनुसार समयबद्धता से निस्तारण करवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिये कि जिले में प्रगतिरत विकास कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुए निर्धारित समय-सीमा में कार्यों को पूर्ण करावे। उन्होंने वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान की समीक्षा कर निर्देश दिये कि अभियान के तहत आमजन की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए जल संरक्षण के कार्यों को गुणवत्ता के साथ पूर्ण करावे। साथ ही हरियालो राजस्थान अभियान की तैयारियों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिये कि अभियान के तहत निर्धारित लक्ष्यानुसार पौधारोपण के लिए गड्ढे खुदाई, नर्सियों में पौधे तैयार करने इत्यादि प्रकार की सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण करावे। उन्होंने निर्देश दिये कि अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करते हुए आमजन को पौधारोपण हेतु प्रेरित करें। जिला कलक्टर ने किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से जिले में संचालित एचपीवी वैक्सीनेशन अभियान की समीक्षा कर सीएमएचओ को निर्देशित किया कि अभियान के तहत 14-15 वर्ष आयु वर्ग की किशोरियों का चिकित्सा संस्थानों पर टीकाकरण शत-प्रतिशत कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिये कि वैक्सीनेशन साइट पर बैठने, पेयजल एवं साफ-सफाई की माकूल व्यवस्था सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिये कि विद्यालयों, आंगनबाडी केंद्रों एवं अभिभावकों को एचपीवी वैक्सीनेशन के बारे में अधिक से अधिक जागरूक करें, जिससे वैक्सीनेशन के लक्ष्य को अर्जित किया जा सके। बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रथम योगेश डागुर, उपखण्ड अधिकारी अलवर माधव भारद्वाज, सीएमएचओ डॉ. योगेन्द्र शर्मा सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे तथा उपखण्ड स्तरीय अधिकारी वीसी के माध्यम से जुडे।

गांव की माटी से तप-तप कर कर सोना बने आईएएस कानारामः जमीन से जुड़े अधिकारी की चमत्कारिक संघर्ष गाथा

अंग्रेजी कल्चर के माहौल में हिंदी माध्यम से वर्ष 2013 की आईएएस परीक्षा में चयनित अभ्यर्थियों में अग्रिम पंक्ति में शामिल रहे साधारण परिवार के कानाराम के आईएएस बनने की संघर्ष गाथा किसी सुपर डुपर हिंदी फिल्म से कम नहीं, ग्राम सेवक की कुर्सी से सीधे आईएएस की कुर्सी तक पहुंचे इस बेहद ही सरल, सीधे, संवेदनशील, संयमित, अनुशासित, कर्मठ, इमानदार अधिकारी कि अब तक की सरकारी सर्विस का रिकॉर्ड भी रहा है बेहद शानदार, अपने नवाचार और नवीन प्रयोगों से किसान, मजदूर, युवा, महिला के हितों की रक्षा और विकास के लिए किया अनेक उत्कृष्ट कार्य, केंद्र और राजस्थान सरकार से भी हो चुके हैं सम्मानित

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। यह सत्य है आजकल अंग्रेजी के माहौल में देश के सभी हाई प्रोफाइल एग्जाम में इंग्लिश मध्यम से परीक्षा देने वाले अभ्यार्थियों का सिलेक्शन में ज्यादा बोलबाला रहता है इसमें देश की सबसे बड़ी भारतीय प्रशासनिक सेवा भर्ती परीक्षा भी शामिल है, इस परीक्षा में भी चयनित होने वाले अभ्यर्थी ज्यादातर अंग्रेजी माध्यम से ही जुड़े होते हैं इनमें भी अधिकांश ऐसे होते हैं जो काफी हाई प्रोफाइल और आर्थिक रूप से मजबूत परिवार से जुड़े होते हैं जिन्हें बचपन से ही परिवार और हाई प्रोफाइल निजी स्कूलों में पढ़ाई का बहुत ही अच्छा वातावरण तो मिलता ही है इसके अलावा तमाम तरह की सुख सुविधा और पढ़ाई से जुड़ी व्यवस्थाएं भी मिलती है लेकिन इसके उलटे कानाराम जैसी शख्सियत भी हैं जो अपनी कड़ी मेहनत, तपस्या समर्पण, आत्म बल से कठिन और विपरीत परिस्थितियों का डटकर मुकाबला करते हुए सीमित संसाधनों और आर्थिक तंगी के बावजूद भी देश की इस सबसे बड़ी परीक्षा में शानदार परफॉर्मेंस करके दिखाते हैं, जी हां, वर्ष 2013 बेच के आईएएस अधिकारी कानाराम के आईएएस बनने की संघर्ष की कहानी किसी हिंदी सुपर डुपर फिल्म से कम नहीं है, एक साधारण से ग्रामीण परिवार में जन्म लेने वाले कानाराम ने जिस हिम्मत, धैर्य, आत्म बल और कड़ी मेहनत से हिंदी माध्यम से देश की इस सबसे बड़ी परीक्षा को न केवल फाइट किया बल्कि चयनित अभ्यर्थियों में अग्रिम पंक्ति में खुद का नाम शामिल करवा के देश के उन हजारों युवाओं के लिए प्रेरणा के स्रोत बन गए हैं जिन्होंने आईएएस बनने का सपना तो सजा रखा है लेकिन उनके परिवार की कमजोर आर्थिक स्थिति और अभाव तथा कठिन परिस्थितियों के बीच वे खुद को इस बड़ी परीक्षा की तैयारी के लिए ठीक तरह से एडजस्ट नहीं कर पा रहे ऐसे युवा अगर कानाराम के इस आईएएस बनने की संघर्ष गाथा को अपने दिल और आंखों में सजाकर यह परीक्षा दें तो वे निश्चित रूप से कानाराम की तरह सफलता का स्वाद चख सकते हैं क्योंकि कानाराम का जन्म राजस्थान के पाली जिले के सोजत रोड पर ग्रामीण क्षेत्र में सिसारवाड़ा में हुआ, इनका परिवार भी बहुत ही साधारण और आर्थिक रूप से कमजोर था इसलिए अभाव तथा कठिन परिस्थितियों में ग्रामीण स्तर पर ही सरकारी स्कूल में पढ़ाई की लेकिन बचपन से ही पढ़ने में ब्रिलिएंट होने से इन्हें हमेशा अच्छे मार्क्स मिलते रहे, भले ही पढ़ाई में हिंदी इनका माध्यम हो लेकिन अंग्रेजी और देश दुनिया की रोजमर्रा की गतिविधियों और खबरों पर कॉलेज के दिनों से ही नियमित रूप से नजर रखते थे और देश के गंभीर और ज्वलंत मुद्दों पर अपने साथ पढ़ने वाले छात्रों और शिक्षकों के साथ सामूहिक संवाद करने में ज्यादा रुचि रखते थे जो आगे चलकर इन्हें आईएएस एग्जाम को फाइट करने में काफी मददगार साबित हुई लेकिन इनके दिल में अपने परिवार को आर्थिक रूप से मजबूती देने का विचार भी इन्हें हर पल काफी बेचैन किए हुए था इसलिए पढ़ाई के साथ-साथ सरकारी नौकरी के कंपटीशन एग्जाम के लिए भी खुद को तैयार किया यह जरूरी भी था क्योंकि एक नौजवान लड़का कब तक अपने माता-पिता को आर्थिक रूप से परेशान देख सकता है हालांकि कानाराम ने जोधपुर के जयनारायण विश्वविद्यालय से वनस्पति विज्ञान में बीएससी किया और फिर अजमेर के महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी से भूगोल से एमएससी किया, इस दौरान ग्राम सेवक पद पर इनका चयन भी हो गया लेकिन लोगों के लिए ज्यादा से ज्यादा भलाई का काम करने और अपने कार्य क्षेत्र को काफी विस्तार देने की ललक ने इन्हें आईएएस का एग्जाम देने के लिए प्रेरित किया जिसमें पहले प्रयास में इन्हें असफलता भी मिली लेकिन इस असफलता को अपनी आगामी सफलता का संदेश मानकर अपने पहले प्रयास की कमियों और गलतियां को सुधार कर पूरे आत्मविश्वास और धैर्य के साथ समर्पित भाव से कड़ी मेहनत करके दोबारा से हिंदी माध्यम से एग्जाम दिया और चयनित अभ्यर्थियों में 54वीं रैंक हासिल करके सबको चकित कर दिया क्योंकि हिंदी माध्यम से इतनी अच्छी सफलता हासिल करना हर किसी के लिए अचरज वाली खबर थी वह भी तब जब कानाराम ने अभाव और कठिन परिस्थितियों में इस हाई प्रोफाइल एग्जाम की पढ़ाई भी की और घर का खर्चा भी चलाया, हालांकि ग्राम सेवक से सेकंड ग्रेड टीचर में भी इनका सिलेक्शन हो गया था लेकिन आंखों और दिल में आईएएस बनने का ख्वाब हर पल इन्हें अच्छे से अच्छा परफॉर्मेंस करने के लिए बेताब कर रहा था जिसकी वजह से इन्होंने लोहे की तरह तप तप कर अपने कठिन संघर्ष से खुद को मजबूत किया और फिर अपने ख्वाब को पूरा करके अपने करियर को शिखर तक पहुंचाया, इसलिए वे युवा जो अपनी गरीबी और परिवार के हालातो को कमजोर समझ कर पढ़ाई में ब्रिलिएंट होते हुए भी खुद को हाई प्रोफाइल एग्जाम के लिए तैयार नहीं कर पाते हैं उन्हें एक बार कानाराम की आईएएस बनने की सक्सेस स्टोरी को जरूर पढ़ना चाहिए, वे जरूर कानाराम की स्टोरी को पढ़ कर मोटिवेट होंगे ।

किसान और ग्रामीण क्षेत्र के कल्याण और विकास के लिए कर रहे सतत प्रयास

कानाराम वर्तमान में सवाई माधोपुर जिले के कलेक्टर हैं इससे पहले डूंगरपुर और हनुमानगढ़ जिलों के कलेक्टर भी रहे हैं इससे पहले आईएएस के शुरू के कार्यकाल में बारा में एसडीएम पद पर भी नियुक्त रहे विभिन्न जिलों में कलेक्टर रहने के दौरान ग्रामीण क्षेत्र के सर्वांगीण और समुचित विकास के लिए सरकार की ओर से संचालित की जा रही योजनाओं का शानदार तरीके से संपादन तो करवाया ही इसके अलावा खेती और कृषि में कई नवाचार भी इन्होंने किया जिनका किसानों को काफी फायदा हुआ, कानाराम खुद ग्रामीण परिवेश में पले हैं और ग्रामीण क्षेत्र की समस्याओं तथा किसानों की पीड़ा को बखूबी से जानते हैं इसलिए कृषि विभाग, पंचायती राज विभाग, राजस्व विभाग और अन्य विभागों से संबंधित योजनाओं और कार्यक्रमों का जिला कलेक्टर रहने के दौरान इन्होंने अपने जिलों में बहुत ही प्रभावी और खूबसूरत तरीके से क्रियान्वयन करवाया, केंद्र और राजस्थान सरकार की ओर से संचालित की जा रही विभिन्न तरह की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज में अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति को मिले इसके लिए जिलों के कलेक्टर रहने के दौरान इनकी ओर से की गई प्रबंधन व्यवस्था काफी बेमिसाल रही जिसकी वजह से एक तरफ जहां जिले की ग्राम पंचायत में समुचित रूप से सरकारी पैसे का सदुपयोग हुआ, विशेष रूप से मनरेगा जैसी योजना पर इन्होंने हमेशा अपनी बारीकी से नजर जमाए रखी और जिले भर में ग्राम पंचायत स्तर पर हो रहे विकास कार्यों का फीडबैक संबंधित अधिकारियों से लेते रहे और खुद मौके पर जाकर कार्यों का निरीक्षण भी करते रहे जिसकी वजह से इनकी देखरेख वाले जिले में मनरेगा के कार्यों का भी बहुत अच्छा प्रदर्शन रहा और कहीं पर किसी भी काम को लेकर किसी भी तरह की कोई शिकायत और गड़बड़ी भी उजागर नहीं हुई, इस तरह से डूंगरपुर और हनुमानगढ़ जिलों में कलेक्टर रहने के दौरान ग्राम पंचायत में इनकी देखरेख और मॉनिटरिंग में व्यापक पैमाने पर विकास कार्य हुए, अब सवाई माधोपुर में भी इनके कलेक्टर के कार्यकाल में एक तरफ जहां केंद्र सरकार और राजस्थान सरकार की ओर से संचालित विभिन्न तरह की जनकल्याणकारी योजनाओं का सफलता पूर्वक क्रियान्वयन हो रहा है तो दूसरी तरफ सरकार की ओर से जिले में किया जा रहे बड़े-बड़े विकास कार्यों और प्रोजेक्ट के निर्माण में भी इनकी प्रभावी मॉनिटरिंग देखते ही बनती है जिसकी वजह से प्रदेश की भजनलाल सरकार भी सवाई माधोपुर जिले में कलेक्टर के रूप में कानाराम की वर्किंग स्टाइल और कार्यों से काफी खुश और प्रभावित है अन्यथा पिछले 1 साल में प्रदेश की भजनलाल सरकार ने कई बार अधिकारियों के तबादला किया लेकिन कानाराम करीब 1 साल से सवाई माधोपुर जिले में कलेक्टर पद की भूमिका को बहुत ही शानदार तरीके से निभा रहे हैं जिसकी वजह से स्थानीय जनता भी उनके कार्यों से काफी खुश और संतुष्ट है तो राजनेता भी इनकी वर्किंग स्टाइल से काफी प्रभावित है, जानकार लोगों का कहना है कि कानाराम किसान और खेती के कल्याण और विकास के लिए हमेशा संवेदनशील और सजक रहते हैं भले ही यह कृषि विभाग से जुड़ा मामला हो लेकिन कलेक्टर पद के रूप में भी कानाराम अपने स्तर पर भी जिले के किसानों और ग्रामीण जनता को खेती में नवाचार, नवीनतम तकनीक के उपयोग, खेती की जमीन का नियमित परीक्षण, जैविक खेती को बढ़ावा, कृषि वैज्ञानिकों की सलाह के आधार पर ही खेतों में फसल उगाना जैसे विषयों के बारे में किसानों को ज्यादा से ज्यादा जानकारी उपलब्ध करवाने के दिशा में कार्य करते नजर आते हैं, इसके अलावा किसानों को सहकारिता के माध्यम से समुचित रूप से फसलों के लिए ऋण, बीज,दवाइयां, यंत्र उपकरण इत्यादि उपलब्ध करवाने की दिशा में भी सहकारिता विभाग के अधिकारियों के साथ नियमित रूप से बैठक करके उन्हें किसानों को ज्यादा से ज्यादा लाभ और राहत पहुंचाने के लिए निर्देशित करते रहते हैं इसलिए कानाराम के बारे में यही कहा जाता है कि ग्रामीण क्षेत्र के लोगोंऔर किसानों के एक सच्चे हितेषी के रूप में लोग इन्हें ज्यादा जानते हैं ।

कानाराम के मानस नशा मुक्ति अभियान ने पूरे देश भर में सुर्खियां बटोरी

हनुमानगढ़ जिला पंजाब की सीमा से जुड़ा हुआ है और पंजाब नशे को लेकर पूरे देश में किस तरह से बदनाम है यह किसी से छुपा हुआ नहीं है इसलिए हनुमानगढ़ जिले के पंजाब से जुड़े रहने की वजह से हनुमानगढ़ श्रीगंगानगर जैसे जिलों में भी युवाओं में नशे की प्रवृत्ति ज्यादा थी इस समस्या को भी कलेक्टर होने के नाते कानाराम ने काफी गंभीरता से लिया और स्कूल तथा कॉलेज के दोनों में ही स्टूडेंटों को नशे से दूर रखने के लिए व्यापक स्तर पर पुलिस के सहयोग से जिला प्रशासन ने एक बड़ी कार्य योजना तैयार की जिसमें पीएम श्री स्कूलों और जिले की सभी छोटी बड़ी स्कूलों और शिक्षण संस्थानों में नसे की प्रवृत्ति से दूर रहने के लिए छात्र-छात्राओं के लिए विभिन्न तरह के कार्यक्रमों का आयोजन करके उन्हें यह बताने का प्रयास किया गया कि नशे से नशा करने वाले व्यक्ति का ही जीवन बर्बाद नहीं होता बल्कि पूरा परिवार बर्बाद होता है और जब परिवार बर्बाद होता है तो समाज बर्बाद होता है और जब समाज बर्बाद होता है तो राष्ट्र को नुकसान होता है इसलिए युवाओं को सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ाने तथा उन्हें नशे से दूर रहने की शिक्षा स्कूली स्तर पर ही देकर जिला प्रशासन और पुलिस ने पूरे जिले में व्यापक स्तर पर कार्यक्रम संपादित किया जो देखते-देखते पूरे जिले में एक बड़ा जन आंदोलन बन गया जिसमें स्वयंसेवी संस्थाओं, सामाजिक संगठनों और व्यापारिक संगठनों ने भी जिला प्रशासन और पुलिस के इस नेक कार्य में सहभागिता दिखाई जिसके बहुत अच्छे परिणाम सामने आए और जिले में काफी हद तक युवाओं में नशे से दूर रहने की प्रवृत्ति दिखाई देने लगी, इस पूरे अभियान को मानस नशा मुक्ति अभियान नाम दिया गया जिसकी गूंज राजस्थान में ही नहीं बल्कि पूरे देश में सुनाई दे रही थी ।

कलेक्टर नहीं खुद को जनता का नौकर और सेवक मानते हैं कानाराम

कानाराम लोप्रोफाइल के आईएएस अधिकारी माने जाते हैं जो दिखावे की बजाय सिर्फ चुपचाप ईमानदारी और कर्मठता से अपना कार्य करने में ज्यादा विश्वास करते हैं खुद को कलेक्टर नहीं बल्कि जनता का नौकर और सेवक मानकर जिले में दूर दराज के इलाके में अंतिम पंक्ति पर बैठे व्यक्ति को सरकारी योजनाओं का फायदा पहुंचा कर उसके कल्याण और विकास पर ज्यादा फोकस रखते हैं इनकी यही निपुणता और कला इन्हें एक लोकप्रिय और कर्मठ कलेक्टर के रूप में स्थापित किए हुए हैं, भले ही ग्रामीण परिवेश में इनका जन्म हुआ हो लेकिन अनुशासित और संयमित जीवन बचपन से ही जीते आ रहे हैं इसलिए चाहे प्रदेश में विभिन्न जिलों में कलेक्टर पद पर रहे हो या फिर अन्य विभागों में बड़े पदों पर रहे हो हमेशा निर्धारित समय पर कार्यालय पर उपस्थित होना और निर्धारित समय पर ही दफ्तर को छोड़ना इनकी वर्किंग स्टाइल में शामिल है तथा अपने ऑफिस के दरवाजे 24 घंटे फरियादियों के लिए खुला रखना इनकी आदत में शुमार है कोई भी पीड़ित व्यक्ति कभी भी आकर इन्हें अपनी पीड़ा बता सकता है इसके अलावा समय-समय पर खुद भी जिले के विभिन्न गांव में जाकर रात्रि चौपाल का आयोजन करते रहते हैं और लोगों की समस्याओं को सुनकर उनका निस्तारण भी करवाते हैं डूंगरपुर हनुमानगढ़ और सवाई माधोपुर में कलेक्टर पद पर रहने के दौरान इन्होंने कई रात गांव में ग्रामीणों के साथ बिताते हुए देखा गया है और ठेठ ग्रामीण की तरह गांव की चौपाल पर जनता दरबार लगाकर लोगों की समस्याओं को सुनकर इनकी ओर से समस्याओं का निवारण करते हुए भी देखा गया है ।

कानाराम ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में नवीन प्रयोग और नवाचार करके हनुमानगढ़ को पूरे देश में दिलाए विशेष पहचान

जानकारी के अनुसार हनुमानगढ़ में जिला कलेक्टर रहने के दौरान कानाराम ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में जिले के किसानों को रिकॉर्ड क्लेम की राशि का वितरण करवाया जबकि इससे पहले हनुमानगढ़ जिले में बीमा कंपनियां फसल कटाई के प्रयोग में बड़ी संख्या में आपत्तियां दर्ज कर देती थी जिसकी वजह से किसानों को क्लेम की राशि नहीं मिल पाती थी और कई बार कई चक्कर काटने के बावजूद भी किसानों को क्लेम की राशि नहीं मिल पाती थी बताया जाता है कि वर्ष 2022 और 2023 में बीमा कंपनियों ने हनुमानगढ़ जिले में ही करीब 1 लाख आपत्तियां दर्ज कर दी थी जिसकी वजह से किसानों को क्लेम की राशि नहीं मिल पाई इस विषय को कानाराम ने हनुमानगढ़ जिले का कलेक्टर बनने के बाद काफी गंभीरता से लिया और फसल कटाई में पारदर्शी और तकनीक आधारित नीति अपनाई गई जिसमें फसल कटाई के प्रयोग से पहले बीमा कंपनियों को सूचना देना अनिवार्य किया गया और फिर फसल कटाई प्रयोग के दौरान थ्रेशिंग, तोल इत्यादि के वीडियो और फोटो खींचना मौके पर अनिवार्य किया गया जिसकी वजह से कानाराम के कलेक्टर बनने के बाद हनुमानगढ़ जिले में वर्ष 2024 में एक भी आपत्ति बीमा कंपनियों की ओर से फसल कटाई के प्रयोग को लेकर दर्ज नहीं की गई तथा 2022-23 में जहां 100000 आपत्तियां बीमा कंपनियों की ओर से दर्ज थी वह आपत्तियां 7000 तक आकर सीमित हो गई इस तरह से कानाराम के इन नवीन प्रयोगों ने जिले के किसानों को राहत पहुंचाई और कानाराम का यह नया प्रयोग जिले के किसानों के लिए वरदान बन गया और किसानों को क्लेम की राशि का पेमेंट मिला उन्हें बीमा कंपनियों के चक्कर भी काटने नहीं पड़े क्योंकि कानाराम लगातार बैंक और बीमा कंपनियों के अधिकारियों से भी बैठक लेकर किसानों को उनकी क्लेम की राशि का समय पर भुगतान करने के लिए निर्देशित करते रहे जिससे किसानों को आसानी से क्लेम की राशि का भुगतान मिला इतना ही नहीं फसल बीमा योजना में हनुमानगढ़ जिला उस समय पूरे देश में सर्वश्रेष्ठ तीन जिलों में शामिल रहा दो जिले कर्नाटक के थे जिस पर तिरुवनंतपुरम में आयोजित एक राष्ट्रीय सम्मेलन में कानाराम को इस उल्लेखनीय प्रदर्शन और नवाचार के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया ।

वोट डालने को लेकर 'एक पाति माता-पिता के नाम' अभियान को लेकर भी देश भर में चर्चा में रहे कानाराम

जानकारी के अनुसार डूंगरपुर और हनुमानगढ़ जिलों में कलेक्टर रहने के दौरान कानाराम ने चुनाव में वोटिंग प्रतिशत की वृद्धि और एक-एक वोट के महत्व के बारे में लोगों को ज्यादा से ज्यादा बताने के लिए स्कूल कॉलेज और यूनिवर्सिटी के छात्र-छात्राओं के माध्यम से अपने माता-पिता के नाम एक विशेष पत्र लिखने के अभियान का शुभारंभ करवाया जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने अपने माता-पिता को वोट का महत्व समझाते हुए वोट डालने के लिए मार्मिक अपील की यह अभियान भी जिले में शानदार तरीके से संपादित हुआ और हर स्कूल कॉलेज और यूनिवर्सिटी में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने अपने माता-पिता को वोट डालने के लिए पत्र लिखकर प्रेरित किया कानाराम का कहना था कि हर माता-पिता अपने बच्चों की बात पर सबसे ज्यादा भरोसा और विश्वास करता है और अपने बच्चे कि किसी भी इच्छा को किसी भी हालत में इग्नोर नहीं करता इसलिए इस अभियान में छात्र-छात्राओं की ओर से लिखे गए पत्र को माता-पीताओं ने काफी गंभीरता से लिया जिसका सीधा असर चुनाव में जिले में वोटिंग प्रतिशत पर भी पड़ा इस अभियान के बाद चुनाव में जिले में मतदान के प्रतिशत में जबरदस्त इजाफा हुआ इस अभियान के शानदार संपादन को लेकर भी कानाराम राजस्थान में ही नहीं बल्कि पूरे देश में चर्चा का विषय बन गए थे ।

माध्यमिक शिक्षा निदेशक पद की भूमिका भी शानदार तरीके से निभाई

भारतीय प्रशासनिक अधिकारियों में कानाराम की गिनती बेहद ही सरल, सीधे, मधुर, ईमानदार, अनुशासित, संयमित और नए-नए नवाचार करने वाले अधिकारियों में होती है, प्रदेश में करीब 13 साल की नौकरी के दौरान एक आईएएस अधिकारी के रूप में इन्हें अलग-अलग जगह पर अलग-अलग जिम्मेदारी दी गई जहां भी और जिस भी विभाग में इन्हें जो जिम्मेदारी दी गई उस जिम्मेदारी को न केवल बखूबी तरह से निभाया बल्कि वहां अपने नवाचारों और नए प्रयोगों से विभाग की वर्किंग स्टाइल और पारदर्शिता को काफी स्वच्छ और मजबूत बनाया जिसका लोगों को तो काफी फायदा मिला ही इसके अलावा अधीनस्थ अधिकारियों और कर्मचारी के कामकाज और व्यवहार में भी काफी कुछ सुधार हुआ शुरू शुरू में इन्हें बारा जैसे जिले में एसडीएम पद पर नियुक्ति मिली जिसमें क्षेत्र के लोगों से नियमित जनसुनवाई करके लोगों की विभिन्न तरह की समस्याओं का निस्तारण करवाने में अपनी बड़ी भूमिका निभाई इसके अलावा सरकार की ओर से संचालित की जा रही योजनाओं का लाभ जरूरतमंद लोगों तक मिले इसके लिए इन्होंने अपनी सर्विस के शुरू के कार्यकाल में ही अपनी प्रभावी मॉनिटरिंग और पब्लिक से गहरे जुड़ाव के माध्यम से प्रदेश सरकार और जनता दोनों का दिल जितने में सफल रहे, राज्य स्वास्थ्य बीमा एजेंसी के संयुक्त कार्यकारी अधिकारी के रूप में मिली नई जिम्मेदारी को भी इन्होंने शानदार तरीके से निभाया इसके बाद कृषि और पंचायत राज के आयुक्त पद पर भी इनका कार्यकाल शासन सचिवालय के गलियारों में काफी उत्कृष्ट माना जाता है बाद में जब इन्हें माध्यमिक शिक्षा का निदेशक बनाया गया तो यहां प्रदेश में स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता के साथ-साथ, परीक्षाओं का निर्धारित समय पर आयोजन होना निश्चित समय पर ही रिजल्ट घोषित होना, स्कूलों की शिक्षण व्यवस्था, स्कूलों में खेलकूद, नैतिक आचरण, वाद विवाद, निबंध,लेखन प्रतियोगिता, व्यायाम, योग शारीरिक शिक्षा इत्यादि सभी क्षेत्र में कानाराम की ओर से उठाए गए कदम और प्रयोग छात्र-छात्राओं के हितों के लिए तो हित कर रहे ही इसके अलावा माध्यमिक शिक्षा निदेशक के पद पर इनके कार्यकाल को काफी उत्कृष्ट और सर्वश्रेष्ठ माना गया इसी का परिणाम रहा कि जब इस पद से इनका तबादला जयपुर कर दिया गया था तो फिर वापस दोबारा से सरकार ने इन्हें माध्यमिक शिक्षा निदेशक पद पर जिम्मेदारी दी थी ।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी कर चुके हैं सम्मानित

जानकारी के अनुसार डूंगरपुर हनुमानगढ़ जिलों में कलेक्टर रहने के दौरान विभिन्न सामाजिक संगठनों स्वयंसेवी संस्थाओं इत्यादि की ओर से अनेक बार कानाराम को उनके उल्लेखनीय कार्यों के लिए सम्मानित किया जा चुका है प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में बेस्ट परफॉर्मेंस के लिए केंद्र सरकार और राजस्थान सरकार की ओर से भी इन्हें सम्मानित किया जा चुका है इसके अलावा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी एक अच्छे और श्रेष्ठ कलेक्टर की भूमिका के रूप में कानाराम को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित कर चुके हैं सवाई माधोपुर जिले में भी पिछले 1 साल में कलेक्टर की भूमिका में इनकी ओर से किए गए उल्लेखनीय कार्यों की गूंज शासन सचिवालय के गलियारों में ही नहीं बल्कि दिल्ली के लोकसभा गलियारों में भी खूब सुनाई दी है निश्चित रूप से ग्राम सेवक पद से सीधे आईएएस पद पर लॉन्ग जंप लगाने वाले कानाराम असाधारण प्रतिभा के धनी है ।

सवाई माधोपुर जैसे संवेदनशील जिले को बहुत ही शानदार तरीके से संभाले हुए हैं कानाराम

प्रदेश का सवाई माधोपुर जिला संवेदनशील जिला माना जाता है यह जिला भौगोलिक, सामाजिक, आर्थिक, दृष्टि से विविधताओं से भरा हुआ है, अपराध तथा कानून और शांति व्यवस्था भी हमेशा से यहां जिला प्रशासन और पुलिस के लिए बड़ी चुनौती रही है लेकिन जिला कलेक्टर के रूप में कानाराम ने जिस तरह से इस पूरे जिले को शानदार तरीके से संभाला हुआ है उसी का नतीजा है कि प्रदेश सरकार यहां से इनका ट्रांसफर करने के बारे में बिल्कुल भी विचार नहीं किया अन्यथा पिछले 1 साल में भारतीय प्रशासनिक सेवा और राजस्थान प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के दो दो तीन तीन महीने के अंतराल में ही कई जगहों पर ट्रांसफर होते हुए देखे गए लेकिन जिले के शासन के मुखिया के रूप में कानाराम कशिष्ट प्रबंधन और सुपरविजन स्थानीय जनप्रतिनिधियों को भी काफी पसंद आ रहा है और स्थानीय लोग भी कलेक्टर की भूमिका से काफी खुश और प्रभावित हैं इस दौरान अगर कभी किसी बात को लेकर कोई आंदोलन भी हुआ तो कानाराम ने अपने विवेक और चतुराई से शांतिपूर्वक तरीके से लोगों को समझाया इसके अलावा जिला पुलिस और जिला प्रशासन दोनों के बीच बहुत ही शानदार समन्वय और सामंजस्य बना हुआ है जिसकी वजह से यहां अपराधी गतिविधियों में भी तेजी से गिरावट आ रही है अवैध खनन जैसे मामलों पर भी प्रभावी रूप से करवाई देखने को लगातार मिल रही है, साइबर क्राइम, हथियार तस्करी और संगठित अपराध ग्रुप से जुड़े लोगों के खिलाफ भी प्रशासन और पुलिस दोनों मिलकर प्रभावी कार्रवाई को अंजाम दे रहे हैं जिसकी वजह से जिले में एक अच्छा और पॉजिटिव माहौल बना हुआ है इसके अलावा सवाई माधोपुर जिले के स्थापना दिवस के अवसर पर कई एतिहासिक कार्यक्रम संपादित किए गए जो लोगों में काफी आकर्षक का केंद्र रहे साथ- साथ देश में पहली बार सवाई माधोपुर में ही अमरूद महोत्सव का आयोजन करके सवाई माधोपुर के अमरूदों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विशेष पहचान दिलाई गई हालांकि यह कार्यक्रम कृषि विभाग की ओर से आयोजित किया गया था लेकिन इस कार्यक्रम में जिला प्रशासन की भूमिका भी काफी उत्कृष्ट रही इसी तरह से सवाई माधोपुर जिले में स्थित विश्व विख्यात रणथंभौर बाघ अभारण्य में वन्यजीवों की सुरक्षा संरक्षण के अलावा देश-विदेश में रणथंबोर बाग अभयारण्य को वैश्विक स्तर पर ज्यादा से ज्यादा पहचान और प्रसिद्धि मिले इसके लिए कानाराम ने जिला स्तर पर भी इस अभ्यारण के प्रचार प्रचार के लिए व्यापक कदम उठाए हैं जिसमें फिल्म डॉक्यूमेंट्री से लेकर इस अभयारण्य के प्रचार प्रचार के लिए इंटरनेट पर भी सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म के माध्यम से प्रचार प्रसार किया जा रहा है जिसके अच्छे नतीजे भी मिल रहे हैं बड़ी संख्या में यहां पहले की तुलना में ज्यादा देसी और विदेशी पर्यटक घूमने आते हैं पर्यटकों की सुरक्षा के लिए भी जिला प्रशासन और पुलिस के अधिकारी नियमित रूप से अपहरण्य प्रशासन से जुड़े अधिकारियों के साथ संवाद करके सुरक्षा प्रबंध को लेकर चर्चा करते रहते हैं इस तरह से एक परफेक्ट कलेक्टर के रूप में कानाराम ने खुद को स्थापित किया हुआ है ।

सम्पादकीय

दिल्ली की आगः लपटों से नहीं, लापरवाही से जलता शहर

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में इस साल आग लगने की घटनाओं में चिंताजनक वृद्धि देखी गई है। इन हादसों से बार-बार महानगर के बुनियादी ढांचे, विद्युत प्रणालियों और सुरक्षा नियमों में खामियां सामने आती हैं। ताजा मामला दिल्ली के मालवीय नगर इलाके के एक होटल में लगी भीषण आग का है, जिसमें 21 लोगों की मौत हो गई। इससे पहले विवेक विहार में लगी आग में नौ लोगों की जान चली गई थी। इस तरह की घटनाओं ने अवैध निर्माण, प्रशासनिक ढिलाई और कानूनों की अवहेलना की बढ़ती परिपाटी के खतरनाक गठजोड़ को उजागर किया। अग्नि सुरक्षा तंत्र और प्रशासनिक ढांचा कागजों तक सीमित हैं। मालवीय नगर के जिस होटल में आग लगी, वहां सरकार ने छह कमरों की इजाजत दी थी और 25 कमरे चलाए जा रहे थे। नियमों का खुला उल्लंघन हो रहा था। सवाल यह है कि कानून एवं प्रवर्तन एजेंसियां क्या कर रही थीं? दिल्ली के शहरी विस्तार ने एक विरोधाभास पैदा कर दिया है। यहां प्रशासन विकेंद्रित है। कई एजेंसियों–दिल्ली दमकल सेवा, दिल्ली नगर निगम, दिल्ली विकास प्राधिकरण, राज्य सरकार आदि–के बीच कामकाज बंटा हुआ है। जब कोई हादसा होता है, तो एक विभाग दूसरे पर आरोप मढ़ कर जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेता है। प्रशासनिक गतिरोध के कारण जवाबदेही शून्य हो जाती है। संकरी गलियां, अनधिकृत निर्माण, एक ही प्रवेश एवं निकास द्वार, और अग्नि अनापत्ति प्रमाणपत्र के बिना काम चलाना आम बात है। सख्त कानूनों के बावजूद, जमीनी स्तर पर भवन निर्माताओं और अवैध संचालकों में नियमों के पालन का कोई डर नहीं है। कई इमारतें और अन्य बुनियादी ढांचा परियोजनाएं, जो अवैध होती हैं, उनमें अक्सर अग्नि सुरक्षा नियम का ध्यान नहीं रखा जाता। अग्नि सुरक्षा को दरकिनार किया जाना भी गंभीर चिंता का विषय है। इस तरह के हादसे प्रशासनिक और नागरिक लापरवाही का जीता-जागता प्रमाण है। सवाल उठता है कि अनियोजित विस्तार की अंधी दौड़ में जान-माल से समझौता कब तक होता रहेगा? नगर निकायों से संबंधित नियम शहरी सुरक्षा की रीढ़ होते हैं। आपातकालीन निकास, विद्युत भार क्षमता, निर्धारित दूरी और अग्नि सुरक्षा मार्गों और भवन निर्माण से संबंधित मानदंड दशकों के अनुभव के आधार पर तैयार किए गए हैं। इनका उल्लंघन इमारतों को मौत के जाल में बदल देता है। सुविधा, प्रतिष्ठा या लाभ की लालसा में कानूनों को दरकिनार करने की प्रवृत्ति हादसों को निमंत्रण देती है। कायदे से नियमों को सख्ती से लागू किया जाना चाहिए। इन्हें ताक पर रखकर इमारत बनाने वालों और रिश्वत लेकर उन्हें मंजूरी देने वाले अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देना जरूरी है। नगर निकायों को नियमों के अनुपालन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और सुलभ बनाना चाहिए। शहरी आवास के बदलते स्वरूप भी चिंताजनक हैं। शहर आधुनिक विलासिता तो चाहता है, लेकिन अक्सर सुरक्षित जीवन के मूलभूत सिद्धांतों की उपेक्षा करता है। एक आधुनिक शहर वह नहीं है, जिसमें ऊंची इमारतें, विलासिता, अनाप-शनाप कमाई हो, बल्कि वह है जहां मानव जीवन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। दिल्ली के मालवीय नगर में एक होटल में बुधवार को आग लगने के कारण 21 लोगों की मौत हो गयी।

फिर से ज्ञान का केंद्र बने भोजशाला

यह उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश सरकार ने भोजशाला परिसर को 'सरस्वती लोक' और एक भव्य शोध संस्थान के रूप में विकसित करने का फैसला किया है। इस परियोजना के तहत भोजशाला परिसर में 'राजा भोज शोध संस्थान' स्थापित किया जाएगा, जो राजा भोज की ज्ञान परंपरा को पुनर्जीवित करने का कार्य करेगा। उचित यह होगा कि भोजशाला में अंतरराष्ट्रीय महत्व का ऐसा शैक्षिक संस्थान बने, जो प्राच्य विद्या के प्रमुख केंद्र के रूप में उभरे। ऐसा इसलिए किया जाना चाहिए, क्योंकि सम्राट भोज केवल प्रतापी राजा नहीं, बल्कि विद्या, कला, साहित्य और स्थापत्य के महान संरक्षक थे। उनकी राजसभा में विभिन्न कलाओं में निष्णात पांच सौ विद्वानों को आश्रय प्राप्त था। राजा भोज ने धर्म, संस्कृति, खगोल विद्या, वास्तुकला, ज्योतिष, व्याकरण, कोश रचना, काव्य और आयुर्वेद-औषधि जैसे विभिन्न विषयों पर 84 ग्रंथों की रचना की। राजा भोज की काव्यात्मक प्रतिभा भी उच्चकोटि की थी। इतिहास के पन्नों को पलटने पर ज्ञात होता है कि राजा भोज वीरता और विद्वता के अद्भुत संगम थे। वे रणभूमि में पराक्रमी सम्राट ही नहीं थे, बल्कि भारतीय ज्ञान-परंपरा, संस्कृति और विद्वता के महान संरक्षक थे। उनके शासनकाल को भारतीय इतिहास में स्वर्णयुग के रूप में याद किया जाता है। संस्कृत के प्रतिष्ठित विद्वान और प्रमुख इतिहासकार बल्लाल ने अपने ग्रंथ 'भोज-प्रबंध' तथा जैन आचार्य-कवि धनपाल ने अपने प्रसिद्ध ग्रंथ 'तिलकमंजरी' में उन्हें 'कविराज' की उपाधि से विभूषित किया। पुरातत्वविदों को भोज शासनकाल की ऐतिहासिक जानकारी देने वाले आठ अभिलेख (1011 से 1046 ई.तक के) प्राप्त हुए हैं। इनमें प्रमुख है उदयपुर-प्रशस्ति अभिलेख। इसमें उनके सफल सैन्य-अभियानों एवं तुर्कों और हूणों के विरुद्ध विजय प्राप्त करने का उल्लेख मिलता है। उदयपुर प्रशस्ति के साथ-साथ मेरुतुंग कृत 'प्रबंधचिंतामणि' से पता चलता है कि राजा भोज ने अपने समकालीन अनेक शक्तिशाली राज्यों को पराजित कर उदयाचल से अस्ताचल तक शासन किया। इस ग्रंथ में राजा भोज की विद्वता, दानशीलता और उनके द्वारा धारा नगरी में बनवाए गए 104 मंदिरों का उल्लेख मिलता है। वसंत पंचमी के दिन यहां मां वाग्देवी की प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा हुई। वर्तमान में वाग्देवी की प्रतिमा लंदन के एक म्यूजियम में रखी हुई है। आशा है कि हाई कोर्ट के फैसले के बाद इस प्रतिमा को लंदन से वापस लाने के प्रयास किए जाएंगे और वे सफल भी होंगे।

धार की परमारवंशकालीन भोजशाला पर आए इंदौर हाई कोर्ट के निर्णय ने गौरवशाली मालवा संस्कृति के ख्यातिप्राप्त राजा भोज की सांस्कृतिक विरासत और उपलब्धियों को याद दिलाने का भी काम किया है। धारा नगरी में विद्वता का सम्मान, कला का उत्कर्ष और संस्कृति का वैभव था। राजा भोज ने जब धारा नगरी को अपनी राजधानी के रूप में प्रतिष्ठित किया तो उसे केवल शासन का केंद्र नहीं, बल्कि ज्ञान-परंपरा, संस्कृति, पारस्परिक सौहार्द का भव्य नगर बना दिया।

यहां निर्मित भव्य महल, देवालय और शिक्षा केंद्र भारत की समृद्ध सांस्कृतिक चेतना के प्रतीक हैं। इनमें मां सरस्वती का मंदिर सर्वप्रमुख है। सरस्वती मंदिर के निकट एक विजय-स्तंभ स्थापित कराया गया था। भोपाल के दक्षिण-पूर्व में राजा भोज ने 250 वर्ग मील लंबी भोज सरोवर नामक झील का निर्माण करवाया। चित्तौड़ में त्रिभुवन नारायण मंदिर बनवाया, मेवाड़ के नागोद क्षेत्र में भूदान किया। 1034 में सरस्वती मंदिर परिसर में उन्होंने एक संस्कृत विद्यापीठ की स्थापना कराई, जिसे आज भोजशाला के नाम से जाना जाता है। यह संस्थान नालंदा और तक्षशिला विश्वविद्यालय की समृद्ध परंपरा के समकक्ष था और लगभग 271 वर्षों तक यह संस्थान विश्वस्तरीय शिक्षा केंद्र के रूप में बहुत प्रतिष्ठित बना रहा।

यह उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश सरकार ने भोजशाला परिसर को 'सरस्वती लोक' और एक भव्य शोध संस्थान के रूप में विकसित करने का फैसला किया है। इस परियोजना के तहत भोजशाला परिसर में 'राजा भोज शोध संस्थान' स्थापित किया जाएगा, जो राजा भोज की ज्ञान परंपरा को पुनर्जीवित करने का कार्य करेगा। उचित यह होगा कि भोजशाला में अंतरराष्ट्रीय महत्व का ऐसा शैक्षिक संस्थान बने, जो प्राच्य विद्या के प्रमुख केंद्र के रूप में उभरे। ऐसा इसलिए किया जाना चाहिए, क्योंकि सम्राट भोज केवल प्रतापी राजा नहीं, बल्कि विद्या, कला, साहित्य और स्थापत्य के महान संरक्षक थे। उनकी राजसभा में विभिन्न कलाओं में निष्णात पांच सौ विद्वानों को आश्रय प्राप्त था। राजा भोज ने धर्म, संस्कृति, खगोल विद्या, वास्तुकला, ज्योतिष, व्याकरण, कोश रचना, काव्य और आयुर्वेद-औषधि जैसे विभिन्न विषयों पर 84 ग्रंथों की रचना की। राजा भोज की काव्यात्मक प्रतिभा भी उच्चकोटि की थी।

इतिहास के पन्नों को पलटने पर ज्ञात होता है कि राजा भोज वीरता और विद्वता के अद्भुत संगम थे। वे रणभूमि में पराक्रमी सम्राट ही नहीं थे, बल्कि भारतीय ज्ञान-परंपरा, संस्कृति और विद्वता के महान संरक्षक थे। उनके शासनकाल को भारतीय इतिहास में स्वर्णयुग के रूप में याद किया जाता है। संस्कृत के प्रतिष्ठित विद्वान और प्रमुख इतिहासकार बल्लाल ने अपने ग्रंथ 'भोज-प्रबंध' तथा जैन आचार्य-कवि धनपाल ने अपने प्रसिद्ध ग्रंथ 'तिलकमंजरी' में उन्हें 'कविराज' की उपाधि से विभूषित किया। पुरातत्वविदों को भोज शासनकाल की ऐतिहासिक जानकारी देने वाले आठ अभिलेख (1011 से 1046 ई.तक के) प्राप्त हुए हैं। इनमें प्रमुख है उदयपुर-प्रशस्ति अभिलेख। इसमें उनके सफल सैन्य-अभियानों एवं तुर्कों और हूणों के विरुद्ध विजय प्राप्त करने का उल्लेख मिलता है। उदयपुर प्रशस्ति के साथ-साथ मेरुतुंग कृत 'प्रबंधचिंतामणि' से पता चलता है कि राजा भोज ने अपने समकालीन अनेक शक्तिशाली राज्यों को पराजित कर उदयाचल से अस्ताचल तक शासन किया। इस ग्रंथ में राजा भोज की विद्वता, दानशीलता और उनके द्वारा धारा नगरी में बनवाए गए 104 मंदिरों का उल्लेख मिलता है। वसंत पंचमी के दिन यहां मां वाग्देवी की प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा हुई। वर्तमान में वाग्देवी की प्रतिमा लंदन के एक म्यूजियम में रखी हुई है। आशा है कि हाई कोर्ट के फैसले के बाद इस प्रतिमा को लंदन से वापस लाने के प्रयास किए जाएंगे और वे सफल भी होंगे।

समकालीन इतिहासकारों और विद्वानों ने राजा भोज को केवल प्रजावत्सल सम्राट ही नहीं, बल्कि श्रेष्ठतम साहित्यकार, कवि-सम्राट और विद्यानुरागी नरेश के रूप में वर्णित किया था। 1055 में जब राजा का देहांत हुआ तो समकालीन विद्वानों ने लिखा, 'आज राजा भोज के स्वर्ग सिधार जाने से धारा नगरी निराधार हो गई है, ज्ञान की अधिष्ठात्री देवी मां सरस्वती निराश्रित हो गई हैं और समस्त विद्वतजन आहत हो गए हैं।' राजा भोज के निधन के साथ ही केवल एक शासक का अवसान नहीं हुआ था, बल्कि ज्ञान, संस्कृति और विद्वता के उस युग का भी क्षय हुआ, जिसने धारा नगरी को भारतीय सभ्यता का आलोक-स्तंभ बना दिया था।

धारा नगरी का इतिहास बताता है कि किसी राष्ट्र की वास्तविक समृद्धि केवल भवनों, सेनाओं या अर्थव्यवस्था से नहीं मापी जाती, बल्कि इस बात से तय होती है कि वहां ज्ञान-परंपरा कितनी सम्मानित है, संस्कृति को कितना संरक्षण प्राप्त है और विद्वानों को

कहानी

टॉम थंब

बहुत समय पहले की बात है। किसी स्थान पर एक गरीब लकड़हारा अपनी पत्नी और अपने सात भतीजे के साथ रहता था। लकड़हारे का भाई और उसकी भाभी जंगल में लकड़ी लाने गए थे, तो उन दोनों को शेर ने अपना शिकार बना लिया था।

उनके बच्चें अपने चाचा और चाची के पास तभी से रहते थे। वो बच्चें अपने चाचा और चाची को ही मां और पिता जी कहते थे। सबसे छोटे बेटे का नाम टॉम थंब था। क्योंकि वह बिलकुल अंगूठे के आकर का था।

एक रात टॉम और थंब ने अपने पिता को उसकी मां को बात करते सुना, हमारे पास इन बच्चों को पेट भर खाना देने के लिए भी पैसा नही है। हमें इन्हें जंगल में छोड़ आना चाहिए। उसकी मां ने कहा, हां यह ठीक रहेगा।

मां और पिता की बात सुन उसको एक तरकीब सूझी। अगली सुबह वह जल्दी उठा और नदी के किनारे चला गया। वहां से उसने बहुत से सफेद कंकर इक्ट्ठा किया और उन्हें अपनी जब में भर लिया। कुछ देर बाद लकड़हारे का सारा परिवार जंगल की ओर चल पड़ा।

रास्ते में थोड़ी-थोड़ी दूर पर टॉम थंब ने पत्थर गिराता जा रहा था। जंगल में जब सब बच्चें आपस में खेलने लगे तो, लकड़हारा और उसकी पत्नी बच्चों को वही छोड़कर घर वापस चले गए।

थोड़ी देर बाद बच्चों को अकेला होने का जंगल में एहसास हुआ और वे रोने लगे। टॉम ने अपने भाईयों को कहा तुम लोग मत रो, मैं तुम्हें घर वापस ले जायूंगा।

टॉम ने सब को कहा इस सफेद पत्थर के पीछे-पीछे चलों हम अपने घर पहुंच जायेंगे। सभी बच्चें सफेद पत्थर के पीछे आते-आते वह जंगल से बाहर निकल गए। उसके बाद वह अपने गांव तक आ गए। सभी बच्चें अपना गांव देखकर खुश हुए और वह अपना घर पहुंच गए।

जब बच्चें घर पहुंच गए तो, लकड़हारा और उसकी पत्नी बच्चों को देखकर हैरान रह गए। लकड़हारे ने पत्नी को कहा, हमें इन्हें जंगल के बीच में छोड़ना चाहिए था जहां से ये बच्चें वापस नही आ पाते।

टॉम थम ने आज फिर उन दोंनों की बाते सुन लिया। पर अगली सुबह दरवाजा बंद होने के कारण वह नदी पर जा नही पाया। टॉम ने सोचा क्यों में रसोई से कुछ रोटी ले लूं और इनका छोटा टुकड़ा तोड़-तोड़ कर रास्ते में गिराता चला जाउं।

अगली सुबह फिर उनदोनों ने सभी बच्चों को अपने साथ लिया और जंगल के बीचों- बीच चले गए। टॉम रास्ते में रोटी का टुकड़ा गिराता हुआ गया। परंतु उस दिन बच्चों की किस्मत ने उनका साथ नहीं दिया। रोटी के टुकड़े पक्षियों ने खा लिए थे और वे शाम को अपने घर वापस नहीं जा सके।

सभी बच्चें जंगल में इधर-उधर घर जाने के लिए रास्ता ढुढ़ रहे तभी उन्हें जंगल में एक घर दिखाई दिया। उस घर से रोशनी दिखार्द दे रही थी।

सभी बच्चें उस घर की ओर चल दिए। वह घर एक आदमखोर राक्षस का था। दरवाजा खटखटाने पर राक्षस की पत्नी ने दरवाजा खोला। वह बच्चों को देख कर मुस्कुराई और उन्हें शोर मचाने के लिए मना की, क्योंकी उसकी सात बेटियां अभी सो रही थी।

उन्हें अपने साथ सात बेटियों के कमरे में सभी बच्चों को उसके पलंग के नीचे छिपा दिया। टॉम ने अपने भाईयों के सर से टोपी मांगी और उसे उसकी बेटियों के सर में पहना दिया। उसकी बेटियों के सर पर जो सोने के जो मुकुट पहन रखी थी उसे लेकर अपने भाईयों के साथ खिड़की से निकाल भाग गया।

जब आदमखोर राक्षस घर वापस आया तो उसे इंसानी मांस की गंध महसूस हुई। उसकी पत्नी ने बताया उन्हें वह वह अपनी बेटियों के कमरे में रखा हुआ है। वह अपनी बेटियों के कमरे में गया तो देखा खिड़की खुली है। वह समझ गया कि बच्चें यहां भाग गए है।

बच्चें भागते-भागते जंगल से बाहर निकल गए। तभी उन्हें एक आदमी मिला। वह सभी बच्चों को अपने साथ घर ले गया। और उनकी सारी कहानियां सुनी। वह आदमी अपनी पत्नी के साथ रहता था। जिसकी शादी के कई वर्ष बीतने के बाद भी उसके पास कोई बच्चा नहीं था।

उसकी पत्नी ने बहुत ही स्वादिष्ट पकवान बनाए और सभी बच्चों को प्यार से खिलाया। बच्चों को उसकी पत्नी से उन्हें अपने पास ही रह जाने के लिए बोला। बच्चें भी उनके साथ रहने के लिए राजी हो गए।

प्रकृति से संगति, भविष्य से दोस्तीः सिर्फ एक दिन क्यों?

इसमें से 130.75 वर्ग किमी वन भूमि को परियोजना के लिए उपयोग में लाने का प्रस्ताव है, जो द्वीप समूह के कुल वन क्षेत्र का लगभग 1.82 प्रतिशत है। यह हिस्सा दक्षिण-पूर्व एशिया के निकट स्थित है तथा मलक्का स्ट्रेट, 60 चैनल, सुंडा स्ट्रेट और लोंबोक स्ट्रेट जैसे प्रमुख वैश्विक समुद्री मार्गों के समीप आता है। सामरिक दृष्टि से देखें तो इस क्षेत्र को भारत की पूर्वी समुद्री चौकी की संज्ञा दी जा सकती है। इसका महत्व तब और स्पष्ट हो जाता है जब इसे केवल भूभाग के दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि महासागरीय रणनीति के व्यापक परिप्रेक्ष्य से देखा जाए। जिस तरह से हिंद महासागर क्षेत्र अब एक बड़ी वैश्विक प्रतिस्पर्धा का हिस्सा बन चुका है, उसे देखते हुए भविष्य की रणनीति के लिहाज से इस क्षेत्र की महत्ता और बढ़ गई है। हाल की एक महत्वपूर्ण प्रगति यह है कि अंडमान सागर को थाईलैंड की खाड़ी से जोड़ने वाली दशकों

सनीला ग्रह यानी कि यह पृथ्वी हमारा इकलौता घर है और इसकी सुरक्षा तथा संरक्षण किसी एक व्यक्ति, देश या संस्था की नहीं, बल्कि हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। यही संदेश प्रतिवर्ष 5 जून को मनाया जाने वाला विश्व पर्यावरण दिवस देता है।यदि इस दिवस को मनाने के प्रमुख उद्देश्यों की बात करें, तो इनमें प्रदूषण, वनों की कटाई, ग्लोबल वार्मिंग और जैव

सुनील कुमार महला

विविधता के ह्रास जैसे गंभीर मुद्दों के प्रति लोगों को जागरूक करना; सरकारों, उद्योगों और आम नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण हेतु ठोस कदम उठाने के लिए प्रेरित करना; विकास के साथ सतत विकास की अवधारणा को बढ़ावा देना; तथा हर परिस्थिति में पृथ्वी के पर्यावरण का संरक्षण और संवर्धन सुनिश्चित करना शामिल है। उल्लेखनीय है कि प्रत्येक वर्ष संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के लिए एक विशेष थीम निर्धारित की जाती है। वर्ष 2025 की थीम 'प्रकृति के साथ हमारे संबंधों की पुनर्कल्पना' रखी गई थी। दरअसल,यह थीम इस बात पर केंद्रित थी कि जिस प्रकार मानव प्रकृति का निरंतर दोहन कर रहा है, उसे बदलकर अधिक संतुलित और टिकाऊ दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। वहीं वर्ष 2026 की थीम 'प्रकृति से प्रेरित। जलवायु के लिए। हमारे भविष्य के लिए।' निर्धारित की गई है। इस वर्ष का प्रमुख अभियान #नाऊ फोर क्लाइमेट है, जो जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता पर बल देता है। साथ ही वर्ष 2026 के वैश्विक आयोजन की मेजबानी अज़रबैजान को सौंपी गई है। हाल फिलहाल,यदि हम यहां पर इस दिवस के इतिहास पर दृष्टि डालें, तो पाठकों को बताता चलूं कि संयुक्त राष्ट्र संघ ने वर्ष 1972 में स्टॉकहोम सम्मेलन के दौरान इसकी नींव रखी थी। यही वह अवसर था जब विश्व के देशों ने पहली बार पर्यावरण और मानव जीवन के पारस्परिक संबंधों पर गंभीरता से विचार-विमर्श किया। आधिकारिक रूप से पहला विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून 1973 को मनाया गया था, जिसका मुख्य नारा(स्लोगन) 'केवल एक पृथ्वी' था। वास्तव में इस दिवस को मनाने का महत्व आज और अधिक बढ़ गया है। वैज्ञानिक चेतावनियों के अनुसार पृथ्वी का औसत तापमान खतरनाक स्तर अर्थात 1.5 डिग्री सेल्सियस की सीमा के निकट पहुंच रहा है। ऐसे में यह दिवस जलवायु संकट के प्रति दुनिया को सचेत करने वाले एक वैश्विक अलार्म की तरह कार्य करता है। वर्तमान में 150 से अधिक देश और करोड़ों लोग इस अभियान(पर्यावरण संरक्षण)से जुड़कर पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों में भाग लेते हैं। आज इस दिवस पर ग्रीन हाइड्रोजन जैसी स्वच्छ ऊर्जा तथा जलवायु परिवर्तन से निपटने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उपयोग जैसे आधुनिक विषयों पर भी चर्चा की जा रही है। स्पष्ट है कि अब दुनिया का ध्यान ग्रीन टेक्नोलॉजी और सतत विकास की ओर तेजी से बढ़ रहा है। कहना ग़लत नहीं होगा कि भारत भी पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर देशभर में बड़े पैमाने पर पौधारोपण अभियान चलाए जाते हैं, सिंगल-यूज़ प्लास्टिक पर रोक लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं तथा 'श्री अन्न' (मोटे अनाज/मिलेट्स) जैसी टिकाऊ कृषि पद्धतियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है।किन्तु दूसरी ओर एक कटु सत्य यह भी है कि आज का आधुनिक मानव विकास के जिस रथ पर सवार है, उसकी गति जितनी तीव्र है, उसकी दिशा उतनी ही आत्मघाती प्रतीत होती है। हर वर्ष जून का महीना आते ही पर्यावरण संरक्षण को लेकर संगोष्ठियों, सेमिनारों और भाषणों का दौर आरंभ हो जाता है, मानो पूरा समाज प्रकृति को बचाने के लिए व्याकुल हो उठा हो। वातानुकूलित सभागारों में बैठकर, प्लास्टिक की बोतलों से पानी पीते हुए पर्यावरण की चिंता व्यक्त करना हमारे समय का सबसे बड़ा विरोधाभास बन चुका है। आज वास्तविकता यह है कि धरातल पर स्थितियां सुधरने के बजाय लगातार बिगड़ती जा रही हैं। हमारा पर्यावरण प्रेम अक्सर एक दिन के दिखावे, सोशल मीडिया पोस्टों और अखबारों में तस्वीरें प्रकाशित करवाने तक सीमित रह जाता है। साफ-सुथरे वस्त्र पहनकर चमचमाती कुदाल से, पानी डालते हुए पौधारोपण की तस्वीरें खिंचवाने वाले लोग अगले ही दिन उन पौधों को भूल जाते हैं। पाठक जानते होंगे कि हमारे प्राचीन शास्त्रों में प्रकृति और मनुष्य के बीच अत्यंत आत्मीय संबंध का वर्णन मिलता है। मनीषियों ने कहा है कि 'एक वृक्ष दस पुत्रों के समान होता है।' इस कथन का आशय यह है कि जिस प्रकार एक नवजात शिशु को निरंतर स्नेह, संरक्षण और देखभाल की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार एक पौधे को भी वृक्ष बनने तक पालना और संरक्षित करना पड़ता है। दुर्भाग्यवश आज उपभोक्तावादी मानसिकता के दौर में हमने वृक्षों को 'पुत्र' मानना तो दूर, उन्हें केवल एक वार्षिक आयोजन की वस्तु बनाकर छोड़ दिया है। परिणामस्वरूप अधिकांश पौधे पर्याप्त देखभाल और पानी के अभाव में शीघ्र ही नष्ट हो जाते हैं। इसके विपरीत, हमारे स्वार्थ की कोई सीमा नहीं रह गई है। आधुनिकता और विकास की अंधी दौड़ में हमने हरे-भरे जंगलों, पर्वतों और प्राकृतिक वादियों को उजाड़कर कंक्रीट के जंगल खड़े कर दिए हैं। नदियों के प्राकृतिक मार्गों को अवरुद्ध करना, तालाबों को पाटकर कॉलोनियां बसाना तथा पहाड़ों का अंधाधुंध दोहन करना आज विकास का प्रतीक माना जाने लगा है। परिणामस्वरूप संपूर्ण प्राकृतिक चक्र असंतुलित हो गया है। आज तथाकथित विकास का सबसे भयावह स्वरूप प्लास्टिक प्रदूषण के रूप में सामने आया है। सिंगल-यूज प्लास्टिक और पैकेज्ड पानी की बोतलों का उपयोग लगातार बढ़ रहा है। यह प्लास्टिक केवल भूमि को प्रदूषित नहीं कर रहा, बल्कि सूक्ष्म कणों अर्थात माइक्रोप्लास्टिक के रूप में हमारी खाद्य श्रृंखला, जल और वायु के माध्यम से हमारे शरीर में प्रवेश कर रहा है तथा स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बनता जा रहा है। सच तो यह है कि सुख-सुविधाओं की असीमित चाहत ने पृथ्वी पर कार्बन फुटप्रिंट को इस सीमा तक बढ़ा दिया है कि ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, नदियां सिकुड़ रही हैं और मौसम का संतुलन पूरी तरह बिगड़ चुका है। आज न पहाड़ सुरक्षित हैं और न ही मैदान। प्रकृति चक्रवातों, बेमौसम वर्षा, सूखे और रिकॉर्ड तोड़ गर्मी के रूप में अपने साथ किए गए अन्याय का उत्तर दे रही है, जिन्हें हम सुविधानुसार 'प्राकृतिक आपदा' कहकर अपनी जिम्मेदारी से बच निकलना चाहते हैं। अब समय आ गया है कि हम कागजी प्रस्तावों, खोखले भाषणों और दिखावटी हरियाली के इस मायाजाल से बाहर निकलें। भाषणों और सेमिनारों का दौर बहुत हो चुका; अब आवश्यकता जमीनी जवाबदेही और वास्तविक कार्रवाई की है। यदि हम सचमुच अपनी आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित भविष्य देना चाहते हैं, तो हमें अपनी जीवनशैली में बदलाव लाना होगा। पेड़ों को केवल लगाना ही नहीं

अंधेरगर्दी की आग

दिल्ली में अवैध तरीके से विस्तारित हो रहे एक भवन के गिरने की चर्चा थमी भी नहीं थी कि एक होटल में आग लगने से 21 लोग मारे गए और कई गंभीर रूप से घायल हो गए। मरने वालों में अधिकांश वे हैं, जो पड़ोस के अस्पताल में अपने स्वजनों के उपचार के लिए आए थे। इनमें कई विदेशी भी थे। आग होटल के बेसमेंट में स्थित रेस्त्रां में लगी। आग लगने का कारण कुछ भी हो, उसने इसलिए विकराल रूप ले लिया, क्योंकि रेस्त्रां और 25 कमरों वाले इस होटल में निकास का दरवाजा एक ही था। इससे भी खतरनाक बात यह थी कि न तो आग से बचाव के उपाय थे और न ही अग्निशमन विभाग का अनापत्ति प्रमाणपत्र। साफ है कि अग्निशमन विभाग ने यह देखने की जहमत नहीं उठाई कि इस होटल में आग से बचाव के उपाय हैं या

नहीं? तथ्य यह भी है कि इस होटल में कई कमरे अवैध तरीके से निर्मित हुए। छह की जगह 25 कमरे बना दिए गए और इस तरह एक छोटा होटल बड़े होटल में तब्दील हो गया। कहीं पर किसी भी भवन में अवैध निर्माण इस तरह करना संभव नहीं कि वह किसी को दिखे नहीं, पर दिल्ली ही नहीं, देश भर में स्थानीय निकायों के अधिकारी-कर्मचारी कुछ ले-देकर न केवल अवैध निर्माण होने देते हैं, बल्कि सुरक्षा उपायों की उपेक्षा भी। नतीजा यह है कि रह-रह कर आग लगने की जानलेवा घटनाएं होती रहती हैं। जनहानि वाली हर घटना के बाद गहन जांच और दोषियों को सख्त सजा देने की बड़ी-बड़ी बातें होती हैं, पर होता कुछ नहीं है। इस बार भी कुछ न हो तो हैरानी नहीं, क्योंकि हमारे औसत शासक-प्रशासक गंभीर हादसों से भी सबक न लेने के आदी हो गए हैं। स्थानीय निकायों के वे अधिकारी-कर्मचारी कभी कठोर दंड का पात्र नहीं बनते, जो अवैध निर्माण और सुरक्षा उपायों की अनदेखी के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार होते हैं। संबंधित मंत्री की भी कोई जवाबदेही नहीं तय होती। बहुत होता है तो एक-दो अधिकारियों-कर्मियों का निलंबन हो जाता है। इसके बाद सब शांत हो जाता है और जांच रपटें धूल फांकती रहती हैं एवं हादसों को निमंत्रण देने वाला निर्माण होता रहता है। नगर निकायों के बेलगाम भ्रष्टाचार के कारण होने वाले अवैध निर्माण के चलते ही देश भर में रिहायशी इलाके व्यावसायिक गतिविधियों के केंद्र बनते जा रहे हैं। सरकारें बदल जाती हैं, नगर निकायों के अधिकारी भी बदल जाते हैं, लेकिन यदि कुछ नहीं बदलता तो अवैध निर्माण और सुरक्षा उपायों की अनदेखी का सिलसिला।

जयपुर में भारत टैक्सी का ट्रायल शुरू, सहकारी मॉडल आधारित परिवहन व्यवस्था को मिलेगा नया विस्तार

यात्रियों को उपलब्ध होगी विश्वसनीय और किफायती परिवहन सुविधा: दक

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने बताया कि सहकारी परिवहन पहल को नई गति देते हुए भारत टैक्सी का गुरुवार से जयपुर में ट्रायल शुरू कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि जयपुर के नागरिक अब भारत टैक्सी की बाइक टैक्सी, ऑटो रिक्शा एवं कैब सेवाओं का लाभ आसानी से उठा सकेंगे। दक ने कहा कि भारत टैक्सी का यह विस्तार स्मार्ट, समावेशी व टिकाऊ शहरी परिवहन व्यवस्था विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जयपुर के हजारों चालक पहले ही इस प्लेटफॉर्म से जुड़ चुके हैं, जो सहकारी मॉडल के प्रति बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। इस पहल से जहां सारथियों के कल्याण को प्राथमिकता मिलेगी वहीं यात्रियों को विश्वसनीय और किफायती परिवहन सुविधा उपलब्ध होगी। सहकारिता मंत्री ने कहा कि नए ग्राहक ऐप के माध्यम से यात्रियों को सुलभ किराया, पीक आवर्स में भी शून्य सर्ज प्राइसिंग, पारदर्शी व निश्चित दरें, एसओएस आपातकालीन सुविधा, स्थानीय व विश्वसनीय चालक तथा बेहतर ग्राहक सहायता जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इससे दैनिक आवागमन, लास्ट-माइल कनेक्टिविटी व शहरभर में यात्रा करना अधिक सुविधाजनक और सुरक्षित होगा। उन्होंने कहा कि सहकारी सिद्धांतों पर आधारित यह पहल विश्व की सबसे बड़ी सहकारी मोबिलिटी पहल के रूप में उभर रही है। दक ने कहा कि जयपुर अब दिल्ली-एनसीआर, गुजरात, चंडीगढ़ और लखनऊ जैसे प्रमुख शहरों के साथ इस बढ़ते सहकारी परिवहन नेटवर्क का हिस्सा बन गया है। जयपुर में अब तक लगभग 13 हजार सारथी भारत टैक्सी से जुड़ चुके हैं। उन्होंने कहा कि 'सहकार से समृद्धि' की भावना से प्रेरित यह पहल देश में जन-केंद्रित व समावेशी परिवहन व्यवस्था विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

छावनी प्रीमियर लीग (सीपीएल-3) का आगाज, उद्घाटन मैच में वी एंड वी टाइगर ने दर्ज की जीत

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। युवाओं में खेल भावना, अनुशासन और आपसी भाईचारे को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित छावनी प्रीमियर लीग (सीपीएल-3) का गुरुवार सुबह तोप वाली माता ग्राउंड, पुरानी छावनी में भव्य शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन तोप वाली माता मंदिर के महंत बाबा जी ने भगवान श्रीराम की पूजा-अर्चना एवं फीता काटकर किया। टूर्नामेंट के शुभारंभ अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीण, युवा खिलाड़ी और खेल प्रेमी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में स्वास्तिक चैलेंजर, हर्षित-11, आरडीसी-11, वाइंस ग्रुप छावनी, शिवांश-11, सुनील रॉकस्टार, वी एंड वी टाइगर और दीपू सुपर-11 सहित कुल 8 टीमें भाग ले रही हैं। पूरे टूर्नामेंट में 15 मुकाबले खेले जाएंगे, जबकि फाइनल मैच 11 जून को आयोजित होगा। उद्घाटन मुकाबला सुनील रॉकस्टार और वी एंड वी टाइगर के बीच खेला गया। टॉस जीतकर वी एंड वी टाइगर ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए सुनील रॉकस्टार की टीम ने 63 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए वी एंड वी टाइगर ने शानदार प्रदर्शन कर मैच अपने नाम कर लिया। मैच में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए रोहित को 'मैन ऑफ द मैच' चुना गया। उन्हें रामजीवन और बदन सिंह अध्यापक की ओर से सम्मानित किया गया। पहले दिन के मुकाबलों में खिलाड़ियों ने शानदार बल्लेबाजी, सटीक गेंदबाजी और बेहतरीन फील्डिंग का प्रदर्शन कर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। पूरे मैच के दौरान दर्शक तालियों और उत्साहवर्धन के साथ खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाते नजर आए। आयोजकों ने बताया कि सीपीएल-3 केवल क्रिकेट प्रतियोगिता नहीं, बल्कि गांव की एकता, युवा शक्ति और खेल संस्कृति का उत्सव है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को सकारात्मक दिशा देने के साथ सामाजिक समरसता को भी मजबूत करते हैं। प्रतियोगिता के सफल शुभारंभ से खिलाड़ियों और ग्रामीणों में उत्साह का माहौल है तथा आने वाले मुकाबलों को लेकर खेल प्रेमियों में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

जूनियर हॉकी प्रतियोगिता में धौलपुर का विजयी आगाज, जोधपुर को 3-1 से हराया

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। पाली के पुलिस लाइन मैदान में आयोजित 16वीं राज्य स्तरीय जूनियर हॉकी प्रतियोगिता में धौलपुर हॉकी टीम ने शानदार शुरुआत करते हुए जोधपुर को 3-1 से पराजित कर जीत के साथ अभियान का आगाज किया। टीम की इस जीत से खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों में उत्साह का माहौल है। जिला हॉकी संघ के संयुक्त सचिव अजय बघेल ने बताया कि मुकाबले की शुरुआत से ही धौलपुर के खिलाड़ियों ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए जोधपुर टीम पर दबाव बनाए रखा। धौलपुर की ओर से उबेद, मयंक शर्मा और अमन ने एक-एक गोल कर टीम को मजबूत बढ़त दिलाई। वहीं रक्षापंक्ति ने भी शानदार खेल दिखाते हुए जोधपुर को केवल एक गोल तक सीमित रखा। मैच में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए उबेद को 'मैन ऑफ द मैच' चुना गया। उनकी तेज गति, उत्कृष्ट ड्रिब्लिंग और आक्रमण क्षमता ने दर्शकों को प्रभावित किया। कोच योगेश थापा ने जीत को खिलाड़ियों की मेहनत, अनुशासन और टीम वर्क का परिणाम बताते हुए कहा कि टीम आगामी मुकाबलों में भी इसी आत्मविश्वास के साथ उतरेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि धौलपुर की टीम प्रतियोगिता में आगे भी शानदार प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन करेगी। टीम की जीत पर जिला हॉकी संघ के अध्यक्ष शैलेंद्र बोहरा, सचिव रनवीर परमार, कोषाध्यक्ष विजय दिवाकर, हीरा बहादुर, अकील अहमद, आदित्य शर्मा, रंजीत दिवाकर, राजू सहित खेल प्रेमियों और पूर्व खिलाड़ियों ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए आगामी मैचों के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

प्रजापति जागृति सेवा समिति विराटनगर की नई कार्यकारिणी गठित, सुरेंद्र कुम्हार बने अध्यक्ष

जयपुर टाइम्स

विराटनगर(निस)। प्रजापति जागृति सेवा समिति तहसील विराटनगर की कार्यकारिणी व समाज बंधुओं की वृहद बैठक बुधवार को श्री हनुमान डूंगरी अन्नदाता धाम मंदिर परिसर, हरिकिशनपुरा में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कैलाश प्रजापति बरवाड़ा ने की। बैठक का मुख्य एजेंडा समिति की कार्यकारिणी का पुनर्गठन रहा।बैठक में रोहित प्रजापति विराटनगर, बादल प्रजापति सहित अनेक समाज बंधुओं ने अध्यक्ष पद के लिए अपेक्षित गुणों एवं समाज हित में नेतृत्व की आवश्यकता पर अपने विचार व्यक्त किए। समिति के प्रथम अध्यक्ष से लेकर वर्तमान अध्यक्ष हजारीलाल कुम्हार ने अपने-अपने कार्यकाल की उपलब्धियों की जानकारी दी तथा आगामी दो वर्षों की कार्ययोजना पर चर्चा की गई। बैठक में शिक्षा, सामाजिक उत्थान व

राजनीतिक नेतृत्व को सशक्त बनाने के विषय पर भी विचार-विमर्श हुआ। पूरण कुम्हार ने बताया कि आगामी दो वर्षों में समाज के सहयोग से छात्रावास भवन निर्माण के लिए प्रयास किए जाएंगे। वहीं अतरसिंह खैरथल ने बच्चों में संस्कार निर्माण पर बल दिया। सीताराम गुरुजी मेड ने सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी के गठन की घोषणा की। समिति के अध्यक्ष पद पर पूर्व सरपंच पापड़ी सुरेंद्र कुम्हार को सर्वसम्मति से चुना गया। सचिव पद पर रमेश प्रजापति विराटनगर, सह सचिव पद पर भीवाराम पालड़ी, कोषाध्यक्ष पद पर सुभाष गुरुजी भाभरू तथा सह कोषाध्यक्ष पद पर राजेश प्रजापत विराटनगर का चयन किया गया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर सीताराम गुरुजी मेड, मोहित कुम्हार मेड, डॉ. धन्नाराम कुम्हार विराटनगर, रतन कुम्हार सरपंच बागावास चौरासी एवं कन्हैयालाल गुरुजी सुरपुरा को मनोनीत किया गया। महामंत्री पद पर किशोर कुम्हार सरपंच प्रशासक पालड़ी तथा संरक्षक पद पर कैलाश कुम्हार बरवाड़ा, पूरण कुम्हार अंतेला व साधुराम गुरुजी बरवाड़ा को जिम्मेदारी सौंपी गई। मार्गदर्शक मंडल में रोहित प्रजापति विराटनगर, महेश प्रजापत विराटनगर, डॉ. धर्मपाल प्रजापत विराटनगर, पूरण कुम्हार नवरंगपुरा, हजारीलाल वैद्य बागावास चौरासी व राष्ट्रपति पुरस्कार विजेता हरिराम कुम्हार बीलवाड़ी को शामिल किया गया। मीडिया प्रभारी पद पर अशोक गुरुजी बरवाड़ा, सह मीडिया प्रभारी पद पर नरेश कुमार विराटनगर तथा तकनीकी प्रभारी पद पर बृज बिहारी कुहाड़ा को नियुक्त किया गया। उपाध्यक्ष पद पर धूणीलाल हलवाई विराटनगर, एडवोकेट विजय प्रजापत कुहाड़ा, सुरेंद्र कुम्हार विराटनगर एवं सोहन पनदो का चयन किया गया। प्रचार मंत्री के रूप में कमलेश प्रजापति बड़नगर, राजेंद्र विराटनगर, सुभाष मेड एवं हीरालाल हलवाई विराटनगर को जिम्मेदारी दी गई। पत्रकार प्रतिनिधि के रूप में जितेंद्र प्रजापति बागावास अहिरान, किशन प्रजापत बागावास चौरासी व मुकेश प्रजापत खोरी का चयन किया गया।बैठक के दौरान सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को गोपनीयता व दायित्व निर्वहन की शपथ दिलाई गई तथा समाज हित में कार्य करने के लिए शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर थानागाजी समिति अध्यक्ष बादल प्रजापति, सीताराम कुम्हार झिरी प्रतापगढ़, लेखराज आमका, जमवारामगढ़ अध्यक्ष गिरधारी कुम्हार, महासंगठन के पूर्व अध्यक्ष भैरूराम प्रजापति कांट, दयानंद थानागाजी, धादूराम पिपलाई, रामकिशन प्रतापगढ़, सुरेश हरिकिशनपुरा सहित बड़ी संख्या में समाज बंधु उपस्थित रहे।

अनुसूचित जनजाति समाज ने भाजपा जिलाध्यक्ष अमित गोयल का किया अभिनंदन

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। भारतीय जनता पार्टी जयपुर शहर कार्यालय में गुरुवार को अनुसूचित जनजाति समाज के प्रतिनिधियों ने भाजपा जयपुर शहर जिलाध्यक्ष अमित गोयल का भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया। समाजजनों ने उन्हें 21 किलो की विशाल माला पहनाकर तथा भगवान श्रीराम के प्रतीक स्वरूप धनुष-बाण भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष विकास मीणा का भी दुपट्टा, माला एवं साफा पहनाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में मीणा समाज के बड़ी संख्या में समाजबंधु, मातृशक्ति, भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता मौजूद रहे। पूरे आयोजन के दौरान उत्साह, उल्लास और सामाजिक समरसता का माहौल देखने को मिला। समाजजनों ने पुष्पमालाओं, जयघोष और पारंपरिक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से भाजपा संगठन के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया। इस अवसर पर अमित गोयल ने कहा कि अनुसूचित जनजाति समाज भारतीय संस्कृति, प्रकृति संरक्षण, राष्ट्रभक्ति और सामाजिक समरसता की गौरवशाली परंपराओं का प्रतिनिधित्व करता है। भारतीय जनता पार्टी सदैव समाज के सम्मान, अधिकारों और सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि विकास मीणा के नेतृत्व में अनुसूचित जनजाति मोर्चा संगठन को नई

ऊर्जा मिलेगी और समाज व संगठन के बीच समन्वय और अधिक मजबूत होगा। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष विकास मीणा ने पार्टी नेतृत्व और समाजजनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे संगठन की विचारधारा और जनसेवा के संकल्प के साथ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने का प्रयास करेंगे तथा संगठन को मजबूत बनाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। कार्यक्रम में उपस्थित समाजजनों और महिला कार्यकर्ताओं ने बूथ स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक संगठन को सशक्त बनाने तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर जिला महामंत्री नवरत्न नराणिया, राजेश ताम्बी, जिला उपाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह पुरुवंशी, अजय सिंह चौहान, जिला मंत्री प्रिया ज्ञानानी, जी. राम मीणा, कार्यालय मंत्री क्षमा अग्रवाल, सह कार्यालय मंत्री कमलेश जायसवाल, राज सिंह राठौड़ सहित जिला एवं मोर्चा पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

'खेत बचाओ अभियान' को जनांदोलन बनाएं: कृषि मंत्री

तीन दिनों में 77,806 किसानों से सीधा संवाद

राज्य में 8.27 लाख मीट्रिक टन उर्वरक का बंपर स्टॉक उपलब्ध

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल ने गुरुवार को पंत कृषि भवन, जयपुर में 'खेत बचाओ अभियान' (01 से 30 जून) और खरीफ-2026 उर्वरक आपूर्ति की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि स्वस्थ मिट्टी, संरक्षित पानी और जागरूक किसान ही समृद्ध राजस्थान की असली पहचान हैं। उन्होंने जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों व कृषि वैज्ञानिकों से आग्रह किया कि इस अभियान को धरातल पर पूरी निष्ठा के साथ क्रियान्वित करते हुए जनांदोलन का स्वरूप दें।

अभियान की प्रारंभिक प्रगतिः

बैठक में प्रस्तुत प्रगति रिपोर्ट के अनुसार अभियान के प्रथम तीन दिनों में प्रदेशभर में 2,382 कृषि गतिविधियां आयोजित कर 77,806 किसानों से सीधा संवाद स्थापित किया गया। इनमें 294 कृषक गोष्ठियां में 13,273 किसान लाभान्वित हुए व 184 संतुलित उर्वरक उपयोग जागरूकता कार्यक्रम में 8,987 किसान सम्मिलित हुए। ग्रामीण अंचलों में 127 जनप्रतिनिधियों तथा 312 अधिकारियों व कृषि वैज्ञानिकों ने रात्रि चौपालों के माध्यम से किसानों की समस्याओं का मौके पर समाधान किया। कृषि सखी, पशु सखी, लखपति दीदी व नमो ड्रोन दीदियों के माध्यम से जैविक व नैनो उर्वरकों के उपयोग का संदेश घर-घर पहुँचाया जा रहा है।

उर्वरक आपूर्ति व कालाबाजारी पर नियंत्रणः

कृषि मंत्री ने बताया कि राज्य में खरीफ सीजन के लिए उर्वरक का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। वर्तमान में सोसायटियों व डीलर्स के पास 8.27 लाख मीट्रिक टन उर्वरक स्टॉक है, जो गत वर्ष की तुलना में 84,166 मीट्रिक टन अधिक है। इसके अतिरिक्त भारत सरकार द्वारा जून माह के लिए 4.70 लाख मीट्रिक टन उर्वरक का अतिरिक्त आवंटन भी स्वीकृत किया जा चुका है। यूरिया के अवैध परिवहन व कालाबाजारी को रोकने के लिए राज्य की सीमाओं पर 61 चेकपोस्ट पूरी तरह सक्रिय हैं और नियम उल्लंघन पर तत्काल लाइसेंस निलंबन व जब्ती की कार्रवाई की जा रही है। कृषि मंत्री ने खेती से जुड़े जनप्रतिनिधियों से आह्वान किया कि वे स्वेच्छा से अपनी कम से कम 25 प्रतिशत कृषि भूमि पर जीवामृत, वर्मी कम्पोस्ट व हरी खाद आधारित प्राकृतिक खेती अपनाकर अन्य किसानों के लिए प्रेरणास्रोत बनें। उन्होंने जल संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए फार्म पौंड, मेड़बंदी तथा ड्रिप व स्प्रिंकलर सिंचाई पद्धतियों के अधिकतम उपयोग पर भी बल दिया। इस दौरान आयुक्त उद्यानिकी श्वेता चौहान, निदेशक कृषि विपणन विभाग राजेश कुमार चौहान सहित कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मीटिंग में प्रत्यक्ष रूप से जिलों में पदस्थापित अधिकारी वीसी के माध्यम से मौजूद रहे।

जल जीवन मिशन के अंतर्गत चयनित गांवों में संयुक्त निरीक्षण के अंतर्गत 23 जल योजनाओं का किया निरीक्षण

ग्रामीण पेयजल सेवाओं को और प्रभावी बनाने की पहल, निरीक्षण के आधार पर बनेगा डिस्ट्रिक्ट इम्प्रूवमेंट प्लान

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। जिला कलक्टर जयपुर संदेश नायक के निर्देशानुसार जिले में निर्धारित मानकों के आधार पर चयनित ग्रामों में जिला प्रशासन, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (पीएचईडी), सांसद व विधायक तथा उनकी ओर से नामित प्रतिनिधियों के संयुक्त दल की ओर से जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित कार्यों का गहन निरीक्षण किया जा रहा है। संयुक्त निरीक्षण के दौरान पेयजल योजनाओं की प्रगति, घरेलू नल कनेक्शनों की स्थिति, जलापूर्ति की गुणवत्ता व नियमितता तथा आमजन को प्राप्त हो रहे लाभों का विस्तृत मूल्यांकन किया गया। निरीक्षण दल की ओर से ग्रामीणों व जनप्रतिनिधियों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं, सुझावों व अपेक्षाओं की जानकारी भी प्राप्त की गई। जिला कलक्टर ने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत जयपुर ग्रामीण क्षेत्र के झोटवाड़ा, जोबनेर, आमेर, गोविंदगढ़, सांभर, किशनगढ़-रेनवाल, फागी, सांगानेर, चाकसू, बस्सी, जालसू, आंधी, जमवारामगढ़, मौजमाबाद, दूदू, कोटखावदा, तुंगा, माधोराजपुरा एवं शाहपुरा ब्लॉकों की कुल 40 जल योजनाओं का निरीक्षण किया जाना प्रस्तावित है। इनमें से 3 जून 2026 तक कुल 23 जल योजनाओं का निरीक्षण पूर्ण किया जा चुका है, जबकि शेष 17 योजनाओं का निरीक्षण आगामी दिनों में किया जाएगा। अभियान के दौरान सांसद सीकर अमराराम, विधायक चौमूं शिखा मील बराला और पूर्व विधायक फुलेरा

निर्मल कुमावत की ओर से भी विभिन्न ग्रामों का व्यक्तिगत रूप से भ्रमण कर पेयजल व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया तथा आवश्यक सुझाव प्रदान किए गए। संयुक्त निरीक्षण दल ने विभिन्न स्थलों का भ्रमण कर कार्यों की गुणवत्ता व प्रगति की समीक्षा की। जहां आवश्यक पाया गया, वहां सुधारात्मक कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए। निरीक्षण के दौरान प्राप्त सुझावों तथा फील्ड स्तर पर चिन्हित कमियों के आधार पर एक डिस्ट्रिक्ट इम्प्रूवमेंट प्लान तैयार किया जाएगा, जिससे जल जीवन मिशन के अंतर्गत प्रदत्त सेवाओं को और अधिक प्रभावी, गुणवत्तापूर्ण व जनहितकारी बनाया जा सके। जिला कलक्टर ने बताया कि इस प्रकार के निरीक्षण व समीक्षा अभियान भविष्य में भी निरंतर जारी रहेंगे तथा प्राप्त सुझावों व चिन्हित कमियों के आधार पर आवश्यक सुधारात्मक कार्यों को प्राथमिकता के साथ क्रियान्वित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षित, गुणवत्तापूर्ण व निर्बाध पेयजल उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा जल जीवन मिशन के उद्देश्यों की प्रभावी प्राप्ति के लिए सतत मॉनिटरिंग व नियमित फॉलोअप सुनिश्चित किया जाएगा।

ग्राम पंचायत लुहारी में जिला कलक्टर श्रीनिधि बीटी ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान और सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से जिला कलक्टर श्रीनिधि बीटी ने गुरुवार को पंचायत समिति धौलपुर की ग्राम पंचायत लुहारी स्थित अटल सेवा केंद्र में आयोजित त्रिस्तरीय जनसुनवाई कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने बड़ी संख्या में उपस्थित ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध एवं प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान ग्रामीणों ने पेयजल आपूर्ति, विद्युत व्यवस्था, सड़क निर्माण एवं मरम्मत, प्रधानमंत्री आवास योजना सहित विभिन्न स्थानीय समस्याओं को जिला कलक्टर के समक्ष रखा। जिला कलक्टर ने प्रत्येक परिवाद को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा कई मामलों में मौके पर ही समाधान सुनिश्चित कराया। उन्होंने कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता आमजन की समस्याओं का पारदर्शी और समयबद्ध निस्तारण करना है। ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण एवं विकास कार्यों को गति देने के लिए प्रशासन पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसुनवाई में प्राप्त सभी शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण कर शिकायतकर्ताओं को निर्धारित समयावधि में कार्रवाई से अवगत कराया जाए। जनसुनवाई के दौरान भगवतगढ़ के ग्रामीणों ने बिजली के तार बदलवाने, पशु

चिकित्सालय निर्माण व विद्युत सेक्शन प्रस्ताव भेजने की मांग रखी। वहीं लुहारी के ग्रामीणों ने जल जीवन मिशन के तहत खोदी गई सड़कों की मरम्मत कराने की मांग की। इसके अलावा भूदेवा ने आरसीसी सड़क निर्माण, गुलाब देई ने बीपीएल सूची में नाम जोड़ने तथा भरत सिंह ने सिंचाई के लिए बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराने संबंधी परिवाद प्रस्तुत किए। इस दौरान परिवादी ऋषि कपूर ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने की मांग रखी। जिस पर जिला कलक्टर ने विकास अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि पात्रता के अनुसार प्राथमिकता के आधार पर प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाए।

जनसुनवाई में जिला कलक्टर ने ग्रामीणों को वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान की जानकारी देते हुए जल संचयन, भू-संरक्षण और जल संरक्षण के महत्व पर भी जागरूक किया। कार्यक्रम में उपखंड अधिकारी कर्मवीर सिंह, विकास अधिकारी राजेश लवानियां सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

अपराधियों की काली कमाई पर राजस्थान पुलिस का बड़ा प्रहार, 220 करोड़ की संपत्तियां जब्ती की प्रक्रिया में

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों पर राजस्थान में अपराध और माफिया तंत्र के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत राजस्थान पुलिस ने आर्थिक मोर्चे पर अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई शुरू की है। नए कानूनों के प्रभावी उपयोग के जरिए अपराधियों की अवैध कमाई से अर्जित संपत्तियों को चिन्हित कर जब्त करने और ध्वस्त करने की व्यापक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस मुख्यालय के अनुसार भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 107 के तहत प्रदेशभर में 636 हार्डकोर अपराधियों की अपराध से अर्जित 220 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की अवैध संपत्तियों को चिन्हित किया गया है। इन संपत्तियों की जब्ती और कुर्की के लिए विभिन्न न्यायालयों में कानूनी प्रक्रिया जारी है। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने बताया कि अपराधियों की चल-अचल

संपत्तियों को जब्त करने के लिए 584 प्रकरणों में न्यायालयों में इस्तगासे पेश किए गए हैं। इनमें से 182 मामलों में न्यायालयों की ओर से नोटिस जारी किए जा चुके हैं। अब तक 13 प्रकरणों में लगभग 32 करोड़ रुपये की अवैध संपत्तियां न्यायालय के आदेश से जब्त की जा चुकी हैं। इनमें बूंदी जिले में एक ही प्रकरण में करीब 12 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्ति जब्त करने की उल्लेखनीय कार्रवाई शामिल है।

राजस्थान पुलिस ने अपराधियों की आर्थिक ताकत को कमजोर करने के लिए अवैध निर्माणों पर भी बुलडोजर कार्रवाई की है। वर्ष 2026 में 28 मई तक प्रदेश में 39 ध्वस्तीकरण कार्रवाई कर लगभग 35 करोड़ 10 लाख रुपये मूल्य की अवैध संपत्तियां ध्वस्त की गई हैं। इस अभियान में झालावाड़ जिला सबसे आगे रहा, जहां 12 कार्रवाइयों में करीब 22 करोड़ 90 लाख रुपये की अवैध संपत्तियां जमींदोज की गईं। राज्य को नशामुक्त बनाने की दिशा में एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) और पुलिस ने संयुक्त रूप से बड़ी कार्रवाई की है। एनडीपीएस एक्ट की धारा 68-एफ के तहत जनवरी से अप्रैल 2026 के बीच 36 मादक पदार्थ तस्करों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। इनमें से 28 मामलों में लगभग 33 करोड़ रुपये मूल्य की अवैध संपत्तियां सीज और फ्रीज की गईं। पुलिस के अनुसार नशा तस्करों की कुल 66 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियों पर कार्रवाई की प्रक्रिया जारी है। धारा 107 बनी बड़ा हथियार जुलाई 2024 से लागू भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 107 अपराधियों के खिलाफ इस अभियान का सबसे प्रभावी कानूनी हथियार बनकर उभरी है। इस प्रावधान का उद्देश्य अपराधियों को केवल जेल भेजना नहीं, बल्कि उनकी आर्थिक शक्ति को समाप्त कर उन्हें पूरी तरह कमजोर करना है। पुलिस मुख्यालय ने इस संबंध में सभी जिलों को मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी कर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। पुलिस महानिदेशक ने बताया कि नए कानूनों के तहत जब्त की गई संपत्तियों का लाभ पीड़ितों को भी मिल सकेगा। कानूनी प्रावधानों के अनुसार जिला प्रशासन के माध्यम से पीड़ितों को उनकी संपत्ति वापस दिलाने की प्रक्रिया भी शुरू की जाएगी। इससे अपराध और माफिया गतिविधियों से प्रभावित लोगों को राहत मिलेगी तथा न्याय व्यवस्था में आमजन का विश्वास और मजबूत होगा। राजस्थान पुलिस का यह अभियान अपराधियों की आर्थिक कमर तोड़ने और प्रदेश में कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

बलजीत कौर को केंद्रीय विधि मंत्री ने किया सम्मानित

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। डॉ. भीमराव अंबेडकर विधि विश्वविद्यालय, जयपुर के तृतीय दीक्षांत समारोह में राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े की अध्यक्षता, केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, प्रदेश के उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंदजी ने सुजानगढ़ की बलजीत कौर पुत्री जगपाल सिंह को बीबीए एलएलबी में दूसरी रैंक प्राप्त करने पर सम्मानित किया। इस अवसर पर डॉ. निष्ठा जसवाल -कुलगुरु डॉ. भीमराव अंबेडकर लॉ यूनिवर्सिटी भी मौजूद रहे।

चाड़वास भाजपा मंडल की बैठक आयोजित

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। भारतीय जनता पार्टी चाड़वास मण्डल की बैठक का आयोजन मण्डल अध्यक्ष करणी सिंह की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में आगामी पंचायती राज चुनाव में पार्टी संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, कार्यकर्ताओं की अपेक्षाओं के अनुरूप कार्ययोजना तैयार करने पर चर्चा की गई। बैठक का संचालन मण्डल महामंत्री हंसराज नायक ने किया। मण्डल महामंत्री दिनेश रतावा ने संगठनात्मक विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष नरपत सिंह, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष गंगाधर दर्जी, ओबीसी मोर्चा मंडल अध्यक्ष हरीराम सुथार, मीडिया प्रभारी विकास बिरड़ा, मंडल कार्यकारिणी सदस्य नवरत्न नायक, राजेश सेन, आदित्य जांगिड़ सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कुंती और भीष्म की स्तुति के प्रसंगों पर भावुक हुए श्रद्धालु, भजनों पर झूम उठा पांडाल

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। स्थानीय श्रीराम मंदिर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव के दूसरे दिन श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिकता का अद्भुत संगम देखने को मिला। इस अवसर पर वृंदावन के कथा व्यास हरीश ठाकुर महाराज ने महाभारत और भागवत के प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन किया, जिससे श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो गए। कथा के दौरान कुंती की ओर से भगवान श्रीकृष्ण से विपत्तियां मांगने के प्रसंग का वर्णन करते हुए महाराज ने कहा कि विपत्तियां मनुष्य को ईश्वर के और निकट ले जाती हैं। भीष्म की ओर से भगवान श्रीकृष्ण की स्तुति और उनके मोक्ष प्राप्ति के प्रसंग ने पूरे वातावरण को भावुक कर दिया। कथा में जैसे ही सुखदेव महाराज के आगमन का वर्णन हुआ, तो पूरा पंडाल जय श्रीकृष्ण और सुखदेव महाराज के जयकारों से गुंजायमान हो गया। कथा के दौरान भजनों की प्रस्तुतियों ने श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सरोबार कर दिया। पुरुष और महिलाएं भजनों पर झूम उठे और भगवान की भक्ति में लीन होकर नृत्य करने लगे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिला-पुरुष व धर्म प्रेमी उपस्थित रहे।

अपराध के खिलाफ एकजुट हुआ भीनमाल, बंद रहा बाजार, गूंजा न्याय का नारा

जयपुर टाइम्स

भीनमाल(निस)। कृष्ण देवासी पर हुए प्राणघातक हमले के विरोध में गुरुवार को भीनमाल शहर ने एकजुट होकर अपराध और असामाजिक तत्वों के खिलाफ अपनी सबसे बड़ी आवाज बुलंद की। संयुक्त व्यापार संघ के आह्वान पर आयोजित भीनमाल बंद पूरी तरह सफल रहा। शहर के मुख्य बाजारों से लेकर छोटे-बड़े व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे तथा हजारों की संख्या में लोग धरना स्थल पर जुटे। पूरे दिन शहर में न्याय की मांग और अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर जनआक्रोश साफ दिखाई दिया।बंद के दौरान शहर में कानून व शांति व्यवस्था बनाए बनाए रखने के लिए एडीएम डॉक्टर पूजा सक्सेना, एसडीएम आईएएस अधिकारी मोहित कासनियां व पुलिस उप अधीक्षक शंकरलाल मंसूरिया के निर्देशन में थाना अधिकारी राजेंद्रसिंह राजपुरोहित के नेतृत्व में पुलिस बल की व्यापक तैनाती की गई। हालांकि आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण रहा, लेकिन मंच से वक्ताओं ने साफ शब्दों में चेतावनी दी कि यदि मुख्य आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी नहीं हुई तो आंदोलन और अधिक उग्र रूप ले सकता है। धरना स्थल पर सभी वक्ताओं ने कहा कि कृष्ण देवासी पर हुआ हमला केवल एक व्यक्ति पर हमला नहीं, बल्कि पूरे भीनमाल की सामाजिक व्यवस्था और कानून व्यवस्था को चुनौती देने का प्रयास है। इस घटना ने शहरवासियों में असुरक्षा की भावना पैदा की है और लोग अब अपराधियों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई चाहते हैं। भाजपा युवा नेता सुरेश बंजारा ने कहा कि प्रशासन लगातार कार्रवाई का दावा कर रहा है, लेकिन जनता को अब तक कोई ठोस परिणाम दिखाई नहीं दिए हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासन को सार्वजनिक मंच पर आकर अब तक की कार्रवाई का खुलासा करना चाहिए, ताकि लोगों का विश्वास कायम रह सके। भाजपा नेता भरतसिंह भोजानी ने कहा कि इस प्रकार की घटना भीनमाल के इतिहास में अत्यंत गंभीर घटनाओं में से एक है। उन्होंने कहा कि शहर में अपराधियों का मनोबल बढ़ना चिंता का विषय है और केवल औपचारिक कार्रवाई से काम नहीं चलेगा। मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी ही न्याय की दिशा में पहला कदम होगा। भाजपा युवा नेता नेता रमेश राजपुरोहित ने कहा कि बंद और धरने में लोगों की भारी भागीदारी यह दर्शाती है कि भीनमाल की जनता अपराध के खिलाफ एकजुट है। सयुक्त व्यापार महासंघ के अध्यक्ष नरेश अग्रवाल ने बंद को सफल बनाने वाले व्यापारियों और नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि खुलेआम किसी व्यक्ति की हत्या का प्रयास होना पूरे समाज के लिए गंभीर चेतावनी है।भाजपा के पूर्व प्रदेशमंत्री सांवलाराम देवासी ने कहा कि भीनमाल सम्मान और भाईचारे की धरती है, लेकिन अपराधियों के लिए यहां कोई स्थान नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि अपराध पर नियंत्रण पाना है तो सख्त प्रशासनिक इच्छाशक्ति और प्रभावी कानून व्यवस्था की आवश्यकता है। पूर्व विधायक पूराराम चौधरी ने कहा कि प्रशासन ने मामले की गंभीरता को देखते हुए एसआईटी का गठन किया है और अपराधियों की तलाश जारी है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि दोषियों को जल्द गिरफ्तार कर कानून के तहत कठोर सजा दिलाई जाएगी। साथ ही उन्होंने कहा कि जनता को धैर्य बनाए रखना जरूरी है,लेकिन यदि जरूरत पड़ी तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जा सकता है। इसके बाद जुलूस के रूप में पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए एडीएम कार्यालय पहुंचे। यहां मुख्यमंत्री के नाम एडीएम व एसडीएम को पांच सूत्री मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में शहर में बढ़ते
अपराध,चोरी-लूट की घटनाओं, अवैध नशे के कारोबार और खराब पड़े सीसीटीवी कैमरों पर चिंता व्यक्त की गई। ज्ञापन में मांग की गई कि कृष्ण देवासी हमले के सभी आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार कर कठोरतम सजा दिलाई जाए, शहर में बढ़ती चोरी और लूट की वारदातों पर प्रभावी नियंत्रण किया जाए। नशीले पदार्थों की बिक्री और तस्करी के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर दोषियों पर एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की जाए। साथ ही शहर में बंद पड़े सीसीटीवी कैमरों को तुरंत दुरुस्त कर निगरानी व्यवस्था मजबूत की जाए। ज्ञापन में चेतावनी दी गई कि यदि प्रशासन ने शीघ्र और प्रभावी कार्रवाई नहीं की तो आमजन और व्यापारी वर्ग उग्र आंदोलन, चक्का जाम और अनिश्चितकालीन भीनमाल बंद करने को मजबूर होगा,जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी। सर्व समाज की एकजुटता बनी चर्चा का विषय*धरना एवं बंद के दौरान पूर्व विधायक पूराराम चौधरी, पूर्व चेयरमैन सांवलाराम देवासी, संयुक्त व्यापार संघ अध्यक्ष नरेश अग्रवाल, भाजपा नेता शेखर व्यास, समाज सेवी प्रेमाराम बंजारा, जयरूपाराम माली, नरेश सुखाड़िया, भोपाल सिंह दुधवा, संदीप देसाई, भाजपा जिलामंत्री भरतसिंह भोजानी, महेंद्र सोलंकी, भाजपा नेता सुरेश बंजारा, पारसमल मोदी,ष ओमप्रकाश माहेश्वरी, श्रवणसिंह राव, डॉ.रमेश देवासी, रमेश राजपुरोहित, सीपी सोनी, पूनमाराम मोदी, देवाराम चौहान,भाजपा नगर अध्यक्ष प्रवीण दवे, महादेवाराम घांची, गोपाल वैष्णव,अशोक धारीवाल,नारायणलाल जागिड़, दिनेश भाटी, भगवानदास राठी, नानजीराम देवासी, दिनेश सोनी चाटवाड़ा, बिंजलाराम देवासी, प्रवीण दवे, जोगाराम देवासी, कपूराराम जीनगर, सहित बड़ी संख्या में सर्व समाज के लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि न्याय मिलने तक संघर्ष जारी रहेगा और अपराधियों की गिरफ्तारी तक आंदोलन किसी भी कीमत पर नहीं रुकेगा। घटना को लेकर पुलिस गंभीर है, शीघ्र आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए प्रयास जारी है। डिप्टी एसपी शंकरलाल मंसूरिया ने धरना स्थल पहुंचकर व्यापारियों से वार्ता की। इस दौरान मंसूरिया ने बताया कि गत 22 मई की घटना के बाद पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। उन्होंने बताया कि जांच की प्रगति से समाज के प्रतिनिधियों को समय-समय पर अवगत कराया जा रहा है। अब तक तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि कुछ लोगों को साक्ष्य नहीं मिलने पर छोड़ना पड़ा। मुख्य आरोपी की तलाश के लिए विशेष टीम लगातार प्रयास कर रही है। तकनीकी और अन्य माध्यमों से उसकी लोकेशन ट्रेस की जा रही है। उन्होंने कहा कि जांच में किसी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जाएगी। जनता से भी आरोपियों के संबंध में सूचना देने की अपील की गई है। पुलिस जल्द ही मामले को तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि जांच की प्रगति से समाज के प्रतिनिधियों को समय-समय पर अवगत कराया जा रहा है। अब तक तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि कुछ लोगों को साक्ष्य नहीं मिलने पर छोड़ना पड़ा। मुख्य आरोपी की तलाश के लिए विशेष टीम लगातार प्रयास कर रही है। तकनीकी और अन्य माध्यमों से उसकी लोकेशन ट्रेस की जा रही है।

राजस्थान को महिला व बाल विकास का मॉडल स्टेट बनाने के निर्देश

दिया कुमारी ने की विभागीय योजनाओं की समीक्षा

सीएसआर सहयोग से प्रीफेब्रिकेटेड मॉडल आंगनबाड़ी विकसित करने पर जोर, लाडो-उड़ान योजना और महिला सुरक्षा केंद्रों की प्रगति की समीक्षा

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। उप मुख्यमंत्री व महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में गुरुवार को सचिवालय में महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं, परियोजनाओं और उपलब्धियों की विस्तार से समीक्षा करते हुए प्रदेश को महिला एवं बाल विकास के क्षेत्र में देश का मॉडल राज्य बनाने के लिए संकल्पित होकर कार्य करने के निर्देश दिए गए। बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग की शासन सचिव पूनम, आईसीडीएस निदेशक वासुदेव मालावत, महिला अधिकारिता आयुक्त राकेश राजोरिया सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। समीक्षा बैठक के दौरान शासन सचिव पूनम ने विभाग की उपलब्धियों की जानकारी देते हुए बताया कि राजस्थान महिला एवं बाल विकास के विभिन्न मानकों पर राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने बताया कि पोषण ट्रैकर ऐप के एफआरएस, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमएमवीवाई) तथा बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान की रैंकिंग में राजस्थान देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। बैठक में कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) के माध्यम से प्रीफेब्रिकेटेड मॉडल आंगनबाड़ियों के विकास को लेकर विशेष प्रस्तुतीकरण दिया गया। प्रस्तुतीकरण में विभिन्न डिजाइनों पर चर्चा करते हुए बताया गया कि सीएसआर फंड के सहयोग से आंगनबाड़ी केंद्रों को आधुनिक सुविधाओं से युक्त 'आदर्श केंद्र' के रूप में विकसित किया जा सकता है। इसके अंतर्गत स्मार्ट क्लास, किचन गार्डन, बाल-मैत्री फर्नीचर, टॉय बैंक सहित कई नवाचार शामिल किए जाएंगे। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने निर्देश दिए कि प्रदेश में किराये के भवनों में संचालित तथा जर्जर स्थिति वाले आंगनबाड़ी केंद्रों को चरणबद्ध तरीके से प्रीफेब्रिकेटेड मॉडल आंगनबाड़ियों में परिवर्तित करने के लिए पायलट परियोजना तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि इस दिशा में सीएसआर का सहयोग महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। इसके लिए कॉर्पोरेट संस्थानों एवं उद्योग समूहों को जोड़ने हेतु विशेष सीएसआर कार्यशालाओं का आयोजन भी किया जा सकता है। बैठक में राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी लाडो प्रोत्साहन योजना और उड़ान योजना की भी समीक्षा की गई। उप मुख्यमंत्री ने इन योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, लाभार्थियों तक पहुंच बढ़ाने तथा निर्धारित लक्ष्यों की समयबद्ध प्राप्ति के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

भाजपा बाड़ी मंडल की मासिक बैठक: जनकल्याणकारी योजनाएं घर-घर पहुंचाने का आह्वान

जयपुर टाइम्स

धौलपुर/बाड़ी। भारतीय जनता पार्टी बाड़ी मंडल की मासिक बैठक गुरुवार को भाजपा कार्यालय बाड़ी में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता नगर अध्यक्ष वंदना शिवहरे ने की। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सरवन कुमार वर्मा मुख्य अतिथि तथा मंडल प्रभारी ब्रजराज सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। बैठक का शुभारंभ मां भारती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके बाद राष्ट्रीय गीत के साथ बैठक की औपचारिक शुरुआत हुई। मुख्य वक्ता सरवन कुमार वर्मा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता का दायित्व है कि वह केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाए तथा संगठन को मजबूत बनाने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन में एकजुटता बनाए रखने का आह्वान करते हुए आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने का आग्रह किया। उन्होंने 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने का आह्वान किया। साथ ही वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान के अंतर्गत सफाई व जल संरक्षण गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में आगामी 'मन की बात' कार्यक्रम को लेकर भी चर्चा की गई। कार्यकर्ताओं को सरल ऐप पर कार्यक्रमों की जानकारी अपलोड करने की प्रक्रिया से अवगत कराया गया। मंडल प्रभारी ब्रजराज सिंह ने टिफिन बैठक की अवधारणा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इसका उद्देश्य संगठन में भाईचारा, समन्वय और आत्मीयता को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं को अपने-अपने घरों से भोजन लाकर एक साथ बैठकर भोजन करना चाहिए, जिससे आपसी संवाद और संगठनात्मक संबंध मजबूत होते हैं। नगर अध्यक्ष वंदना शिवहरे ने सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ है। पार्टी द्वारा सौंपे गए प्रत्येक दायित्व को पूरी लगन और जिम्मेदारी के साथ निभाना चाहिए। बैठक का संचालन सतीश प्रजापति ने किया। इस अवसर पर पूर्व मंडल अध्यक्ष दिनेश मामा, महामंत्री रामकुमार कुशवाहा, धनंजय शर्मा, नरेश यादव, ताराचंद शर्मा, सुनील बंसल, महेश कुशवाहा, मनोज कोहली, सतीश मंगल, नाजिया खान, दीनदयाल कोली, बी.एल. प्रजापति, नितिन शर्मा, जतिन पचौरी, कृष्ण गर्ग, शुभम गर्ग, देव पाराशर, आदित्य मित्तल, पीयूष शर्मा सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डॉ एन एस नाथावत राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निस)। श्री भगवानदास तोदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय लक्ष्मणगढ के प्राचार्य डॉ एन एस नाथावत को शिक्षा में उत्कृष्ट कार्य के लिए राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत किया गया है। उन्हें जयपुर में आयोजित समारोह में हिन्दुस्तान बुक ऑफ रिकॉर्ड संस्था की तरफ से हीरोज ऑफ इंडिया 2026 पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। नाथावात द्वारा शैक्षणिक क्षेत्र में किये गये नवाचार और उन्नयन के विभिन्न आयाम स्थापित करने के लिए पुरस्कृत किया गया है। डॉ नाथावत वर्तमान में पण्डित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय सीकर में राज्य सरकार द्वारा मनोनीत विद्या परिषद के सदस्य भी हैं। डॉ एन एस नाथावत को इसके पूर्व भी तहसील प्रशासन, जिला प्रशासन तथा विभिन्न सामाजिक व शैक्षणिक संगठनों की ओर से सम्मानित किया गया है। सम्मान समारोह में देशभर से विभिन्न क्षेत्रों में जानी मानी शक्सियत ने शिरकत की।

मानसून सिर पर, सिरोही नगर परिषद बेखबर!

नाले कचरे से पटे, जल निकासी व्यवस्था ध्वस्त; बारिश में डूब सकता है सिरोही शहर

जयपुर टाइम्स

सिरोही(निस)। मौसम विभाग मानसून की दस्तक की चेतावनी दे चुका है, लेकिन सिरोही नगर परिषद की तैयारियां अभी भी कागजों से बाहर निकलती नजर नहीं आ रही हैं। शहर के कई प्रमुख नाले गाद, प्लास्टिक, पॉलीथिन और कचरे से अटे पड़े हैं। हालात ऐसे हैं कि यदि आगामी दिनों में तेज बारिश होती है तो शहर के कई हिस्सों में जलभराव की गंभीर स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

शहर में जगह-जगह नालों की बदहाल स्थिति नगर परिषद के स्वच्छता दावों की पोल खोल रही है। जिन नालों से बरसाती पानी की निकासी होनी चाहिए, वे आज कचरे के ढेर में तब्दील दिखाई दे रहे हैं। रोडवेज बस स्टैंड के साथ कई स्थानों पर नालों की सफाई महीनों से नहीं होने के कारण उनमें गाद की मोटी परत जम चुकी है, जिससे पानी की निकासी लगभग बाधित हो गई है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि हर वर्ष मानसून से पहले नालों की सफाई के दावे किए जाते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर स्थिति जस की तस रहती है। बरसात शुरू होते ही सड़कें जलमग्न हो जाती हैं, मोहल्लों में पानी भर जाता है और आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसके बावजूद समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में गंभीर प्रयास दिखाई नहीं देते।

करोड़ों के दावे, धरातल पर सवाल:
नगर परिषद की ओर से हर वर्ष सफाई व्यवस्था और स्वच्छता अभियानों पर बड़ी राशि खर्च किए जाने के दावे किए जाते हैं। स्वच्छ भारत मिशन, स्वच्छ सर्वेक्षण और अन्य योजनाओं के तहत शहर को स्वच्छ और व्यवस्थित बनाने की बातें कही जाती हैं, लेकिन नालों की मौजूदा स्थिति इन दावों पर सवाल खड़े कर रही है।

शहरवासियों का सवाल है कि यदि सफाई व्यवस्था पर नियमित रूप से खर्च किया जा रहा है तो फिर नालों में इतनी गंदगी कैसे जमा हो गई? मानसून से ठीक पहले भी यदि नालों की सफाई नहीं हो सकी, तो जिम्मेदारी किसकी तय होगी?

जलभराव का खतरा बढ़ा:
विशेषज्ञों का मानना है कि बरसात के दौरान नालों का अवरुद्ध होना शहरी जलभराव का प्रमुख कारण बनता है। यदि समय रहते सफाई नहीं हुई तो पहली ही अच्छी बारिश में कई सड़कें और निचले क्षेत्र जलमग्न हो सकते हैं। इससे यातायात प्रभावित होने के साथ-साथ लोगों के घरों और दुकानों में पानी घुसने की आशंका भी बढ़ जाएगी। इसके अलावा गंदे पानी के जमा होने से मच्छरों का प्रकोप बढ़ सकता है, जिससे मौसमी बीमारियों का खतरा भी बढ़ेगा।

जनता पूछ रही जवाब:
शहर में चर्चा का विषय बना हुआ है कि आखिर मानसून पूर्व सफाई अभियान की वास्तविक स्थिति क्या है? नागरिकों के बीच कई सवाल उठ रहे हैं–

नालों की व्यापक सफाई अब तक क्यों नहीं हुई?

मानसून पूर्व तैयारियों की समीक्षा किस स्तर पर हुई?
स्वच्छता और सफाई मद में खर्च राशि का वास्तविक उपयोग कहां हुआ?
यदि जलभराव की स्थिति बनी तो जिम्मेदारी किसकी होगी?
क्या नगर परिषद केवल कागजी तैयारियों तक सीमित है?

अब कार्रवाई की जरूरत:

मानसून में अब अधिक समय नहीं बचा है। ऐसे में शहरवासियों का मानना है कि परिषद को तत्काल युद्धस्तर पर नालों की सफाई, गाद निकासी और जल निकासी तंत्र को दुरुस्त करने का अभियान शुरू करना चाहिए। केवल बैठकों और दावों से समस्या का समाधान नहीं होगा। यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो पहली ही तेज बारिश शहर की तैयारियों की वास्तविक तस्वीर सामने ला देगी। तब सवाल केवल जलभराव का नहीं होगा, बल्कि उन व्यवस्थाओं का भी होगा जिन पर जनता का पैसा खर्च किया जाता है।

जयपुर टाइम्स की पड़ताल:

सिरोही शहर में मानसून पूर्व तैयारियों को लेकर गंभीरता की आवश्यकता है। नालों की सफाई, जल निकासी व्यवस्था की समीक्षा और संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान समय की मांग है। शहरवासियों को आशंका है कि यदि वर्तमान स्थिति बनी रही तो बरसात के दौरान एक बार फिर उन्हें जलभराव, गंदगी और अव्यवस्था का सामना करना पड़ सकता है। अब निगाहें नगर परिषद पर टिकी हैं कि वह चेतावनियों को गंभीरता से लेकर ठोस कार्रवाई करती है या फिर पहली बारिश के बाद जवाब तलाशती नजर आएगी।

रिलायंस कम्पनी ने क्रॉप कटिंग में गड़बड़ी कर सैकड़ों किसानों के अरमानों पर फेरा पानी

जयपुर टाइम्स

जालोर(निस)। आहोर उपखंड क्षेत्र के शंखवाली के किसानों ने गुरुवार को ज्ञापन सौंपा। जिसमें बताया कि ग्राम शंखवाली के खेतों में वर्ष 2025 के खरीफ सीजन में फसल पूर्ण रूप से खराब हो गई थी, जिसके फलस्वरूप किसानों को बहुत बड़ा नुकसान हुआ है। फसल का बीमा कंपनी व कृषि विभाग की ओर से फसल क्रॉप कटिंग करवाई गई व जांच करवाई गई, जिसमें भी फसल खराब बताई गई। फसल का भार बहुत ही कम आया था। इसके अलावा पटवारी रिपोर्ट में फसल खराबा 90' से 95' तक बताया गया। कृषि पर्यवेक्षक व बीमा कंपनी की जांच रिपोर्ट में फसल में खराब 80 से 85' खराब है। खराबा जल भराव के कारण हुआ है। किसानों ने बताया कि लोन लेकर उधारी में पैसे लेकर फसल उगाते हैं। रिलायंस बीमा कंपनी अभी तक क्लेम की राशि नहीं दे रही है। बीमा राशि देने से मना कर रही है, जिस कारण किसानों को नुकसान हो रहा है। किसानों का आरोप है कि कम्पनी की ओर से क्रॉप कटिंग में गड़बड़ी की गई है। इस दौरान रविन्द्रसिंह बालावत, नैनसिंह राजपुरोहित, रणजीतसिंह, शंकरदान समेत किसान मौजूद रहे।

अमित कुमार वर्मा ने किया बाड़ी उपखंड अधिकारी पद का कार्यभार ग्रहण

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। राज्य सरकार के आदेशानुसार प्रशासनिक सेवा के अधिकारी अमित कुमार वर्मा ने गुरुवार को बाड़ी उपखंड अधिकारी (एसडीएम) पद का कार्यभार ग्रहण किया। कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत उन्होंने अधिकारियों व कर्मचारियों से परिचय प्राप्त कर उपखंड क्षेत्र की प्रशासनिक व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इस अवसर पर अमित कुमार वर्मा ने कहा कि राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं पारदर्शी समाधान करना है। बाड़ी क्षेत्र के विकास, सुशासन, कानून व्यवस्था तथा जनहित से जुड़े कार्यों को पूरी संवेदनशीलता व जिम्मेदारी के साथ संपादित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए प्रशासन के द्वार सदैव खुले रहेंगे तथा सभी विभागों के समन्वय से विकास कार्यों को गति प्रदान की जाएगी। उन्होंने नागरिकों से प्रशासन के साथ सहयोग बनाए रखने तथा क्षेत्र के विकास में सहभागी बनने का आह्वान किया। वर्मा ने कहा कि बाड़ी की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक विरासत को आगे बढ़ाते हुए क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अधिकारियों, कर्मचारियों व आमजन के सहयोग से बाड़ी उपखंड को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकेगा।

सीवरेज लाइन के ऊपर पेयजल पाइपलाइन बिछाने का आरोप

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। शहर के तलैया मोहल्ले में जलदाय विभाग की ओर से बिछाई जा रही पेयजल पाइपलाइन को लेकर स्थानीय लोगों ने आपत्ति जताई है। मोहल्लेवासियों का आरोप है कि ठेकेदार तकनीकी मानकों की अनदेखी करते हुए सीवरेज लाइन के ऊपर ही पेयजल पाइपलाइन डाल रहा है, जिससे भविष्य में पेयजल दूषित होने का खतरा बढ़ सकता है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि शहर पहले से ही गंदे पानी की सप्लाई की शिकायतों से जूझ रहा है। ऐसे में पाइपलाइन बिछाने में लापरवाही लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन सकती है। उन्होंने कार्य की निष्पक्ष जांच कर तकनीकी मानकों के अनुरूप पाइपलाइन बिछाने की मांग की है। मोहल्लेवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे। मामले में जलदाय विभाग की ओर से फिलहाल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी गई है।

स्वनिधि योजना से छोटे कारोबारियों को सहारा, आज लगेगा विशेष ऋण मेला

जयपुर टाइम्स

सुमेरपुर(निस)। नगर पालिका सुमेरपुर में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत आज शुक्रवार को विशेष ऋण मेले का आयोजन होगा। जून माह में चल रहे स्वनिधि महोत्सव के तहत छोटे व्यापारियों, रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं, भवन निर्माण श्रमिकों और असंगठित क्षेत्र के कामगारों को बिना गारंटी ऋण सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। अधिशासी अधिकारी नरेपत सिंह राजपुरोहित ने बताया कि अब तक 86 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 22 को बैंकों ने स्वीकृति दी है तथा 15 लाभार्थियों को ऋण वितरण भी किया जा चुका है। योजना के तहत पात्र हितग्राहियों को 15 हजार, 25 हजार और 50 हजार रुपए तक का ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। शिविर में ऋण के साथ डिजिटल भुगतान, यूपीआई-क्त्त कोड, बैंकिंग सेवाओं एवं अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से भी जोड़ा जा रहा है। आवेदन के लिए आधार कार्ड, जनआधार, बैंक पासबुक, राशन कार्ड, पैन कार्ड एवं दो फोटो आवश्यक हैं। पालिका प्रशासन ने पात्र लोगों से अधिक से अधिक संख्या में ऋण मेले का लाभ उठाने की अपील की है।

आदर्श सरोवर के घाटों पर चला स्वच्छता अभियान, जल संरक्षण का दिया संदेश

वंदे गंगा अभियान के तहत श्रमदान कर की साफ-सफाई, ग्रामीणों ने जल स्रोतों के संरक्षण का लिया संकल्प

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। राज्य सरकार के वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत गुरुवार को सरमथुरा ब्लॉक की ग्राम पंचायत बरौली स्थित आदर्श सरोवर पर विशेष स्वच्छता व जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जलग्रहण विभाग के अधीक्षण अभियंता लाखन सिंह के नेतृत्व में सरोवर के घाटों एवं आसपास के क्षेत्र की साफ-सफाई कर जल संरक्षण का संदेश दिया गया। अभियान के दौरान सरोवर के घाटों पर फैली गंदगी, प्लास्टिक व अन्य अपशिष्ट पदार्थों को हटाकर स्वच्छता कार्य किया गया। अधिकारियों, कर्मचारियों व ग्रामीणों ने श्रमदान कर जल स्रोत को स्वच्छ और सुरक्षित बनाए रखने का संकल्प लिया। इस अवसर पर जल स्रोतों को प्रदूषण मुक्त रखने तथा उनके दीर्घकालीन संरक्षण के उपायों पर भी चर्चा की गई।

अधीक्षण अभियंता लाखन सिंह ने कहा कि जल जीवन का आधार है और वर्तमान समय में जल संरक्षण की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि जल स्रोतों का संरक्षण केवल सरकार का नहीं बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है। तालाब, सरोवर, बांध और अन्य पारंपरिक जल स्रोत हमारी अमूल्य धरोहर हैं, जिनके संरक्षण से भूजल स्तर में सुधार होने के साथ पर्यावरण संतुलन भी बना रहता है।

उन्होंने ग्रामीणों से जल स्रोतों में कचरा, प्लास्टिक अथवा अन्य अपशिष्ट सामग्री नहीं डालने और उनकी नियमित स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि समाज और प्रशासन के संयुक्त प्रयासों से जल संरक्षण को जन आंदोलन का स्वरूप दिया जा सकता है।

कार्यक्रम के दौरान वर्षा जल संचयन, जल के विवेकपूर्ण उपयोग तथा पारंपरिक जल स्रोतों के महत्व के बारे में भी जानकारी दी गई। ग्रामीणों को बताया गया कि वर्षा जल का अधिकतम संग्रहण और जल संरचनाओं का संरक्षण भविष्य में जल संकट से बचाव का प्रभावी उपाय है। साथ ही जल बचत को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया गया। वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत जिलेभर में जल स्रोतों की सफाई, पौधारोपण, श्रमदान व जनजागरूकता गतिविधियों का आयोजन लगातार किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य जल संरक्षण के प्रति जनसहभागिता बढ़ाकर भावी पीढ़ियों के लिए जल संसाधनों को सुरक्षित रखना है।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने जल संरक्षण और स्वच्छ जल स्रोतों के संरक्षण का संकल्प लिया तथा भविष्य में भी ऐसे अभियानों में सक्रिय भागीदारी निभाने का भरोसा दिलाया।

'आई स्टैंड विद अलका लांबा' अभियान के तहत महिला कांग्रेस ने जताई एकजुटता

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। महिला आरक्षण बिल को लेकर वर्ष 2024 में नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर आयोजित लोकतांत्रिक विरोध प्रदर्शन से जुड़े मामले में अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष के समर्थन में महिला कांग्रेस की पदाधिकारियों ने 'आई स्टैंड विद अलका लांबा' अभियान के तहत एकजुटता व्यक्त की। महिला कांग्रेस नेताओं का कहना है कि महिला आरक्षण बिल को लेकर आयोजित आंदोलन में देशभर से हजारों महिलाओं ने भाग लिया था। ऐसे में केवल अलका लांबा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई किया जाना महिलाओं की आवाज को दबाने का प्रयास प्रतीत होता है। राजस्थान प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष के नेतृत्व में प्रदेश पदाधिकारियों व जिला अध्यक्षों ने भी अभियान में भाग लिया और समर्थन दर्ज कराया। इस दौरान महिला नेताओं ने कहा कि लोकतांत्रिक आंदोलनों में शामिल हजारों महिलाओं के बीच केवल एक नेता को निशाना बनाना उचित नहीं है। प्रदेश उपाध्यक्ष एवं महिला कांग्रेस प्रभारी लीना शर्मा ने भी अभियान में सहभागिता करते हुए कहा कि महिला अधिकारों, लोकतांत्रिक मूल्यों और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए महिला कांग्रेस एकजुट है तथा अलका लांबा के समर्थन में मजबूती से खड़ी रहेगी। कार्यक्रम में महिला कांग्रेस की विभिन्न इकाइयों की पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहीं।

15 दिन से लापता मानसिक रूप से अस्वस्थ युवक का नहीं लगा सुराग, परिजनों की बढ़ी चिंता

सांगानेर(निस)। मुहाना थाना क्षेत्र के मदरामपुरा से 19 मई को लापता हुए 24 वर्षीय युवक सुनील कुमार का 15 दिन बाद भी कोई सुराग नहीं लग पाया है। युवक के मानसिक रूप से अस्वस्थ होने के कारण परिजनों की चिंता लगातार बढ़ती जा रही है। वहीं पुलिस भी उसकी तलाश में जुटी हुई है। जानकारी के अनुसार मूल रूप से बिहार के पश्चिमी चम्पारण जिले के आनंद नगर निवासी लालजी साहनी वर्तमान में मदरामपुरा स्थित हनुमान मंदिर के पास रहते हैं। उन्होंने बताया कि उनका पुत्र सुनील कुमार 19 मई को बिना किसी को बताए घर से निकल गया था और वापस नहीं लौटा। परिजनों ने रिश्तेदारों, परिचितों तथा आसपास के क्षेत्रों में काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका।

राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड, विद्युत खण्ड-जयपुर

क्रमांक :- राजकाज रेफरेन्स 22583182 दिनांक :- 02/06/2026

निविदा सूचना संख्या - 06/2026-27

राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड, जयपुर के अन्तर्गत विद्युतीकरण कार्य कृ.उ.म.स. सुजानगढ़ एवं डिपोजित बी.पी. लैब जामडोली में वातानुकूलन प्लांट कार्य हेतु क्रमशः 79.03 लाख एवं 5.90 लाख की ऑनलाईन तथा डिपोजिट PHM Cell पंत कृषि भवन मे विद्युत सामग्री की आपूर्ति एवं बहुउद्देशिय पशु चिकित्सालय अलवर में X-Ray मशीन के विद्युतीकरण कार्य हेतु क्रमशः राशि 2.60 लाख एवं 1.48 लाख रूपये की ऑफलाईन निविदा ई–प्रोक्यूरमेन्ट www.eproc.rajasthan.gov.in के माध्यम से उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से दिनांक 24.06.2026 तक आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाइट www.agriculture.rajasthan.gov.in/rsamb एवं www.sppp.rajsthan.gov.in (AGM2627WSOB00510, 511, 512 & 514) पर भी देखा जा सकता है।

राज.संवाद/सी/26/4135 अधिशाषी अभियन्ता (विद्युत)

कार्यालय ग्राम पंचायत बसई पंचायत समिति कोटपूतली

क्रमांकः- ग्रा.प. ब. / ई-टेण्डर / 2026-27/21 दिनांक- 22/05/2026

ई-निविदा सूचना 02/2026-27

पंचायत समिति कोटपूतली की ग्राम पंचायत बसई में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिये नरेगा/विकसित भारत जी राम जी एवं ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज की विभिन्न योजनाओं में निर्माण सामग्री आपूर्ति हेतु ग्राम पंचायत स्तर पर इच्छुक वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम 2017 के अन्तर्गत पंजीकृत फर्मों/संवेदकों से दिनांक 31.03.2027 तक के लिए निर्माण सामग्री आपूर्ति, दर अनुबन्ध हेतु निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया से वेबसाईटइस www.eproc.rajasthan.gov.in पर ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

विस्तृत जानकारी www.sppp.rajasthan.gov.in व www. eproc.rajasthan.gov.in पर देखी व डाउनलोड कर प्राप्त की जा सकती है।

NIB No. PFE2627A0023
UBN No.- PFE2627GLRC00036

प्रशासक
ग्राम पंचायत बसई
पं.स. कोटपूतली

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत बसई
पं.स. कोटपूतली

Rajasthan State Road Development And Construction Corporation Ltd.,JAIPUR.

No. NIT / 2026-27/ 2878-92 निविदा सूचना / 2026-27 Date:04.06.2026

निम्नलिखित कार्य के लिए केन्द्र / राज्य सरकार के अभियात्रिकी विभागों एवं उनके अधिकृत संगठनों में पंजीकृत एवं अनुभवी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाइन निविदायें आमंत्रित की जाती है

कार्य का विवरण	कार्य की कुल अनुमानित लागत (रु0)	निविदा सूचना संख्या
Misc. Electrical work & 3 Phase Point work at ITI Ahore, District- Jalore. UBN-RRC2627WSOB00225	20.43 Lakh	ई-139/ 26-27
prooting and Replacing of 139 Nos. Trees on Jaipur - Bhilwara Road. UBN-RRC2627WSOB00231	15.51 Lakh	अल्पकालीन ई-141/ 26-27
Construction of CC Road and Road Side Drains on Keer Ki Chowki-Salumber Road. UBN- RRC2627WSOB00229	115.51 Lakh	अल्पकालीन ई-142/ 26-27

निविदा से सम्बन्धित प्रपत्र में निविदा शुल्क, धरोहर राशि, डाउनलोड करने व खोलने की तारीख सहित सम्पूर्ण विवरण एवं संशोधन वेबसाईटः http//eproc.rajasthan.gov.in, http//sppp.rajasthan.nic.in तथा http//pwd.rajasthan.gov.in/rsrdc पर देखा जा सकता है । इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट http//eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है ।

महाप्रबंधक

Office of the Superintendent Mahila Chikitsalaya, Sanganeri Gate, Jaipur

Sr. No. MCSG/STORE/2026-27/303-304 Dated 28/05/26

Notice Inviting Bid (NIB)

Tenders are invited rate contract for supply of General. Consumable and Electrical Items & CO2 Incubatorfor Human embryo for hospital use. Tender Document will be available on the website. The tender notice and other details can be downloaded from the website http://eproc.rajasthan.gov.in& www.SPPP.rajasthan.gov.in no separate hard-copy will be given from this office any technical difficulty please contact the Office.

Bidding Schedule

Sr. No	Description	General, Consumable. Electrical Items	CO2 Incubator for Human embryo
1	Estimated Cost	Rs. 25 Lacs (Rs Twenty five Lac)	Rs. 13 Lacs (Rs Therteen Lac)
2	Tender Fees	Rs. 500.00 (Rs. Five Hundred)	Rs. 500.00 (Rs Five Hundred)
3	RISL Processing Fees	Rs 50000/- (RsFifty Thousand)	Rs. 500.00 (Rs Five Hundred)
4	Earnest Money	Rs 50000/- (RsFifty Thousand)	Rs 26000/- (Rs Twenty Six Thousand)
6	Publishing in e-Tender Dated & Time	02/06/2026 at 12.15 PM	02/06/2026 at 12.15 PM
7	Document download start date & Time	02/06/2026 at 12.15 PM	02/06/2026 at 12.15 PM
8	Document Download end time & date	11/06/2026 till 5.00 PM	11/06/2026 till 5.00 PM
9	Bid submission start date & Time	02/06/2026 at 12.15 PM	02/06/2026 at 12.15 PM
10	Bid submission end date & time	11/06/2026 till 5.00 PM	11/06/2026 till 5.00 PM
11	Tender Fee. Tender Processing Fee & EMD Submission fee Date & Time	11/06/2026 till 5.00 PM	11/06/2026 till 5.00 PM
12	Tender opening date & venue	12/06/2026 at 1.00 PM at Superintendent/ Member Secretary.Chamber, MCSG, Jaipur	12/06/2026 at 1.00 PM at Superintendent/ Member Secretary.Chamber, MCSG, Jaipur
13	NIB: UBN:	SMS 2627A0086 SMS 2627GLRC00096	SMS 2627A0085 SMS 2627GLRC00095

Note-
1. Earnest Money and tender fees in the form of Bankers Cheque/ Demand Draft in favour of Superintendent/Member Secretary, MahilaChikitsalaya, Sanganeri Gate, Jaipur. Payable at Jaipur and RISL processing fees by way of bankers Cheque/ Demand Draft in favour of MD, RISL, Jaipur to be submitted physically at the office of superintendent, MahilaChikitsalaya, Sanganeri Gate, Jaipur.
2. Bidders who wish to participate in this tender will have to register on http://eproc.rajasthan.gov.in
3. To participate in online tender, bidders will have to procure digital signature certificate (DSC) as per information technology Act.2000.

DIPR/C/9695/2026

(Dr. AshaVerma)
Superintendent/ Member Secretary,

राजस्थान सरकार,

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, चिकित्सा एवंस्वास्थ्य विभाग, खण्ड- II जयपुर

सी-ब्लाक, बैसमेन्ट, स्वास्थ्य भवन, तिलकमार्गजयपुर

क्रमांक / ई0 ई0, जयपुर - II / 2026-27 / 406 दिनांकः 29/5/26

निविदा सूचना - 04 (2026-27)

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत इंजिनियरिंग विंग खण्ड द्वितीय जयपुर मे कार्य व्यवस्था के लिए अनुभवी / दक्ष / रजिस्टर्ड फर्मों से कार्य निम्नलिखित कर्मचारी संविदा पर उपलब्ध करवाने हेतु निर्धारित प्रपत्र पर सील बन्द लिफाफों में निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 08.06.2026 को प्रातः 11.00 बजे तक इस कार्यालय से निविदा प्रपत्र जमा राशि की रसीद दिखाकर प्राप्त की जा सकती है। भरी हुई निविदाऐं दिनांक 08.06.2026 को 3.00 बजे तक इस कार्यालय में प्राप्त की जाकर, उसी दिन अपरान्ह 3.30 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जायेगी। सक्षम अधिकारी को किसी भी निविदा को रदद् करने का अधिकार होगा। निविदाऐं प्राप्त करने एवं खोलने की दिनांक को अवकाश होने पर अगले कार्यदिवस को निविदाऐं बेची व खोली जायेंगी। निविदा से सम्बन्धित विवरण डीआईपीआर की वैब साईट www.dipronline.Org, sppp.rajasthan.gov.in व विभागीय वेब साईट httpÑ//rajswasthya.nic.in पर देखी जा सकती है।

बोली के साथ बोली प्रपत्र शुल्क राशि रू. 200/- एवं 2 प्रतिशत धरोहर राशि अधिशाषी अभियंता चिकित्सा एवं स्वास्थ्य खण्ड द्वितीय जयपुर के खाता संख्या 10280100015084 बैंक बडौदा शाखा उद्योग भवन जयपुर 302004 Demand Draft/RTGS/NEFT/Anyother Money Transfer System (IFSC Code BARBOJAICOM RI देय होगी। जिसकी जमा कराने की रसीद भरी हुयी निविदा के साथ संलग्न करना अनिवार्य है।

क.स.	कार्यकानाम	अनुमानित लागत रू. लाखो में	धरोहर राशि	निविदा शुल्क (रू. में)	कार्य को पूर्ण करनें की अवधि
1	राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मुख्यालय की इंजिनियरिंग विंग खण्ड द्वितीय जयपुर मे कम्प्यूटर ऑपरेटर-2 कर्मचारी (विद मशीन) एवं सहायक कर्मचारी - 2 कर्मचारी की सेवाये उपलब्ध करवाना	4.65	9300.00	200.00	08 माह

UBN NO. 1. MHS2627SSOB01327

DIPR/C/9746/2026

अधिशाषी अभियंता,
चिकित्सा एंव स्वास्थ्य,
खण्ड - II जयपुर ।

कार्यालय नगर पालिका मण्डल, फुलेरा जिला जयपुर

क्रंमाक :- न.पा. फु./2026-27/726 दिनांक :- 04/06/2026

-: आपत्ति सूचनाः-

एतद् द्वारा हितबद्ध, व्यक्ति विशेष, आम खास को सूचित किया जाता है कि निम्न व्यक्तियो ने 90 - ए, 69-क, लीज फ्री होल्ड, पट्टा चाहने हेतु इस कार्यालय मे आवेदन प्रस्तुत किया है :- क्र. प्रार्थी का नाम

क्र.स.	प्रार्थी का नाम	स्थान	क्षेत्रफल वर्गगज	प्रयोजनार्थ
1	श्री काना राम जाट पुत्र श्री भैरू राम	प्लाट वाके हलवाई बाजार गुरुद्वारे के पास, फुलेरा	250.12	69 - क के अन्तर्गत आवासीय पट्टा
2	श्री श्रवण सिंह पुत्र श्री सवाई सिह	प्लाट वाके हलवाई बाजार गुरुद्वारे के पास, फुलेरा	231.91	69 - क के अन्तर्गत आवासीय पट्टा
3	श्री सलीम खान पुत्र श्री मुस्ताक अहमद	प्लाट नं. ए-10, आदर्श नगर बी, फुलेरा फुलेरा	160.00	90-ए के अन्तर्गत आवासीय पट्टा
4	श्री दीपक कुमार नागरवाल पुत्र श्री शम्भू प्रसाद नागरवाल	प्लाट न. 57 वाके तिरूपति 200 योजना, नरैना रोड़, फुलेरा	160.00	90-ए के अन्तर्गत आवासीय पट्टा

किसी भी व्यक्ति को उपरोक्त अनुसार 90 - ए, 69-क, लीज फ्री होल्ड, आवासीय पट्टा बाबत आपत्ति हो तो आपत्ति आमंत्रण सूचना जारी होने की तिथी से 7 दिवस के अन्दर मयाद विधिमान्य दस्तावेजों सहित लिखित मे आपत्ति कार्य दिवस के दौरान कार्यालय समय मे अधोहस्तारकर्ता को प्रस्तुत करावे । बाद मयाद गुजरने आपत्ति मान्य नही होगी ।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका मण्डल, फुलेरा

शेखावाटी जयपुर टाइम्स

जयपुर, शुक्रवार
05 जून, 2026

देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने किए सालासर बालाजी के दर्शन

जयपुर टाइम्स

सालासर(निस)। राजस्थान सरकार के देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने शनिवार को प्रसिद्ध सालासर बालाजी धाम पहुंचकर श्री बालाजी महाराज के दर्शन किए तथा पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान उन्होंने प्रदेश की सुख-समृद्धि, खुशहाली व जनकल्याण की मंगलकामना की। मंदिर पहुंचने पर श्री हनुमान सेवा समिति व पुजारी परिवार की ओर से मंत्री कुमावत का पारंपरिक स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। समिति पदाधिकारियों और श्रद्धालुओं ने उन्हें माल्यार्पण कर सम्मानित किया। इस अवसर पर हनुमान सेवा समिति के पदाधिकारियों ने श्री बालाजी महाराज से मंत्री के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु तथा जनसेवा के कार्यों में निरंतर सफलता की प्रार्थना की। मंत्री ने भी मंदिर की धार्मिक परंपराओं और व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए श्रद्धालुओं से मुलाकात की। कार्यक्रम में हनुमान सेवा समिति अध्यक्ष प्रकाश पुजारी, पूर्व अध्यक्ष यशोदानंदन पुजारी, गौशाला अध्यक्ष रविशंकर पुजारी, भाजपा युवा मोर्चा प्रदेश महामंत्री आदित्य पुजारी, कमलकिशोर पुजारी, मनोहरलाल ढाका, राजेश सैन सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कलक्टर ने 'रन फॉर एनवायरमेंट' को हरी झण्ड़ी दिखाकर किया रवाना, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। स्थानीय नेचर पार्क में केन्द्र सरकार की ओर से आयोजित वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत गुरुवार को 'रन फॉर एनवायरमेंट' का आयोजन किया गया। इस दौरान दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने हरी झण्ड़ी दिखाकर प्रतियोगिता का शुभारम्भ किया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि जिला कलक्टर सुराणा ने कहा कि सरकार की ओर से आयोजित इस वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के बारे में लोगों को ज्यादा से ज्यादा जागरूक करें, जिससे हम पर्यावरण का संरक्षण कर जल की बचत कर सके। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए उप वन संरक्षक भवानी सिंह ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला और हरित जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। क्षेत्रीय वन अधिकारी पवन कुमार शर्मा ने बताया कि दौड़ प्रतियोगिता में मोहम्मद आसीम ने प्रथम, आरव शर्मा ने द्वितीय व दिलखुश ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को उप वन संरक्षक भवानी सिंह ने प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर भाजपा नेता विक्रम कोटवाद, दीपचन्द यादव, भाजपा जिला मंत्री दीनदयाल सैनी, तारानगर प्रधान संजय कस्वां, भाजपा नेता मनीष पुनिया, सहायक वन संरक्षक महेंद्र लेखाला सहित बड़ी संख्या में वन विभाग के अधिकारी, कर्मचारी व आमजन उपस्थित रहे।

अवैध निर्माणों पर नगरपालिका सख्त, 24 घंटे में जवाब नहीं देने पर होगी सीज व ध्वस्तीकरण की कार्रवाई

जयपुर टाइम्स

बीदासर(निस)। कस्बे में लगातार मिल रही अवैध निर्माण की शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए नगरपालिका प्रशासन ने बिना स्वीकृति संचालित हो रहे वाणिज्यिक निर्माण कार्यों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। नगरपालिका की ओर से बुधवार को विभिन्न निर्माण कार्यों के मालिकों के नाम अंतिम नोटिस जारी कर 24 घंटे के भीतर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। नगरपालिका के अधिशासी अधिकारी द्वारका प्रसाद ने बताया कि कस्बे में बिना नगरपालिका की स्वीकृति के कई वाणिज्यिक निर्माण कार्य किए जा रहे हैं। इस संबंध में कमल सोनी, पप्पूराम दर्जी, मोहनी-ओमप्रकाश प्रजापत, गोपालाराम प्रजापत, सावित्री-शिवप्रसाद शर्मा, ओमप्रकाश सोनी तथा नोखा-सीकर मार्ग पर ईदगाह के बाहर हो रहे निर्माण कार्यों को नोटिस जारी किया गया है। नोटिस में स्पष्ट किया गया है कि बिना निर्माण स्वीकृति के किए जा रहे कार्यों को तत्काल प्रभाव से बंद किया जाए तथा संबंधित व्यक्ति स्वयं उपस्थित होकर 24 घंटे के भीतर निर्माण अनुमति से संबंधित दस्तावेजों सहित अपना पक्ष प्रस्तुत करें। ऐसा नहीं करने पर नियमानुसार निर्माणाधीन कार्य को सीज करने अथवा ध्वस्त करने की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही कानूनी प्रक्रिया शुरू कर कार्रवाई में आने वाला समस्त खर्च संबंधित व्यक्ति से वसूल किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी निर्माणकर्ता की होगी। गौरतलब है कि इससे पूर्व भी नगरपालिका की ओर से अवैध निर्माण को लेकर ओमप्रकाश सोनी व मनोज सोनी सहित कई लोगों को नोटिस जारी किए जा चुके हैं। इसके बावजूद निर्माण कार्य जारी रहने की शिकायतें मिलती रही हैं। अब देखना यह होगा कि नोटिस अवधि पूरी होने के बाद नगरपालिका राजस्थान नगरपालिका अधिनियम-2009 के तहत नियम विरुद्ध पाए जाने वाले निर्माणों पर ठोस कार्रवाई करती है या फिर मामला केवल नोटिस जारी करने तक ही सीमित रहता है।

वंदे गंगा अभियान में जयपुर ने रचा इतिहास, प्रदेश में अव्वल

40 हजार कार्यक्रमों में 27 लाख लोगों की भागीदारी

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। जल संरक्षण को जनभागीदारी का महाअभियान बनाते हुए जयपुर जिले ने वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान-2026 में पूरे प्रदेश में पहला स्थान हासिल कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। जिला कलक्टर संदेश नायक के दूरदर्शी नेतृत्व, प्रभावी मॉनिटरिंग और विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयासों के चलते 12 दिवसीय अभियान ने जनआंदोलन का रूप ले लिया। जिलेभर में 40 हजार से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें 27 लाख से अधिक लोगों ने प्रत्यक्ष भागीदारी निभाकर जल संरक्षण के प्रति अभूतपूर्व जागरूकता का परिचय दिया। गुरुवार को आयोजित मीडिया संगोष्ठी में जिला कलक्टर संदेश नायक ने अभियान की उपलब्धियों की जानकारी देते हुए बताया कि गंगा दशमी के पावन अवसर पर 25 मई को शुरू हुआ यह अभियान 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस तक संचालित किया गया। अभियान के दौरान जल संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन और जनजागरूकता के क्षेत्र में जयपुर जिले ने पूरे राजस्थान में सबसे अधिक सक्रियता दर्ज कराई।

गलता तीर्थ से हुई ऐतिहासिक शुरुआत:
अभियान का जिला स्तरीय शुभारंभ पवित्र गलता तीर्थ पर भव्य गंगा आरती, कलश पूजन और महिलाओं की कलश यात्रा के साथ हुआ। इस दौरान जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और आमजन ने प्राचीन जलकुंडों के संरक्षण एवं सफाई के लिए श्रमदान कर जल संरक्षण का संदेश दिया। इसके बाद जिले के सभी ब्लॉक मुख्यालयों पर जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में व्यापक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

मानसून से पहले जल स्रोतों का कायाकल्प:
अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में तालाबों, बांधों, सरोवरों और जलाशयों की गाद निकासी कर उनकी जलधारण क्षमता बढ़ाई गई। वहीं शहरी क्षेत्रों में नालों, ड्रेनेज सिस्टम और जल संरचनाओं की सफाई कर आगामी मानसून में जलभराव की समस्या से निपटने की व्यापक तैयारी की गई।

मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान को मिली नई गति:
जिला कलक्टर संदेश नायक के निर्देशन में मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान के अंतर्गत जयपुर जिले में 26 करोड़ रुपये की लागत से 935 नए जल संरक्षण कार्यों को प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई। वहीं 4 करोड़ रुपये की लागत से 151 पुराने एवं प्रगतिरत कार्यों को पूर्ण कर लिया गया है। इससे जिले में जल संरक्षण की स्थायी संरचनाओं का मजबूत नेटवर्क विकसित होगा।

हरियालो राजस्थान की भव्य तैयारी, 20 लाख गड्ढे तैयार:
आगामी मानसून में बड़े पैमाने पर पौधरोपण के लक्ष्य को लेकर जयपुर जिले में रिकॉर्ड 20 लाख गड्ढे तैयार किए गए हैं। बारिश शुरू होते ही इन स्थानों पर व्यापक पौधारोपण किया जाएगा। सार्वजनिक निर्माण विभाग ने भी मनरेगा के साथ समन्वय कर सड़कों के किनारे हरित पट्टी विकसित करने की तैयारियां शुरू कर दी हैं।

सीएसआर के माध्यम से जल संरक्षण को मिला नया सहयोग:
जल संरक्षण में उद्योग जगत की भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय सीएसआर कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें प्रदेश के 25 प्रमुख औद्योगिक समूहों और कॉर्पोरेट प्रतिनिधियों ने भाग लिया तथा जल संरक्षण कार्यों के लिए सहयोग का भरोसा जताया। सीएसआर खाते में सहयोग राशि प्राप्त होने का सिलसिला भी शुरू हो चुका है।

विभागीय समन्वय बना सफलता की कुंजी:
मनरेगा के तहत 5 हजार नए सोख्ता गड्ढों का निर्माण किया गया, जबकि विभिन्न योजनाओं के अभिसरण से इस वर्ष 10 हजार जल संरक्षण कार्य पूरे किए गए। कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान के तहत 273 नए रीचार्ज शाफ्ट बनाए गए। स्वच्छ भारत मिशन के माध्यम से 656 सोख्ता गड्ढों का निर्माण हुआ। कृषि विभाग ने किसान चौपालों के जरिए किसानों को ड्रिप एवं स्प्रिंकलर सिंचाई जैसी जल बचत तकनीकों के प्रति जागरूक किया। वहीं भीषण गर्मी में बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और मंडियों में प्याऊ शिविर लगाकर आमजन को राहत प्रदान की गई। अभियान के दौरान जयपुर जिला प्रशासन ने दो नवाचार लागू किए। पहली पहल के तहत ग्राम पंचायत स्तर तक सभी सरकारी भवनों में वर्षा जल संचयन के लिए रीचार्ज शाफ्ट निर्माण को प्राथमिकता दी गई। दूसरी पहल में शहर और कस्बों के जलभराव वाले क्षेत्रों में विशेष रीचार्ज शाफ्ट तकनीक विकसित कर वर्षा जल को भूजल में परिवर्तित करने की व्यवस्था शुरू की गई। विशेषज्ञों के अनुसार ये पहलें भविष्य में जल संकट के समाधान की दिशा में मील का पत्थर साबित हो सकती हैं।

आज मिलेगा 'जल गौरव सम्मान:
अभियान के सफल समापन पर शुक्रवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित जिला स्तरीय समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों, स्वयंसेवकों, सामाजिक संगठनों और जनप्रतिनिधियों को 'जल गौरव सम्मान' से सम्मानित किया जाएगा। जिला कलक्टर संदेश नायक ने इस ऐतिहासिक सफलता का श्रेय जिले की जनता, जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संगठनों तथा विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को देते हुए कहा कि जल संरक्षण केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का संकल्प है। उनके नेतृत्व में जयपुर जिले ने जिस प्रकार जनभागीदारी को अभियान की सबसे बड़ी ताकत बनाया, वह पूरे प्रदेश के लिए एक प्रेरणादायी मॉडल बनकर उभरा है।

कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने किया श्री बालाजी गौशाला का दौरा, आत्मनिर्भर मॉडल की सराहना

जयपुर टाइम्स

सालासर(निस)। राजस्थान सरकार के गोपालन, पशुपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने गुरुवार को श्री बालाजी गौशाला संस्थान, सालासर का दौरा कर गौशाला में संचालित विभिन्न गतिविधियों का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने गौमाता की विधिवत पूजा-अर्चना कर छप्पन भोग प्रसाद अर्पित किया तथा गौसेवा के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। दौरे के दौरान मंत्री कुमावत ने गौशाला में संचालित स्वावलंबन एवं आत्मनिर्भरता आधारित परियोजनाओं की जानकारी ली। उन्होंने गौशाला प्रबंधन द्वारा किए जा रहे नवाचारों और व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि श्री बालाजी गौशाला संस्थान का मॉडल प्रदेश की अन्य गौशालाओं के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि गौशालाओं को केवल गौसंरक्षण तक सीमित न रहकर आत्मनिर्भरता की दिशा में भी कार्य करना चाहिए, ताकि वे आर्थिक रूप से मजबूत बन सकें। मंत्री ने प्रदेशभर के गौशाला संचालकों से आह्वान किया कि वे सालासर गौशाला के कार्यों और नवाचारों से प्रेरणा लेकर अपने संस्थानों में भी ऐसे प्रयास करें। उन्होंने गौसेवा को भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा का महत्वपूर्ण अंग बताते हुए गौसंरक्षण के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया।

गौशाला अध्यक्ष रविशंकर पुजारी ने संस्थान की गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि गौसेवा के साथ-साथ गौशाला को आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनके सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि संस्थान का उद्देश्य गौसंरक्षण के साथ आर्थिक आत्मनिर्भरता का मॉडल विकसित करना है।

इस अवसर पर धर्मवीर पुजारी, मनोज शर्मा, आदित्य पुजारी, गजानंद कुमावत, मनोज बाटड़, मधु कुमावत, ईश्वरराम प्रजापत, ओमप्रकाश प्रजापत, मालाराम प्रजापत सहित अनेक नागरिक, गौभक्त व गौशाला से जुड़े पदाधिकारी उपस्थित रहे।

रतनादेसर-बीनादेसर में तीन साल से बनी पानी की टंकी शो पीस बनी

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। अखिल भारतीय किसान सभा रतनगढ़ के नेतृत्व में उपखंड कार्यालय रतनगढ़ में ग्रामीणों की पेयजल समस्या को लेकर उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में बताया गया कि रतनादेसर व बीनादेसर गांवों में जल जीवन मिशन (आपणी योजना) के तहत लगभग तीन वर्ष पूर्व पानी की टंकियों का निर्माण किया गया था, लेकिन आज तक ग्रामीणों को योजना का लाभ नहीं मिल पाया है तथा टंकियां बिना पानी के शोपीस बनी हुई हैं। किसान सभा तहसील अध्यक्ष कॉमरेड भादर भामू, किसान नेता रामकिशन भामू, विजयपाल कड़वासरा, गिरधारी घिंटाला, भीम सेना अध्यक्ष श्रवण तथा जाबिर हामूसर के नेतृत्व में ग्रामीणों ने प्रशासन से शीघ्र पेयजल आपूर्ति शुरू करवाने की मांग की। ज्ञापन के बाद उपखंड अधिकारी मिथिलेश कुमार की अध्यक्षता में वार्ता आयोजित हुई, जिसमें आपणी योजना के एईएन व एक्सईएन भी उपस्थित रहे। वार्ता में प्रशासन व विभागीय अधिकारियों की ओर से ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि बीनादेसर से लाछड़सर के बीच गलत तरीके से डाली गई पानी की लाइन को हटाकर नए सिरे से सड़क के किनारे डाला जाएगा। साथ ही वर्तमान में उपलब्ध दो टैंकरों के स्थान पर पेयजल आपूर्ति के लिए चार टैंकर उपलब्ध करवाए जाएंगे, ताकि ग्रामीणों को राहत मिल सके। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि निर्धारित समय में स्थायी समाधान नहीं किया गया तो अखिल भारतीय किसान सभा ग्रामीणों के साथ मिलकर बड़ा जनआंदोलन करेगी, जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। इस अवसर पर चांदखा हरिराजकुमा, राजकुमार गिल, बीनादेसर सरपंच तुलछीराम, केसराराम बेल्ड, डूंगर ब्राह्मण, नानूसिंह रतनादेसर, धनजी भिसू, तोलाराम बेल्ड, उदचंद बेरड़, ओमप्रकाश, श्रीभगवान शर्मा, नीरज शर्मा, मांगीलाल शर्मा, सुभाष शर्मा, मुकेश शर्मा, लालचंद शर्मा सहित सैकड़ों किसान उपस्थित रहे।

जयपुर में गैस कालाबाजारी पर बड़ा प्रहार, 302 सिलेंडर और दो पिकअप वाहन जब्त

ऑपरेशन प्रवर्तन के तहत जिला प्रशासन की कार्रवाई, दो आरोपियों के खिलाफ एफआईआर की तैयारी

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। राज्य सरकार एवं खाद्य व नागरिक आपूर्ति विभाग के निर्देशानुसार घरेलू एवं व्यावसायिक गैस सिलेंडरों के अवैध भंडारण, कालाबाजारी और अवैध रिफिलिंग के खिलाफ जयपुर जिला प्रशासन ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए 302 गैस सिलेंडर और दो पिकअप वाहन जब्त किए। कार्रवाई जिला कलक्टर संदेश नायक के निर्देशन में जिला रसद अधिकारी प्रियव्रत सिंह चारण के नेतृत्व में गठित विशेष सतर्कता दलों द्वारा की गई। जिला रसद अधिकारी प्रियव्रत सिंह चारण ने बताया कि अभियान के लिए दो विशेष सतर्कता दलों का गठन किया गया था। सतर्कता दल 'ए' में प्रवर्तन अधिकारी मुनेश कुमार मीणा एवं पूजा शर्मा को शामिल किया गया, जबकि सतर्कता दल 'बी' में प्रवर्तन अधिकारी विनोद कुमार और प्रवर्तन निरीक्षक सुनीता चौधरी को जिम्मेदारी सौंपी गई। कार्रवाई के दौरान सतर्कता दल 'ए' ने सांगानेर क्षेत्र के गोवर्धन नगर और हनुमान सिटी में दबिश देकर अवैध गैस भंडारण और क्रय-विक्रय का खुलासा किया। यहां से 247 घरेलू एवं व्यावसायिक गैस सिलेंडर तथा दो पिकअप वाहन जब्त किए गए। वहीं सतर्कता दल 'बी' ने 310 फीट शिक्षा सागर कॉलोनी, सांगानेर में कार्रवाई करते हुए 55 गैस सिलेंडर जब्त किए। दोनों स्थानों पर हुई कार्रवाई में कुल 302 घरेलू व व्यावसायिक गैस सिलेंडर तथा पिकअप वाहन संख्या आरजे-14-जीआर-7835 और आरजे-14-जीएच-5920 को जब्त किया गया। मामले में संलिप्त दो व्यक्तियों के विरुद्ध संबंधित पुलिस थानों में एफआईआर दर्ज कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध गैस रिफिलिंग, भंडारण व कालाबाजारी में लिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। आमजन की सुरक्षा और उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के उद्देश्य से जयपुर शहर में 'ऑपरेशन प्रवर्तन' अभियान निरंतर संचालित किया जा रहा है। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि यदि कहीं भी अवैध गैस रिफिलिंग, गैस सिलेंडरों का अवैध भंडारण या कालाबाजारी की गतिविधियां दिखाई दें तो इसकी सूचना तुरंत संबंधित विभाग को दें, ताकि समय पर कार्रवाई कर जनहित और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

लाडो के जन्म पर सम्मान और संबल, बेटियों के प्रति बदल रही है समाज की सोचः सहारण

लाडो अभिनंदन कार्यक्रम, विधायक सहारण ने किया अस्पताल का निरीक्षण

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। महिला अधिकारिता विभाग की ओर से जिला मुख्यालय पर राजकीय डीबी जनरल अस्पताल में गुरुवार को लाडो प्रोत्साहन योजना अंतर्गत लाडो अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में चूरू विधायक हरलाल सहारण व जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने लाडो जन्म पर प्रसूताओं को न्यूट्रीशन किट व बधाई संदेश प्रदान किए। इस अवसर पर विधायक हरलाल सहारण ने कहा कि कभी बेटियों के जन्म को लेकर समाज में व्याप्त संकीर्ण सोच और भेदभाव चिंता का विषय होता था, लेकिन आज परिस्थितियां बदल रही हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार महिला सशक्तीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अनेक योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन कर रही है। बेटियों के जन्म पर प्रोत्साहन देकर समाज में सकारात्मक संदेश दिया जा रहा है। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने कहा कि सरकार की योजनाओं का उद्देश्य केवल आर्थिक सहायता प्रदान करना नहीं, बल्कि समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार करना है। इस दौरान एसीईओ भागचंद खारिया, रघुनाथ खेमका, डॉ. अहसान गौरी, कृष्णा, भूपेन्द्र, विक्रम सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

विधायक ने किया अस्पताल का निरीक्षण:
इस अवसर पर विधायक हरलाल सहारण व जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने अस्पताल परिसर का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखकर अधिकारियों को समुचित निर्देश दिए। उन्होंने एनआईसीयू, एसआईसीयू व एमसीएम विंग में महिला भर्ती वार्ड, साफ-सफाई, पानी-बिजली, कूलर-पंखे व रंग-रोगन कार्यों सहित विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान विधायक सहारण ने कहा कि अस्पताल में आने वाले मरीजों और परिजनों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता बनाए रखते हुए आमजन को सुगम और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने कहा कि अस्पताल परिसर में साफ-सफाई को लेकर नियमित निरीक्षण करें।

'जल है तो कल है', हर बूंद बचाने का संकल्प लें : राजेंद्र राठौड़

वंदे गंगा जल संरक्षण जन-अभियान के तहत नेचर पार्क में जिला स्तरीय कार्यक्रम

पौधरोपण कर दिलाई जल संरक्षण की शपथ

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निस)। वंदे गंगा जल संरक्षण जन-अभियान के अंतर्गत गुरुवार को तारानगर स्थित नेचर पार्क में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ मुख्य अतिथि तथा उपखंड अधिकारी प्रियंका कड़ेला अध्यक्ष के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के दौरान जल संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन और वर्षा जल संचयन के प्रति जागरूकता का संदेश देते हुए उपस्थित लोगों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई।

मुख्य अतिथि राजेंद्र राठौड़ ने पौधरोपण कर अभियान की शुरुआत की तथा कहा कि राजस्थान जैसे मरुस्थलीय प्रदेश में जल का महत्व और भी अधिक बढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि 'जल है तो कल है' केवल एक नारा नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का आधार है। उन्होंने आमजन से जल की एक-एक बूंद बचाने और वर्षा जल संचयन को जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। अभियान के जिला समन्वयक व भाजपा नेता राकेश जागिड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में चलाया जा रहा वंदे गंगा जल संरक्षण जन-अभियान प्रदेशभर में जन-आंदोलन का रूप ले रहा है। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण केवल सरकारी प्रयासों से नहीं, बल्कि जनभागीदारी से ही संभव है। कार्यक्रम के दौरान वन विभाग के रेंजर सुरेंद्र सिंह एवं फॉरेस्टर सुनील बागड़ी ने अतिथियों तथा उपस्थित नागरिकों को तुलसी के पौधे वितरित किए। वक्ताओं ने पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिकाधिक पौधरोपण करने और जल स्रोतों के संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने पर जोर दिया। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने जल संरक्षण, जल स्रोतों की सुरक्षा और पर्यावरण संवर्धन का सामूहिक संकल्प लिया। आयोजन में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों तथा बड़ी संख्या में आमजन की सहभागिता रही। इस अवसर पर चूरू विधायक हरलाल सहारण, पद्मभूषण देवेंद्र झाझड़िया, भाजपा नेता राकेश जागिड़, भाजपा जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा, वासुदेव चावला, शहर अध्यक्ष अनूप खंडेलवाल, बीडीओ छगनलाल छिम्पा, नगर पालिका ईओ अजय प्रताप सिंह, त्रिलोक रेगर, अजीत सिंह राठौड़, प्रशासक संदीप सिंह, धर्मवीर सिंह राठौड़, हरी इंदौरिया सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी व जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

स्वात्वाधिकारी, कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि., सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर में मुद्रित एवं सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर -302013 से प्रकाशित।
सम्पादक : नीतू चौधरी, सी-588, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड, जयपुर-302013 मो. : 7014217770, E-Mail : jaipurtimes2007@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर।

शेखावाटी जयपुर टाइम्स

जयपुर, शुक्रवार
05 जून, 2026

शिव मंदिर परिसर में लगाए परिंडे, पक्षियों के लिए नियमित पानी की व्यवस्था का लिया संकल्प

जयपुर टाइम्स

सालासर(निस)। भीषण गर्मी के बीच पक्षियों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे सामाजिक अभियान 'पंछी मेरे मित्र' के तहत शोभासर स्थित शिव मंदिर परिसर में पक्षियों के लिए परिंडे लगाए गए। अभियान के संयोजक पंकज बाघसरा के नेतृत्व में आयोजित इस पहल के दौरान परिंडों में नियमित रूप से पानी भरने और उनकी देखरेख करने का संकल्प भी लिया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि गर्मी के मौसम में जल स्रोतों के सूखने से पक्षियों को पानी के लिए भटकना पड़ता है। ऐसे में परिंडे लगाकर उनकी प्यास बुझाना मानवता और जीव संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने आमजन से भी अपने घरों, दुकानों और सार्वजनिक स्थलों पर परिंडे लगाने तथा नियमित रूप से उनमें पानी भरने की अपील की। अभियान से जुड़े लोगों ने बताया कि वर्षों से संचालित 'पंछी मेरे मित्र' मिशन के माध्यम से पक्षियों के संरक्षण और उनके लिए पेयजल उपलब्ध कराने का कार्य निरंतर किया जा रहा है। इस पहल को ग्रामीणों का भी अच्छा सहयोग मिल रहा है। कार्यक्रम के दौरान मनोज तंवर, प्रताप गहलोत, विशाल स्वामी, केशर, प्रकाश शर्मा व दीनदयाल महरिया सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे।

अवकाश के दिनों में कार्य कराने का कर्मचारियों ने किया विरोध

जयपुर टाइम्स

पाटन(निस)। पटवार संघ, ग्राम विकास अधिकारी संघ एवं कृषि पर्यवेक्षक संघ ने शनिवार, रविवार तथा अन्य राजकीय अवकाश के दिनों में गैर-आपातकालीन कार्य कराने का विरोध जताया है। तीनों संगठनों ने मुख्य सचिव के नाम ज्ञापन भेजकर मांग की कि आपातकालीन परिस्थितियों को छोड़कर अवकाश के दिनों में बैठक, ग्राम सभा, चौपाल, शिविर व निरीक्षण कार्यक्रम आयोजित नहीं किए जाएं। ज्ञापन में कहा गया कि लगातार अवकाश के दिनों में कार्य लिए जाने से कर्मचारियों के मानसिक, शारीरिक तथा पारिवारिक जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। संगठनों ने निर्णय लिया कि भविष्य में आपातकालीन सेवाओं को छोड़कर अवकाश के दिनों में कार्य नहीं किया जाएगा। इस दौरान राजस्थान ग्राम विकास अधिकारी संघ के ब्लॉक अध्यक्ष विनोद गुर्जर, ब्लॉक मंत्री पवन यादव, शक्ति सिंह तंवर, महेश मीणा, रामगोपाल शर्मा, कृष्ण सिराधना, पटवार संघ ब्लॉक अध्यक्ष रघुवीर मीणा, आनंद, जितेंद्र, कांता मीणा, करण सिंह गुर्जर, हेमराज तथा कृषि पर्यवेक्षक संघ के सीताराम, ख्यालीराम, लालचंद सहित अन्य कार्मिक उपस्थित रहे।

कांग्रेस की 'जन आक्रोश रैली' कल

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निस)। भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ स्थानीय विधायक नरेन्द्र बुड़ानिया के नेतृत्व में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी तारानगर व साहवा के तत्वावधान में शुक्रवार को सुबह 9 बजे तहसील कार्यालय के आगे 'जन आक्रोश रैली' का आयोजन किया जाएगा। कांग्रेसी ब्लॉक अध्यक्ष मदन पांड्या व वेद प्रकाश सहारण ने बताया कि भाजपा सरकार की विफलताओं, बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और किसानों व आमजन की समस्याओं को लेकर ये रैली का आयोजन करना पड़ रहा है। कांग्रेस का आरोप है कि सरकार हर मोर्चे पर फेल रही है और जनता त्रस्त है।

दो आरोपियों को 3 साल कठोर कारावास व 10-10 हजार रुपए जुर्माना

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निस)। तारानगर के अपर जिला व सेशन न्यायाधीश संतोष कुमार मीणा ने साहवा थाने में दर्ज पुराने मामले में हनुमानगढ़ जिले के जगतसिंह उर्फ कालू और बलराम को अवैध हथियार व चोरी की संपत्ति रखने का दोषी मानते हुए दोनों को 3 साल का कठोर कारावास व 10-10 हजार रुपए जुर्माना लगाया है, जुर्माना न भरने पर दोनों आरोपियों को 6 माह की अतिरिक्त जेल काटनी होगी। अभियोजक की ओर से अपर लोक अभियोजक पंकज कुमार स्वामी ने पैरवी की।

कार्यालय नगर परिषद सुजानगढ़ (चूरू) राजस्थान

E-mail id:- nps222419@gmail.com Phone no. 01568-222419

क्रमांक :–न.प.सु/स्टोर शाखा/2026/1792 दिनांक :– 02.06.2026

–: ई–निविदा सूचना–2026–27 :–

नगर परिषद सुजानगढ़ द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यों के लिये उपयुक्त सक्षम श्रेणी के राज्य सरकार के विभागों में प्रजीकृत ठेकेदारों/फर्मों से निविदा दिनांक 09.06.2026 तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्रों को वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कि जा सकता है एवं निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.sppp.raj.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा का बीड क्रमांक DLB2627GLOB06166 है। कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिषद सुजानगढ के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकती है।

आयुक्त
नगर परिषद, सुजानगढ

राज.संवाद/सी/26/4176

कार्यालय नगरपरिषद सुजानगढ़ (चूरू) राजस्थान

क्रमांक :-न.प.सु. / भूमि शाखा / 2026 / 1625 दिनांक 26-05-2026

नाम हस्तानान्तरण हेतु आपत्ति सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नीचे अंकित निम्नलिखित व्यक्ति द्वारा नाम हस्तान्तरण करवाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त के सम्बंध में किसी व्यक्ति / संस्था को आपत्ति हो तो आप प्रकाशन के 07 दिवस में मय दस्तावेज इस कार्यालय में प्रस्तुत करे। बाद मियाद गुजरने पश्चात् किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा और इकतरफा कार्यवाही की जावेगी ।

क.सं.	आवेदक का नाम व पता	कस्बा	भूमि का पता	क्षेत्रफल वर्गमीटर
01.	श्री इमदाद खान पुत्र श्री अजीज खान	सुजानगढ़	स्टेशन बास, ड्रीम लाइट सिनेमा के पीछे	88.90

आयुक्त
नगरपरिषद, सुजानगढ़

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड तारानगर

क्रमांकः डी-259-268 दिनांक 29/05/2026

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना सं. 07/2026-27

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से तारानगर खण्ड के अन्तर्गत सड़क मरम्मत कार्य हेतु कुल 02 कार्यों के लिए उपयुक्त श्रेणी के सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेलवे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हों, से निर्धारित प्रपत्र में ई- टेन्डिरिंग प्रक्रिया द्वारा ऑन-लाईन ई-निविदाऐं आमन्त्रित की जाती है। आर.पी. डब्ल्यू.ए.-100 की शर्त लागू होगी। ई-निविदा से सम्बन्धित विवरण वेबसाईट dipr.rajasthan.gov.in एवं विभागीय वेबसाईट eproc.rajasthan.gov.in तथा sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है। SPPP पर अपलोड NIB No. PWD2627A0835 के UBN No. निम्न प्रकार है :-

Sn.	UBN No.	Sn.	UBN No.
1	PWD2627WSRC03629	2	PWD2627WSRC03630

(राजेन्द्र कुमार सैनी)
अधिशाषी अभियन्ता,
सा.नि.वि. खण्ड तारानगर

DIPR/C/9714/2026

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम सिकन्दर से बदलकर सिकन्दर खां (SIKANDAR KHAN) रख लिया है। अतः भविष्य में मुझे सिकन्दर खां (SIKANDAR KHAN) के नाम से ही जाना, पहचाना व पुकारा जावे।

सिकन्दर खां (SIKANDAR KHAN) पुत्र इलाहिबक्स खां , इंदिरा बाल निकेतन स्कूल के पास, वार्ड न. 32, सुजानगढ़ (चूरू) राजस्थान 331507

गुमशुदगी सुचना

मेरे चाचा लक्ष्मण पुत्र काना निवासी शिमला घर से दिनांक 5 जनवरी 1984 से लापता है जिसकी उम्र आज 98 वर्ष हे और 5.5 फुट लंबा रंग सांवला नाक पर तिल का निशान है सफेद कमीज व पजामा पहने हुए था किसी को कोई सूचना हो तो फोन नंबर 9929514561 पर सूचित करें

महावीर पुत्र प्रभु राम

कार्यालय ग्राम पंचायत भोजरासर पंचायत समिति सरदारशहर

क्रमांक :17 दिनांक :-04.06.2026

निविदा सूचना 2026-27

ग्राम पंचायत में वितीय वर्ष 2026-27 में विभिन्न कार्यो के लिये इच्छुक विनिर्दिष्टत पंजीकृत बोलीदाता / संवेदक / फर्म से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से वेबसाईट https//eproc.rajasthan.gov.in पर आनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है । उक्त निविदा की सूचना https//eproc.rajasthan.gov.in एवं https//sppp.rajasthan.gov.in पर देख एवं डाउनलोड कर प्राप्त की जा सकती है ।

UBN- PDN2627WSOB00034

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत भोजरासर
प.स. - सरदारशहर

प्रशासक
ग्राम पंचायत भोजरासर
प.स. - सरदारशहर

OFFICE OF GRAM PANCHAYAT DHANDHELA P.S. PATAN (SIKAR)

S. NO. 33 DATE: 03/06/26

Notice Inviting Bid

Bid for Rate contract of Material Procurement in varies construction works undar MGNAREGA and Other Scheme For FY 2026-27 are invited from intersted bidders till Date 15-06-2026, 12:00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://sppp.raj.nic.in & http://eproc.raj.nic.in) of the state. The approximate value of the procurement is RS: 3000000/-
UBN No. PKP2627GLRC00059

PRASHASHAK
G.P. DHANDHELA

VDO
G.P. DHANDHELA

विद्युत चोरी का आरोप, कानूनी कार्यवाही की मांग

सुजानगढ़(नि.सं.)। निवर्तमान पार्षद बिलाल भूरान ने एडीएम को एक ज्ञापन भेजकर संवेदक फर्म की ओर से मिलीभगत कर विद्युत चोरी करने का आरोप लगाते हुए मामले में कानूनी कार्यवाही करने की मांग की है। ज्ञापन में बताया गया है कि ग्रीन स्पेस पार्क नाथो तालाब से गंदा पानी निकासी के लिए टेंडर संविदा फर्म को विद्युत पंप नियम अनुसार संवेदक फर्म की ओर से स्वयं के जनरेटर व डीजल से चलना निर्धारित किया गया था। जिसमें संविदा फर्म की ओर से नियम कायदों की धज्जियां उड़ाते हुए उक्त स्थल पर विद्युत कनेक्शन से नियम विरुद्ध पंप का सीधा कनेक्शन कर विद्युत मोटरों को चलाया जा रहा है। जिससे एक ओर नगर परिषद के विद्युत कनेक्शन से बिजली चोरी की जा रही है, वहीं भ्रष्टाचार कारित कर, फर्जी तरीके से डीजल के पैसे संविदा फर्म की ओर से उठाकर नगर परिषद के राजकोष को भारीभरकम क्षति पहुंचाए जाने के आरोप लगाए गए हैं। मामले में दोषियों पर कार्यवाही की मांग की गई है। हालांकि पूरे मामले की सच्चाई जांच के बाद ही सामने आ पाएगी।

नाले की मरम्मत किए जाने की मांग

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। स्थानीय वार्ड नं. 10 के लोगों ने नगरपरिषद आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर वार्ड में नाले की रिपेयरिंग करवाए जाने की मांग की है। ज्ञापन में बताया गया है कि एक साल पहले नाला रिपेयर का टेन्डर हुआ था, जो आज तक रिपेयर नहीं हुआ हैं। ठेकेदार को जब बोलते हैं, तो कहता है कि जब तक नगरपरिषद् की तरफ से एक जनरेटर एक पीटीओ नहीं दिया जाएगा तब तक नाला रिपेयर नहीं होगा। ज्ञापन में लोगों ने निवेदन किया है कि ठेकेदार को एक पीटीओ व जनरेटर दिया जावे, जिससे नाला रिपेयर किया जा सक। अगर ऐसा नहीं हुआ तो आने वाले बरसात के समय में जमालपुरा व रहमत नगर पानी से डूब जायेगें और पिछले वर्ष की तरह हालात खराब हो जाएंगे। इसी प्रकार जमालपुरा पम्प हाउस का बिजली कनेक्शन करवाये जाने की मांग भी ज्ञापन में की गई है। ज्ञापन पर शाहीद, तरूण सियोता, जितेंद्र ढ़ेनवाल, आरिफ, राजू, खलील, टिपू सुल्तान, बिलाल, नबी चौहान, नानूराम, रूबीना खातून, जावेद सहित अनेक लोगों के हस्ताक्षर हैं।

OFFICE OF GRAM PANCHAYAT DOONGA KI NANGAL P.S. PATAN (SIKAR)

S. NO. 41 DATE : 03/06/2026

Notice Inviting Bid

Bid for Rate contract of Material Procurement in varies construction works undar MGNAREGA and Other Scheme For FY 2026-27 are invited from intersted bidders till Date 15-06-2026, 12:00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://sppp.raj.nic.in & http://eproc.raj.nic.in) of the state. The approximate value of the procurement is RS : 4000000/-

UBN No. PKP2627GLRC00058

PRASHASHAK
G.P. DOONGA KI NANGAL

VDO
G.P. DOONGA KI NANGAL

OFFICE OF GRAM PANCHAYAT BALLUPURA P.S. PATAN (SIKAR)

S.NO. 54 DATE : 04-06-2026

Notice Inviting Bid

Bid for Rate contract works undar Other Scheme are invited from intersted bidders upto Date 16.06.2026, 12:00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://sppp.raj.nic.in&http://eproc.raj.nic.in) of the state. The approximate value of work is maximum RS : 3000000/-

UBN No. PKP2627GLRC00061,
PKP2627WSOB00060

PRASHASHAK
G.P. BALLUPURA

VDO
G.P. BALLUPURA

कार्यालय उप वन संरक्षक चूरू (राज.)

क्रमांकःएफ ( )विविध /उ व स/2026-27/4311 दिनांकः

पंच गौरव राजस्थान, जिला चूरू एक जिला एक प्रजाति 'खेजडी'

राजस्थान सरकार की पंच गौरव राजस्थान योजना के अंतर्गत वन विभाग चूरू में जिले की ग्राम पंचायतों में पर्यावरण संरक्षण, हरियाली विकास एवं सतत ग्रामीण उन्नयन की दिशा में निरन्तर कार्य किये जा रहे है तथा वन मण्डल, चूरू अधीन 14 पौधशालाओं में 10 प्रतिशत खेजड़ी के वृक्ष तैयार किये जा रहे है। पंच गौरव राजस्थान योजना के अंतर्गत चूरू जिले में एक जिला एक प्रजाति के अंतर्गत खेजड़ी वृक्ष को चयनित किया गया है। खेजड़ी को जान्टी, शमि खेलड़ी, कांडी तथा जम्मी के नाम से भी जाना जाता है । खेजड़ी एक सदाबहार वृक्ष है एवं यह वर्ष पर्यन्त हरा-भरा रहता है। खेजड़ी वृक्ष शुष्क क्षेत्रों के आर्थिक विकास एवं सामाजिक धार्मिक मान्यताओं का प्रतीक है। खेजड़ी के फल को सांगरी कहा जाता है तथा सांगरी का उपयोग सब्जी बनाने एवं राजस्थान की प्रसिद्ध पंचकूटा (कैर, सांगरी, कुमठा बीज गोंदा, काचरी) में सागरी मुख्य सामग्री होती है । खेजड़ी के सूखे पत्तों को लूग कहा जाता है, जिसका उपयोग चारे के रूप में किया जाता है।

- सार्वजनिक स्थलों पर वृहद वृक्षारोपण एवं पौध संरक्षण
- गोचर भूमि एवं चारागाह विकास ।
- जल स्त्रोतों के पास हरित पट्टी का निर्माण ।
- पर्यावरण संरक्षण एवं जलवायु परिवर्तन पर जन जागरूकता ।
- आइए पंच गौरव राजस्थान में सहभागी बने।
- पेड़ लगाए पर्यावरण बचाए अपने गांव शहर को गौरवशाली बनाये।
- हरी-भरी हो धरा हमारी तभी सुरक्षित होगी भावी पीढ़ी हमारी।
- प्रकृत्ति का सम्मान, जीवन आराम।

जनहित में जारी :
जिला प्रशासन एवं वन विभाग, चूरू (राज

विधायक रीटा चौधरी का ग्रामीणों ने किया स्वागत

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। मंडावा विधायक रीटा चौधरी की ओर से ग्राम मीठवास में डामर सड़क का निर्माण करवाने पर ग्रामीणों ने उनका अभिनंदन व स्वागत किया। इस अवसर पर ग्रामीणों ने क्षेत्र के विकास कार्यों के लिए विधायक का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान सुभाष राहड (भोजाराम) ने भारतीय जनता पार्टी छोड़कर कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की और कांग्रेस की नीतियों एवं विचारधारा में विश्वास जताया। विधायक रीटा चौधरी ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि क्षेत्र के विकास, जनहित और मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए उनका प्रयास निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने कांग्रेस परिवार में शामिल हुए नए सदस्यों का स्वागत करते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर मास्टर ओमप्रकाश ढ़ाका, सुभाष राहड़, भोजाराम, राजकुमार ढ़ाका, अनील ढ़ाका, निवास, हनुमान ढाका, कमलेश, रजनीश, रमेश सूनिया, विकास व कमलेश राहडआदि उपस्थित रहे।

केसरी सिंह की पुण्यतिथि मनाई, गौशाला में गौ सेवा

जयपुर टाइम्स

मंडावा(निस)। राजघराना परिवार के वरिष्ठ सदस्य व कस्बे को विश्व पर्यटन मानचित्र पर हेरिटेज सिटी की पहचान दिलाने वाले ठाकुर केसरी सिंह की गुरुवार को सातवीं पुण्यतिथि मनाई गई। पुण्यतिथि पर ठाकुर शिवार्जुन सिंह ने मुकुंदगढ़ रोड़ स्थित कामधेनु निराश्रित गौसेवा समिति की ओर से संचालित गौशाला में गौवंश को हरा चारा, गुड़ खिलाकर गौ सेवा की तथा गायों के चारे के लिए 5100 रुपए का आर्थिक सहयोग प्रदान किया। समिति अध्यक्ष किशोर सिंह व रविंद्र शर्मा ने गौशाला का भ्रमण करवाते हुए यहां की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी दी। इसके बाद होटल डेजर्ट रिजॉर्ट में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन हुआ जहां पर लोगों ने ठाकुर केसरी सिंह की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देते हुए पर्यटन और कस्बे के विकास में दिए गए महत्वपूर्ण योगदान को याद किया गया। इस दौरान सुभाष यादव, महावीर सिंह दिनवा, जयप्रकाश, अमित सिंह, रविंद्र शर्मा, जयप्रकाश सोनी, महावीर सिंह छाजुसर, सोनपाल सिंह, नरेंद्र सिंह, सुरेंद्र सिंह, पर्वत, कान सिंह, सुमेर सिंह, भेरू सिंह मौजूद रहे।

सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त राजस्थान की शपथ दिलाई

जयपुर टाइम्स

मंडावा(निस)। पंचायत समिति मंडावा के सभागार में मंगलवार को सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त राजस्थान अभियान के अंतर्गत ग्राम विकास अधिकारियों, कनिष्ठ सहायकों व कार्यालय कार्मिकों को सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर विकास अधिकारी अमित चौधरी ने उपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों को सिंगल यूज प्लास्टिक से होने वाले पर्यावरणीय दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए इसके उपयोग को पूर्णत: त्यागने का आह्वान किया। उन्होंने सभी कार्मिकों से दैनिक जीवन में प्लास्टिक के स्थान पर पर्यावरण अनुकूल विकल्प अपनाने तथा आमजन को भी इसके प्रति जागरूक करने की अपील की। कार्यक्रम में उपस्थित सभी अधिकारियों व कर्मचारियों ने सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने तथा स्वच्छ व हरित वातावरण के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया।

सड़क हादसे में मृत युवक के माता-पिता को दिलाए 14 लाख

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निस)। बीकानेर न्यायालय श्रम व मोटरयान दुर्घटना दावा अधिकरण बीकानेर ने एक सड़क दुर्घटना मामले में तारानगर के पीड़ित परिवार को बड़ी राहत दी है। पीठासीन अधिकारी अनवर अहमद चौहान ने मृतक रोहित सिंह के माता-पिता के पक्ष में 14 लाख रुपए का अवॉर्ड पारित किया है। मृतक के अधिवक्ता मुकेश जाखड़ चंगाई ने बताया कि 27 दिसंबर 2024 को दोपहर करीब 1:30 बजे रोहित सिंह पुत्र भलेसिंह निवासी आनंदसिंहपुरा एक पिकअप गाड़ी में सवार होकर तारानगर से अपने गांव जा रहा था। ढाणी आशा और आनंदसिंहपुरा के बीच पिकअप चालक सुभाषचन्द्र ने तेज गति व लापरवाही से वाहन चलाते हुए पिकअप पलटा दी। दुर्घटना में रोहित सिंह को गंभीर चोटें आईं। मौके से उसे राजकीय अस्पताल तारानगर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की रिपोर्ट तारानगर थाने में दर्ज हुई। पुलिस ने जांच कर चालक सुभाषचन्द्र के खिलाफ न्यायालय में चालान पेश किया। मृतक के माता सुप्यार कंवर और पिता भलेसिंह की ओर से अधिवक्ता मुकेश जाखड़ चंगाई ने श्रम न्यायालय व मोटरयान दुर्घटना दावा अधिकरण बीकानेर में भले सिंह बनाम टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस कंपनी' के नाम से क्लेम याचिका दायर हुई। पीठासीन अधिकारी अनवर अहमद चौहान ने दोनों पक्षों के बीच समझाइश कर प्रार्थीगण के पक्ष में 14 लाख रुपए का अवॉर्ड पारित किया। पीड़ित परिवार की ओर से मामले की पैरवी अधिवक्ता मुकेश जाखड़ चंगाई ने की।

अवकाश के दिनों में गैर-आपातकालीन ड्यूटी पर कर्मचारियों का विरोध, एसडीएम को ज्ञापन

जयपुर टाइम्स

बीदासर(निस)। राजस्थान कृषि पर्यवेक्षक, पटवारी व ग्राम विकास अधिकारी संयुक्त समन्वय समिति उपशाखा बीदासर ने मुख्य सचिव के नाम उपखंड अधिकारी अमीलाल यादव को ज्ञापन सौंपकर राजकीय अवकाश के दिनों में गैर-आपातकालीन कार्य नहीं करवाने की मांग की है। ज्ञापन में कर्मचारियों ने बताया कि राज्य सरकार ने वर्ष 2008 में कर्मचारियों की कार्यक्षमता बढ़ाने तथा उन्हें शारीरिक एवं मानसिक विश्राम प्रदान करने के उद्देश्य से छह दिवसीय कार्य व्यवस्था को घटाकर पांच दिवसीय कार्य सप्ताह लागू किया था। लेकिन पिछले तीन वर्षों से विभिन्न सरकारी कार्यक्रमों, शिविरों, बैठकों और अभियानों के लिए लगातार शनिवार, रविवार एवं अन्य राजकीय अवकाश के दिनों में ड्यूटी लगाने के आदेश जारी किए जा रहे हैं। समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि आपातकालीन परिस्थितियों में कर्मचारी हमेशा अपने दायित्वों का निर्वहन करते रहे हैं, लेकिन लगातार अवकाश के दिनों में कार्य लेने से कर्मचारियों के मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। इससे तनाव बढ़ने के साथ उनकी कार्यक्षमता भी प्रभावित हो रही है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि बड़े कार्यालयों में अवकाश के दिन कार्य लेने पर कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति अवकाश दिया जाता है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत पटवारी, ग्राम विकास अधिकारी एवं कृषि पर्यवेक्षकों को ऐसी कोई सुविधा या अतिरिक्त पारिश्रमिक नहीं मिलता। समिति ने बताया कि लगातार अवकाश के दिनों में ड्यूटी लगाए जाने के कारण बाहरी जिलों में पदस्थापित कई कर्मचारी लंबे समय तक अपने परिवारों से नहीं मिल पाते, जिससे उनके पारिवारिक एवं सामाजिक दायित्व प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने मांग की कि आपातकालीन एवं संकटकालीन परिस्थितियों को छोड़कर अवकाश के दिनों में बैठक, ग्राम सभा, चौपाल, शिविर और निरीक्षण कार्यक्रम आयोजित नहीं किए जाएं। समिति ने निर्णय लिया है कि भविष्य में शनिवार, रविवार एवं अन्य राजकीय अवकाश के दिनों में आपातकालीन सेवाओं को छोड़कर किसी भी प्रकार का कार्य नहीं किया जाएगा। ज्ञापन पर पटवार संघ अध्यक्ष नोरतमल मीणा, कृषि पर्यवेक्षक संघ अध्यक्ष चोखनाथ, ग्राम विकास अधिकारी संघ अध्यक्ष गिरधारीराम आचरा, रूपाराम मेघवाल, गिरधारी लाल सोनी, भंवरलाल मेघवाल, संगीता घोसल्या, भंवरलाल धेडू सहित अन्य कर्मचारियों के हस्ताक्षर थे।

वंदे गंगा जल संरक्षण अभियानः मंडावरा में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। जिले में संचालित वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान-2026 के तहत गुरुवार को उदयपुरवाटी पंचायत समिति की ग्राम पंचायत मंडावरा में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सामान्य प्रशासन विभाग के प्रमुख शासन सचिव एवं जिले के प्रभारी सचिव डॉ. नवीन जैन ने की। कार्यक्रम में जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग, पुलिस अधीक्षक कावेंद्र सिंह सागर, मुख्य वन संरक्षक सी.आर. मीणा, पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी, अभियान के जिला समन्वयक विशंभर पूनिया, जिला संयोजक राकेश शर्मा, पुरुषोत्तम खाजपुरिया, वीरपाल सिंह शेखावत, अजय भालोटिया, अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर महिलाओं की ओर से कलश यात्रा निकाली गई। इसके बाद अतिथियों ने पौधारोपण किया। कार्यक्रम के अंत में प्रभारी सचिव ने उपस्थित जनसमूह को जल बचाने की शपथदिलवाई। वाटरशैड एसई मनोज गौड़ ने बताया कि इस दौरान अतिथियों ने जल संरक्षण के लिए निर्मित की जा रही एनिकट संरचना के कार्य का अवलोकन भी किया। प्रभारी सचिव डॉ. नवीन जैन ने कहा कि जल संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और इस महत्वपूर्ण अभियान में प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि प्रकृति के संरक्षण के लिए पेड़ लगाना और उनकी देखभाल करना हम सभी की व्यक्तिगत जिम्मेदारी है। जल संग्रहण और भूजल का पुनर्भरण (रिचार्ज) दोनों ही समान रूप से आवश्यक हैं। जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग ने कहा कि प्रकृति हमें ऑक्सीजन, सूर्य का प्रकाश और पानी जैसी अमूल्य सुविधाएं नि:शुल्क उपलब्ध कराती है। इसलिए हमारा भी दायित्व है कि हम प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करें। उन्होंने कहा कि यह केवल सरकारी अभियान नहीं है, बल्कि इसे जन-जन का अभियान बनाकर जल संरक्षण के प्रति व्यापक जनजागरण करना होगा।

पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार जल संरक्षण के लिए अभूतपूर्व प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि पानी की समस्या मातृशक्ति के लिए सबसे बड़ी समस्या है और संरक्षण के लिए वे ही सबसे महत्वपूर्ण कड़ी साबित होंगी। उन्होंने कहा कि बहते पानी को रुकना सिखाओ, चलते पानी को रेंगना सिखाओ, रेंगते पानी को ठहराना सिखाओ, जब जल ठहरेगा तभी भूमि में जाएगा और जल का स्तर पड़ेगा। इस दौरान जिला परिषद सीईओ पुरुषोत्तम धानका, एसीईओ रामनिवास चौधरी, उदयपुरवाटी एसडीएम सुमन सोनल, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी अशोक शर्मा, पीएचईडी एसई राजपाल सिंह, एवीवीएनएल एसई महेश टीबड़ा, पर्यटन विभाग के उपनिदेशक देवेंद्र चौधरी, एसीएफ हरेंद्र भाखर, जिला जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु सिंह, जिला उद्योग केन्द्र महाप्रबंधक अभिषेक चोबदार समेत विभिन्न जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

आदर्श ग्रुप में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के आदर्श ग्रुप ऑफ एजुकेशन के संस्थापक निदेशक व सरदारशहर शिक्षा जगत के प्रेरणास्रोत चतुर्थीलाल लाटा की 8 वीं पुण्यतिथि पर संस्था परिसर में भावपूर्ण श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्था के पदाधिकारियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों व नागरिकों ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। निदेशक गिरीश लाटा ने बताया कि पिता चतुर्थीलाल लाटा ने शिक्षा को समाज परिवर्तन का सबसे सशक्त माध्यम मानते हुए आदर्श ग्रुप ऑफ एजुकेशन की मजबूत नींव रखी। उनके दूरदर्शी चिंतन, अथक परिश्रम व शिक्षा के प्रति समर्पण का ही परिणाम है कि आज आदर्श में पढ़े हजारों विद्यार्थियों ने श्रेष्ठ शिक्षा प्राप्त कर देश, विदेश में विभिन्न क्षेत्रों में अपना नाम रोशन किया है। उन्होने बताया कि आदर्श ग्रुप ऑफ एजुकेशन आज जिस ऊंचाई पर पहुंचा है। उसमें पिता के संघर्ष, त्याग व उत्कृष्ट शैक्षणिक दृष्टिकोण का ही अमूल्य योगदान है तथा संस्था आज भी उनकी ओर से दिए गए संस्कार व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की गौरवशाली परम्परा को कायम रखते हुए नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। इस अवसर पर प्रधानाचार्य राधेश्याम बढाढरा, कॉलेज प्राचार्य डॉ मनीषा वर्मा, छात्रा विंग प्रभारी राधा सारस्वत, नारायण लाटा, रामकुमार शर्मा, कपिल सारस्वत सहित अनेक वक्ताओं ने अपने विचार रखे। इस अवसर पर दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई तथा उनके बताए मार्ग पर चलकर शिक्षा व समाज सेवा के कार्यों को और अधिक गति देने का संकल्प लिया गया।

श्मशान घाट का रास्ता खुलवाने की मांग, मेघवाल और नायक समाज ने तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

जयपुर टाइम्स

राजलदेसर(निस)। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम जेगणिया बिदावतान के मेघवाल व नायक समाज के लोगों ने श्मशान घाट के रास्ते पर कथित अतिक्रमण हटाने की मांग को लेकर तहसीलदार हरदीप सिंह को ज्ञापन सौंपा। समाज के लोगों ने प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई कर श्मशान घाट तक आवागमन के लिए निर्धारित मार्ग को सुचारू करवाने की मांग की। ज्ञापन में बताया गया कि ग्राम जेगणिया बिदावतान की रोही स्थित खसरा नंबर 249 भूमि नायक एवं मेघवाल समाज के श्मशान घाट के लिए आवंटित है। समाज के लोगों का आरोप है कि श्मशान घाट जाने वाले रास्ते पर अतिक्रमण होने से आवागमन में परेशानी हो रही है। साथ ही रास्ते में मृत पशु डालने से भी लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कई बार समझाइश के बावजूद स्थिति में सुधार नहीं हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि श्मशान घाट परिसर में लगाए गए पेड़-पौधों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है, जिससे समाज में रोष व्याप्त है। ज्ञापन में प्रशासन से रास्ते पर हुए अतिक्रमण को हटाकर राजस्व अभिलेखों में दर्ज 16 फीट चौड़े मार्ग को खुलवाने तथा श्मशान घाट तक निर्बाध पहुंच सुनिश्चित करने की मांग की गई। इस दौरान करणाराम, मनोज नायक, गंगाराम, राजूराम, मोहनलाल, हरिराम, हिराराम सहित मेघवाल व नायक समाज के सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

स्वच्छ भारत मिशन में अधिकारियों के निलंबन का जताया विरोध

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। राजस्थान पंचायती राज अतिरिक्त एवं सहायक विकास अधिकारी संघ, जिला शाखा चूरू की ओर से विभागीय समस्याओं व विसंगतियों को लेकर जिला कलेक्टर व मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद को ज्ञापन सौंपा गया। जिला अध्यक्ष हंसराज मीणा के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन के दौरान जिला मंत्री योगेन्द्र सिंह, जिला उपाध्यक्ष सोहनलाल घायल, जीवणराम, कोषाध्यक्ष लक्ष्मीनारायण व कुलवन्तसिंह भाकर, गिरधारीलाल दैया, प्रेमसिंह चौहान, सुरेश सैनी, रामस्वरूप सिहाग, छगनलाल, महेन्द्र कुमार भार्गव, रामस्वरूप स्वामी, किशनलाल भाट, सावंतराम दइया, तुलसीराम सैनी, रामनिवास सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। ज्ञापन में स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों की सफाई व्यवस्था से संबंधित मामलों में अतिरिक्त व सहायक विकास अधिकारियों के विरुद्ध की जा रही एकतरफा अनुशासनात्मक कार्रवाई का विरोध दर्ज कराया गया। संघ ने आरोप लगाया कि उच्च अधिकारियों की ओर से निरीक्षण के दौरान बिना किसी प्रारंभिक जांच के अधिकारियों को निलंबित किया जा रहा है तथा सीसीए नियम-16 के तहत आरोप पत्र जारी किए जा रहे हैं, जो न्यायोचित नहीं है। जिला अध्यक्ष हंसराज मीणा ने बताया कि पंचायती राज नियम, 1996 के अनुसार स्वच्छता कार्यों के निर्माण, गुणवत्ता नियंत्रण, मापन, मूल्यांकन एवं भुगतान सत्यापन की प्रत्यक्ष जिम्मेदारी तकनीकी अधिकारियों तथा स्वच्छता समितियों की होती है। इसके बावजूद प्रशासनिक अधिकारियों की जवाबदेही निर्धारित किए बिना अतिरिक्त व सहायक विकास अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है। संघ ने इसे दमनात्मक नीति बताते हुए विरोध जताया और राज्य सरकार का ध्यान इस विषय की ओर आकर्षित करने की मांग की। उन्होंने बताया कि प्रदेशव्यापी अभियान के तहत सभी जिलों में जिला कलेक्टर व जिला परिषदों के माध्यम से सरकार को ज्ञापन भेजे जा रहे हैं। इसी क्रम में चूरू में भी ज्ञापन प्रस्तुत किया गया।

शादी के अगले दिन ज्वेलरी-कैश लेकर दुल्हन फरारः पुलिस ने 2 ठगों को पकड़ा

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। शादी करवाने के नाम पर लाखों रुपए और जेवरात ठगने वाली गैंग का झुंझुनूं की सुलताना थाना पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस मामले में शामिल 2 मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही, पीड़ितों से धोखाधड़ी कर लूटी गई रकम भी बरामद कर ली है। मामला दर्ज होते ही सुलताना थानाधिकारी रविन्द्र कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों (साइबर सेल की मदद) और अपने मुखबिरों के नेटवर्क को सक्रिय किया। पुलिस ने लगातार पीछा करते हुए गैंग के दो सदस्यों को दबोच लिया। आरोपियों के पास से ठगी गई रकम भी बरामद कर ली गई है। पुलिस ने किशनलाल (36) पुत्र डालूराम, निवासी बिरोटी, थाना पानरवा, जिला उदयपुर और अशोक (30) पुत्र महेश कुमार निवासी घरडाना खुर्द, थाना सिंघाना को गिरफ्तार किया गया है। किठाना निवासी पीड़ित सत्यवीर पुत्र बदरू राम जाट ने 2 जून 2026 को सुलताना थाने में एक रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पीड़ित ने बताया कि उसकी जान-पहचान घरडाना खुर्द निवासी अशोक कुमार से थी। अशोक ने सत्यवीर को झांसा दिया कि वह कुछ रुपयों के बदले उसके लड़के अशोक की शादी करवा देगा। पीड़ित शादी के लिए तैयार हो गया और तय रकम दे दी।

इसके बाद, साजिश के तहत 4 अप्रैल 2026 की रात को दुल्हन को पीड़ित के घर लाया गया। लेकिन शादी के अगले ही दिन दुल्हन घर में रखे सोने-चांदी के जेवरात और 10 हजार रुपए नकद लेकर फरार हो गई। जब पीड़ित को समझ आया कि उसके साथ शादी के नाम पर बहुत बड़ी धोखाधड़ी हुई है, तो उसने मामला दर्ज करवाया।

मानसून से पहले शहर की सड़कों नालियों व सीवरेज की व्यवस्थाओं का किया निरीक्षण

अतिरिक्त जिला कलेक्टर अजय कुमार आर्य ने टीम के साथ किया निरीक्षण

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। शहर में मानसून से पूर्व मुख्य नालो की सफाई, मुख्य सड़को की मरम्मत व सीवरेज ऑवर फ्लो के सम्बन्ध में गुरुवार को अति. जिला कलक्टर व प्रशासक नगर परिषद अजय कुमार आर्य द्वारा शहर के मुख्य स्थलो का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण न्यू हाउसिंग बोर्ड कालोनी से प्रारम्भ किया गया। कालोनी में सीवरेज ऑवर फ्लो से प्रभावित स्थलो का निरीक्षण किया गया तथा मौके पर स्थानीय लोगों से इस सम्बन्ध में जानकारी ली। निरीक्षण दौरान प्रशासक की ओर से नगर परिषद अधिकारियो व एल एण्ड टी प्रतिनिधि को सीवरेज से उत्पन्न शिकायतो का त्वरित गति से निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने आगामी मानूसन के मध्यनजर एल एण्ड टी प्रतिनिधि को सामान्य शिकायत निवारण दस्ते के अलावा एक अतिरिक्त टीम मय संसाधन लगाये जाने की निर्देश दिए अतिरिक्त टीम सीवरेज ऑवर फ्लो सम्भावित स्थलो पर शिकायत से पूर्व ही सफाई कार्य पूर्ण करेगी। निरीक्षण दौरान न्यू हाउसिंग बोर्ड योजना के पार्कों की बदहाल स्थित पर नाराजगी जताते हुए प्रशासक आर्य की ओर से न्यू हाउसिग बोर्ड विभाग को उनकी तरफ से पार्क विकसित करने के लिए पत्र भेजे जाने के निर्देश दिए। पुलिस लाईन के सामने निर्माणाधीन आर.ओ.बी. के कार्य स्थल निरीक्षण दौरान पाया गया की जयपुर रोड़ स्थित सीवर लाईन के मैन हॉल को सडक निर्माण में दबा दिया गया है एवम सडक के समानान्तर निर्माणाधीन सम्पूर्ण नाले की निकासी शहर की तरफ दी गई है। जिस पर एडीएम आर्य ने आर.एस. आर. डी.सी. विभाग को सड़क निर्माण से पूर्व सीवरेज चैम्बर को सड़क लेवल तक उठाने, नाले के डिजाईन पेरामीटर को पुन: जांच करने के निर्देश दिए। साथ ही हवाई पट्टी चौराहे पर आर.एस.आर.डी.सी. विभाग की ओर से किए जा रहे रोड क्रोसिग कार्य को अतिशीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। हवाई पट्टी चौराहे से हवाई पट्टी तक क्षतिग्रस्त सड़को दुरस्त करने के लिए भी नगर परिषद अधिकारियो को निर्देश दिए गए। हवाई पट्टी चौराहे के निरीक्षण दौरान पाया गया कि चौराहे पर आर.ओ.बी.आर.यू.बी प्रस्तावित होने के कारण सड़क निर्माण को लेकर सम्बन्धित विभाग आर.एस.आर.डी.सी. को तकनिकी समस्या आ रही है। इस पर अति. जिला कलक्टर की ओर से आर.एस.आर.डी.सी. एवम सार्वजनिक निर्माण विभाग को आपसी समन्वय स्थापित कर अतिशीघ्र सड़क निर्माण का कार्य पूर्ण किए जाने के निर्देश दिए गए। मण्डावा रोड़ के निरीक्षण के दौरान गणपति नगर को जाने वाली मुख्य सड़क क्षतिग्रस्त पाई गई जिससे अतिश्रीध मरम्मत करने के निर्देश दिए गए। अति. जिला कलक्टर की ओर से सार्वजनिक निर्माण विभाग क्षेत्राधिकार में आने वाली मुख्य सड़को जिनमे स्टेडियम से लेकर मण्डावा मोड़, मण्डावा रोड़ से सगिरा सर्किल, अहिसा सर्किल से राणी सती मन्दिर, रोड नं. 2. गुढा चौराहे से रेल्वे फाटक तक तथा बाकरा रोड़ का निरीक्षण किया एव उक्त सडको पर आवश्यक पेचवर्क मानसुन से पूर्व करवाने के निर्देश दिए। अति जिला कलेक्टर ने नगर परिषद तकनीकी व सफाई कार्यों से सम्बन्धित अधिकारियो का एक वॉटस्प ग्रुप बनाने की निर्देश प्रदान किए गये जिसमे प्रत्येक अधिकारी नियमित रूप से अपने आवंटित क्षेत्र का भ्रमण कर सफाई सीवरेज एवम निर्माण कार्यों की गुणवता के सम्बन्ध में रिपोर्ट एवं फोटो प्रस्तुत करेगा। साथ ही एल.एण्ड.टी. के प्रतिनिधि को सीवरेज ब्लॉकेज निवारण के लिए आवश्यक अतिरिक्त मशीनरी उपलब्ध करवाते हुए 30 जून तक सम्पूर्ण सीवरेज नेटवर्क की सफाई करवाने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान नगर परिषद आयुक्त देवीलाल बोचल्या, जिला जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु सिंह, अधिशाषी अभियन्ता, सहायक अभियन्ता, कनिष्ठ अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिशाषी अभियन्ता, कनिष्ठ अभियन्ता आर.एस.आर.डी.सी. विभाग के सहायक अभियन्ता व कनिष्ठ अभियन्ता व सीवरेज कार्य के रख रखाव एजेन्सी एल.एण्ड.टी. के प्रतिनिधि साथ रहे।